

20/11/86



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 1, 1986 (कार्तिक 10, 1908)  
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 1, 1986 (KARTIKA 10, 1908)

इस भाग में सिंगल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### [PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 सितम्बर 1986

सं० ए० 32013/2/86-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग (कर्मचारी) विनियम, 1958 के विनियम 7 के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत सं० लो० से० आ० के० के० सं० से० संवर्ग के निम्नलिखित त्रयो अनुभाग अधिकाधिकारियों को उनके सामने निर्दिष्ट अवधि लिए अथवा आगामी आवेशों तक जो भी पहले हो के० से० के ग्रेड-I में अवर सचिव के पद पर स्थापनापत्र से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:-

सं० नाम	अवधि
सर्वश्री	
वी० एन० अरोड़ा	3-9-86 से 24-11-86 तक
वी० डी० शर्मा	3-9-86 से 24-11-86 तक
डी० आर० मदान	3-9-86 से 24-11-86 तक
धनीश चन्द्र	3-9-86 से 24-11-86 तक
एम० डी० शर्मा	25-8-86 से 24-11-86 तक
पी० डी० श्रीवास्तव	25-8-86 से 24-11-86 तक

एम० पी० जैन  
अवर सचिव (का० प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार,

लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
(का० और प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

सं० ए० 20/65-प्रशा०-5—निवर्तन होने पर, श्री एम० सी० अंगीश, अपर-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, न दिनांक 30 सितम्बर, 1986 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

धर्मपाल भल्ला  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० ओ० दो- 143/69-स्था०-I—राष्ट्रपति, श्री सी० एम० पाण्डे, अपर पुलिस उप-महानिरीक्षक के० रि० पु० बल

को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में आगामी आदेश जारी होने तक प्रोविजनल रूप से पुलिस उप-महानिरीक्षक के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

2. तदनुसार उक्त अधिकारी ने पुलिस उप-महानिरीक्षक, के० रि० पु० बल, कोहिमा का कार्यभार दिनांक 30-8-86 (पूर्वाह्न) से सम्भाला है।

i० गो-रो-2252/85-स्थापना-I—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर भूनेन्द्र कुमार मेहता को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इण्टी आफिसर (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 2-9-1986 (अपराह्न) से सहर्ष नियुक्त किया गया है।

i० गो-रो-2253/86-स्थापना-I—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर विवेक कुमार को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इण्टी आफिसर (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर, 4-9-86 (पूर्वाह्न) से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 6 अक्टूबर 1986]

सं डी० एक० 56/85-स्थापना-I—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री के० के० मेहता, द्वितीय कमान/सहायक कमांडेंट, की सेवायें दिनांक 16-9-1986 (अपराह्न) से नियुक्त निरीक्षण एजेंसी (एक्स्पर्ट इन्स्पेक्शन एजेंसी), वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रतिनियुक्ति आधार पद सौंपी जाती है।

दिनांक 7 अक्टूबर 1986

सं० डी० एक० 43/85-स्थापना-I—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री पी० एस० सेहराबत, सहायक कमांडेंट, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, इम्फाल की सेवायें दिनांक 27 जून, 1986 (पूर्वाह्न) से इन्टेलिजेंस ब्यूरो (गृह मंत्रालय), भारत सरकार, नई दिल्ली को प्रतिनियुक्ति के आधार पर सौंपी जाती हैं।

एम० अशोक राज महीपति  
सहायक निदेशक (स्थापना)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद-461005, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

क्रमांक : 7(66)/5174—इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 7(66)/8850 दिनांक 6-2-1986 के तारनम्य में श्री सी० पी० भाटिया का बेतनमान रु० 840-40-1000-80 अ०-40-1200 में सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 1-8-1986 से 31-1-1987

तक, या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इसमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

श० रा० पाठक

महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

सं० प्रशासन 1 का० आ० संख्या 174—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी० सी० तुली वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 अक्टूबर, 1986 (अपराह्न) को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 22 अक्टूबर 1928 है।

मोहन खुराना

उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानिर्णयक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० प्रशा०/11/2158-86—श्री एस० ब्यू० हुसैन, स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) जिन्हें दिनांक 21-2-81 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा अधिकारी ग्रेड में पदोन्नत किया गया था को परिवीक्षा के दौरान उनके असंतोषप्रद कार्य सम्पादन के कारण दिनांक 8-4-85 (अपराह्न) से स्थायी अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में पदावनत कर दिया गया था।

आर० बी० कपूर

रक्षा लेखा अपर महानिर्णयक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा

कलकत्ता-700061, दिनांक 3 अक्टूबर 1986

विषय : सेवा निवृत्ति

सं० 8/86/ए/ई-1 (एन० जी०)—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री हरी प्रसन्न चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी (मो० एवं स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक) दिनांक 30-9-86 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

2. श्री चक्रवर्ती को उसी दिन से पेंशन स्थापना में स्थानान्तरित किया जाता।

एस० दासगुप्त

उपमहानिदेशक, आ० नि०/प्रशासन  
रक्षे महानिदेशक, आयुध निर्माणियां

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 सितम्बर 1986

सं० प्र०-6/247(31)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के अधीन निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) और स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "क" ग्रेड-II) (इंजीनियरी शाखा) श्री टी० के० बनर्जी अधिवर्षता आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31 अगस्त, 1986 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

आर० पी० शाही

उप निदेशक (प्रशासन)

हुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## इस्पान और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 अक्टूबर 1986

सं० 6634बी/ए-19012(2-ए० के० एस०)/85-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री अशोक कुमार मिश्र को सहायक भूभौतिकीविद् के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200० के स्तुतनम वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1-9-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं ।

अमिन कुशारी

निदेशक (कार्मिक)

## भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

सं० ए० 19011(242)78-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री दीपनकर नाग, स्थानापन्न सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप खाननियंत्रक के पद पर नियमित रूप से दिनांक 8-1986 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

सं० ए०-19011(79)/86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एम० आर० रूईकर, अयस्क प्रसाधन अधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में रु० 1500-60-1800-100-2000/- के वेतनमान में स्थाना-

पन्न रूप में अधीक्षक अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर 25-8-1986 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति की गई ।

सं० ए-19011(154)/86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एस० के० घोष, उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में रु० 1300-50-1700/- के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 25 अगस्त, 1986 के अपराह्न से पदोन्नति की गई ।

जी० सी० शर्मा

सहायक प्रशासन अधिकारी

हुते महानियंत्रक,

## दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं०-6/61/86-एस०-2—पदोन्नति होने पर आकाशवाणी, नई दिल्ली से उनका स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप दूरदर्शन महानिदेशक द्वारा श्री आर० पी० शर्मा को दूरदर्शन केन्द्र, राजकोट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर 4-9-1986 (पूर्वाह्न) से 31-10-1986 तक नियुक्त किया जाता है । वे मुख्यालय से दूर स्थित दिल्ली में कार्य करते रहेंगे ।

बलवीर सिंह संघू

प्रशासन/उपनिदेशक

हुते महानिदेशक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

सं० 28/12/85-एम०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी निम्नलिखित फार्म रेडियो रिपोर्टों को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर अगले आदेशों तक अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम	केन्द्र का नाम जहाँ फार्म	फार्म रेडियो
सं०		रेडियो अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है	अधिकारी के रूप में नियुक्ति की तारीख

सर्वश्री

1. ए० एन० विश्वास आकाशवाणी, कुसियांग 23-7-86
2. निगिसग रायसन आकाशवाणी, इम्फाल 25-8-86

मोहन फासिस

प्रशासन उपनिदेशक

हुते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 अक्टूबर 1986

सं० 4 (72)/80-एस-1-श्री ए० कृष्णामूर्ति, कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी बंगलौर ने 10 जुलाई, 1986 से सरकारी सेवा से त्याग-पत्र दे दिया है।

आई० एल० आर्टिया  
प्रशासन उपनिदेशक (व्यापक)  
कृते महानिदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1986

पत्रांक : 7-23/77-प्रशासन-प्रथम-सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एच० आर० गाबा, सहायक कीट विज्ञानी (समूह "ख"-राजपत्रित) ने सितम्बर 30, 1986 को अपराह्न में वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निदेशालय में सहायक कीट विज्ञानी के पद का कार्यभार संभाला (छांड़) दिया है।

आर० एल० रजक  
वनस्पति रक्षा सलाहकार  
भारत सरकार

फरीदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

पत्रांक : 7-15/86 प्रशासन-प्रथम-भारत सरकार के वनस्पति रक्षा सलाहकार, श्री कुलसुमन सिंह कपूर को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूप के वेतनमान में सितम्बर 17, 1986 (पूर्वाह्न) से वनस्पति रक्षा संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अधीन अस्थायी रूप से अगले आदेशों तक केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, बारामूला (जम्मू कश्मीर) पर निगरानी अधिकारी (समूह "ख" राजपत्रित) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० पी० कुटार  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,

परमाणु ऊर्जा विभाग  
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0703/1699- इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0703/1527, दिनांक 9-8-1986 के क्रम में सहायक लेखा अधिकारी श्री जु० सूर्यनारायण राघु की लेखाधिकारी-1 के रूप में र० 840-40-1000-द० रो०-40-1200

के वेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 1-10-1986 पर्यंत या आगामी आदेशों पर्यंत-इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

दिनांक 4 अक्टूबर 1986

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/1800-इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/1672-दिनांक 10-9-86 के क्रम में आशुनिधि श्रेणी-III, श्री तु० श्री अजय कुमार की सहायक कामिक अधिकारी के रूप में र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 29-10-86 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों पर्यंत-इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/1801-इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/1651, दिनांक 01-9-1986 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री ए० पाप्पाचन की सहायक कामिक अधिकारी के रूप में र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 29-1-1986 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों पर्यंत-इनमें से जो पूर्वघटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह,  
प्रबन्धक, कामिक व प्रशासन

राजस्थान परमाणु बिजलीघर

अणुशक्ति-323303, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

सं० रापबिघ/भर्ती/2 (17)/86/स्थ०/792-राजस्थान परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक ग० प० बि० घ० की स्थायी सहायक सेंट्रल श्रीमती वी० हेनरी को राजस्थान परमाणु बिजलीघर में दिनांक 18-9-84 के पूर्वानु से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सेंट्रल (650-1200) के पद पर नियुक्त करते हैं।

आर० के० चौ०  
सहायक कामिक अधिकारी (अ)

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 3 अक्टूबर 1986

सं० 05012/भा०पी०ओ०थी०/41-12-भारी पानी योजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री रेवता डोरायस्व सहायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (म) को इसी परियोजना में श्री वी० के० हरिमथ, सुरक्षा अधिकारी जो छुट्टी पर हैं के स्थान पर 1 मई 1986 (पूर्वा०) से 12-1986 (अप०) तक के लिए स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणी,  
प्रशासन अधिकारी



अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बैंगलूर-560 017, दिनांक 29 सितम्बर 1986

सं० 020/1 (15.1)/86-स्थापना-I—इसरो उपग्रह केन्द्र, के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दशायी नियतों से अगले आदेश प्राप्त होने तक बिल्कुल अनतिथि एवं अस्थायी आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
1.	कुमारी रेवती कडेकर	वैज्ञानिक/अभियन्ता— एस० बी०	16-6-86
2.	मुरलीधरन टी०एम०	वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० बी०	1-4-86
3.	श्री रतीश राव बी०	वैज्ञानिक/अभियन्ता— एस० बी०	20-3-86
4.	श्री आर० सुनील	वैज्ञानिक/अभियन्ता— एस० बी०	30-6-86
5.	श्री पी० स्वामीश आर० ऐताल	वैज्ञानिक/अभियन्ता— एस० बी०	30-6-86
6.	श्री के०जी०मंजुनाथ	वैज्ञानिक/अभियन्ता— एस० बी०	20-5-86
7.	श्री प्रसन्न वैकटेश एस० एन०	वैज्ञानिक/अभियन्ता— एस० बी०	2-6-86

एस० एस० रामदास  
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० ए० 12025/1/84-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री जी० थामाराई सेलवान को दिनांक 9-9-1986 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक 700-1300 रुपए के वेतनमान में उन्नयोभ्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० थामाराई सेलवान को निदेशक, उड्डन योग्यता कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

एस० भट्टाचार्य,  
उपनिदेशक, प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरादून, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

सं० 16/452/86-स्थापना-I—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभ्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्रीमती नीता चौहान, अनुसंधान सहायक ग्रेड-I को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय के भारत डेनमार्क परियोजना, हैदराबाद में दिनांक 8-9-86 के पूर्वार्ह से आगामी आदेशों तक अनुसंधान अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जगदीश नारायण सक्सेना

कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समाहर्तलिय

बम्बई-400020, दिनांक 7 सितम्बर 1986

सं० II/3ई (ए) 2/77 पार्ट-II—बम्बई-1 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय में तैनात श्री एन० जे० शाह, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह "ख" दिनांक 1-9-1986 को स्वेच्छया सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 11/3ई (ए) 2/77 पार्ट-III—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित दफ्तर श्रेणी निरीक्षकों ने प्रोत्तति पर उनके नामों के आगे दशायी गई तारीख से बम्बई-1 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

क्र० सं०	नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री विजय दत्त	28-8-1986 (अप०)
2.	श्री बी० एस० जोल	29-8-1986 (पूर्वा०)
3.	श्री आर० एस० शृंगारपुरे	29-8-1986 (पूर्वा०)
4.	श्री के० बी० राणे	05-9-1986 (अप०)

ए० एम० सिल्ला,

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

कोयम्बतूर, दिनांक 29 अगस्त 1986

सी० सं० II/3/74/85-स्थापना—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित निरीक्षकों को केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क के अधीक्षक ग्रेड (ग्रुप बी) 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200-ए० के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है और उनके नामों के सामने दी गयी तारीख से उन्हें इस कलक्टर की में तैनात किया जाता है :—

क्रमांक नाम अधीक्षक के रूप में नियुक्ति की तारीख

सर्वश्री—

- |                            |                      |
|----------------------------|----------------------|
| 1. एम० जयरामन              | 05-05-1986 (एफ० एन०) |
| 2. श्रीमती के० पी० पार्वती | 06-06-1986 (एफ० एन०) |
| 3. एस० राममूर्ति           | 18-06-1986 (एफ० एन०) |
| 4. के० ए० फिरोजो           | 09-07-1986 (एफ० एन०) |
| 5. एच० ज्ञानराज            | 19-08-1986 (एफ० एन०) |

जी० बी० नायक  
उप समाहर्ता (पी तथा ई)  
कृते समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

सं० 11/86—अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के पद पर पदोन्नत होने पर निम्नलिखित निरीक्षकों ने उनके नाम के आगे दर्शायी गई तिथियों को अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं।

क्र० नाम तैनाती स्थान कार्य ग्रहण की तिथि  
सं०

सर्वश्री—

- |                    |                                     |         |
|--------------------|-------------------------------------|---------|
| 1. सी० आर० जीमुलकर | अधीक्षक, के० उ० शु०                 | 1-9-86  |
|                    | सांख्यिकी शाखा मुख्यालय (पूर्वाह्न) |         |
| 2. बी० पी० तिवारी  | अधीक्षक, के० उ० शु०                 | 2-9-86  |
|                    | राजनन्दगांव (अपराह्न)               |         |
| 3. आर० के० मिश्रा  | अधीक्षक, के० उ० शु०                 | 24-9-86 |
|                    | नागदा (अपराह्न)                     |         |

एस० ज्ञी० रामाकृष्णन  
समाहर्ता

बड़ोदरा, दिनांक 24 सितम्बर 1986

सं० 24/1986—श्री बी० एल० भट्ट वरिष्ठ : र्ष ६ क (वर्ग “क”) केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (तकनीकी शाखा) मुख्यालय, बड़ोदरा दिनांक 8-9-86 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-9-86 के अपराह्न में निवर्तन की आयु पर सेवा से निवृत्त होंगे।

सं० 25/1986—श्री आर० एम० त्रिवेदी, प्रशासनिक अधिकारी (वर्ग “ख”) केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क मण्डल II बड़ोदरा दिनांक 17-9-86 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-9-86 के अपराह्न में निवर्तन की आयु पर सेवा से निवृत्त होंगे।

सं० 26/1986—श्री डी० डी० लाड, प्रशासनिक अधिकारी (वर्ग “ख”) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बलसाड, दिनांक 29-9-86 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-9-86 के अपराह्न में निवर्तन की आयु पर सेवा से निवृत्त होंगे।

श्रीमती वरलक्ष्मी—राजमानिकम  
समाहर्ता

सम्पदा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० ए०-12026/2/86—प्रशा० “ख”—गण्टपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी० जार्ज पारकन को 12 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक श्री टी० के० गुड के स्थान पर जिन्होंने 13-8-86 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है, सम्पदा सहायक निदेशक (मुकदमा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

लक्ष्मन दास  
सम्पदा उप-निदेशक (स्था०)

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार

अधिनियम, 1956 और मेसर्स धूप सन्स रबर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

खालियर, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

क्रमांक 2488/पी० एस०/सी० पी०/1985—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैं धूप सन्स रबर

इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर (म० प्र०) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेक्टर्स श्री बंसीधर ट्रांसपोर्ट  
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
ग्वालियर, दिनांक 10 अक्टूबर 1986

सं० 695/पी० एस० सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० श्री बंसीधर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर (म० प्र०) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

एस० करमाकर  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मै० सीमेंट कन्स्ट्रक्शन कं०  
लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1986

सं० 718/31206/560/3—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै० सीमेंट कन्स्ट्रक्शन कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रति-कूल कारण दशित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं अलविन होल्डिंगज एवं  
इंजीनियर्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1986

सं० 717/31116/560/2—वी 31-4-86—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलविन होल्डिंगज एवं इंजीनियर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दशित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

(ह०) अपठनीय  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,  
महाराष्ट्र, बम्बई

प्रकृष्ट प्राप्ति, टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 22 मितम्बर, 1986

निर्देश सं० एल० सी० 803/86-87—अन सुझे, एच०

बी० उपाध्याय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, जो वयनाड  
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलपेड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन, तारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
आइ/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों  
के विम्ह भारतीय बाय-कट अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित करता हूँ :-

1. राजगिरी स्वयं और प्रोडूस कम्पनी लिमिटेड,  
आलप्पी।

(अन्तरक)

2. श्री एम० मेय्याप्पन जूनियर,  
106/सामनोम हई रोड,  
मद्रास-600028

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बायें :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

उप-रजिस्ट्री, कार्यालय कलपेड़ा के दस्तावेज सं० 619/  
86 में संलग्न अनुसूची के अनुसार वयनाड फरका में एनटेवन  
आर मकान स्लीन के 323.25 स्थल का 2/5 भाग।

एच० बी० उपाध्याय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 22-9-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एफ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोविन्द-16, दिनांक 22 सितम्बर, 1986

निर्देश सं० एल० सी० 801/86-87—अतः मुझे, एच०

वी० उपाध्याय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार डर, जो वयनाड में स्थित है (और इसमें उपाध्याय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एरिस्टोस्टी अधिकारी के कार्यालय कलपेडा में भारतीय रेजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायित्व को कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धारा 269-ग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—  
2—306 GI/86

1. कुमारी राधागिरि खर और प्रोडुन (प्वनी) लिमिटेड, आन्धी से यह का डायरेक्टर अर्थात् सुब्रह्मण्य और ईप्पन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्षी मैथ्याप्पन, मैथ्याप्पन का पवनी, 106, साननोम रहैरोट, मडुलाई मद्रास-60008।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद् व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उपरिजिस्ट्री कार्यालय कलपेडा के दस्तावेज सं० 620/86 में संलग्न अनुसूची के अनुसार वयनाड थानका में प्लान टेशन और मालन के 323.25 स्थल का 2/5 भाग।

एच० वी० उपाध्याय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 22-9-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कोचीन

कोचीन, दिनांक 22 सितम्बर 1986

निदेश सं० एल० सी० 802/86-87—अतः मुझे, एच०बी०  
उपाध्याय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, जो वयनाड में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के तार्यालय कलपेड्डा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 24-2-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
आयकर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ए० की किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी राजागरीक्षर श्री प्रोडक्ट्स व मनी लिमिटेड,  
आरम्पी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० अतागाम्मी आर० मुदय्या का पत्नी,  
97 सानथोम हाई रोड,  
मद्रास-28।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन की विश्व  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मजबूतकारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

उपरिजस्ट्रार कार्यालय कलपेड्डा के दस्त वेब सं० 618/86  
में संलग्न अनुसूची के अनुसार वयनाड फरकना में प्रानटेबन  
और मकान स्थित के 323.25 स्थल का 1/5 भाग।

एच० बी० उपाध्याय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 22-9-1986

मोहर :

द्रुपद आई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल/19—अतः मुझे, आई० के०  
गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो श्री किरण-11, अशोक  
रोड, कन-26 (और इसके उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार आधिकार कार्यालय, सक्षम  
प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयाचक्षार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती मोहिनी हिरानन्द छबलानी एवं अन्य  
(अन्तरक)

2 सरोवर ट्रेड एसोसियेशन लि०।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याख्याओं पर  
सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 1753.59 फुट, श्री किरण अशोक रोड, कलकत्ता  
27 पर अवस्थित।

आई० के० गायेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 19-9-1986  
मोहर :

प्रकट भाई.टी.एन.एच. ११११११

(1) मै० रेतोकस कामिथियल लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अतुल कटाइका।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ए सी-52/आर-II/कल/86-87:— अतः

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता  
में स्थित है। और इन्हीं उपायद्वय अनुसूची में और, पूर्ण रूप  
से वर्णित है), परिसूचित अधिगारी के कार्यालय सक्षम  
प्राधिकारी, में, परिसूचित अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधिनियम, तारीख 10-2-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विस्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
की/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ण होगा जो उक्त बन्धन में दिया  
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र : 2294 वर्ग फुट प्लॉट नं० 3 एतीसरी मंजिल  
पर, 8, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-27 में अवस्थित।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक : 19-9-1986

मोहर



अर्थ आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर, 1986

निर्देश सं० ए० सी०-53/आर-II/कल०/86-87—अत  
मुझे, आई० के० गायेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 15 है तथा जो अलिपुर पार्क रोड,  
कलकत्ता में स्थित है और इसका उपायुक्त अनुसूची में और,  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिार के कार्यालय  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रघात, तारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
कार्यवाही में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 अनन्तो इमारता देवा गुप्ता

(अन्तरक)

2 फतेपुरिया हॉसिंग रेमा लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तम्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 16 कट्टा 11 छटाक 1 वर्ग फुट 15, अलिपुर  
पार्क रोड पर अवस्थित।

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकरण

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 19-9-1986

मोहर :

प्रकाशक आई.टी.एन.एल.-----

1 श्री वागा लिथोटिक्स लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 हिन्दुस्तान इवैन्सटमेंट लि०।

(अन्तरिती)

**शाब्दिक संस्करण**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर, 1986

दिश सं० ए० सी०-54/आर-11/अ.सं/86-87,-- अतः

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संख्या 12 है तथा जो अग्निपुर अवेंगु, कलकत्ता  
में स्थित है। (और इसका उपायद्वय अनुसूचा में प्रा०, पूर्ण रूप  
से वर्णित है), अग्निपुरावेंगु अधिभार के कार्यालय आर०  
कलकत्ता में, अग्निपुरावेंगु अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उचित दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिभारकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

2/5 वां अंग जमीन 17 रुद्रा, 4 छटाक, 16 दर्ग फुट  
12 अग्निपुर अवेंगु, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० के० गायेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 19-9-1986  
माहुर:

अध्यक्ष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ए० सी०-55/आर-II/ले०/30-87-— अ०:

मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विचारण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 12 है तथा जो अलिपुत्र अवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है और अपने उपावृद्ध अनुसूची में शीत, पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वकर्ता अधिपति के कार्यालय अ० सी० कलकत्ता में, राजस्व विभाग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-1986

इस सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के कारण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विचारण करने का कारण है कि उपापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
बाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

1 इम्प्ल प्रोजेक्ट्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2 सराफ होल्डिंग्स प्रा० लि०।

(अन्तरित)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के बिना कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/5 वां अंश जमीन भाग:—17 कट्ठा, 4 छटाक, 16 वर्ग फुट, 12, अलिपुत्र अवेन्यु कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० के० गायेन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड-II, कलकत्ता

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 19-9-1986

मोहर:

प्रत्यक्ष बाई. टी. एम. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रोड-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ए० सी०-56/आर-II/कल०/86-87-यतः मुझे,

आई० के० गायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है तथा जो धनदेवी खन्ना रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (जो इसमें उपाख्य प्रसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित प्राधिकारी के कार्यालय  
सक्षम प्राधिकारी में, जो उक्त अधिनियम 1908 (1908  
का 11) के प्रयोग, तारीख 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क्र (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित आदेश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण  
में कमी करने या नससे बचने में प्रविष्टा के लिए  
बाद/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1921  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ए० पी० आनंद एवं एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) ए० एण्ड ए० डेवलोपमेन्ट्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

क्षेत्र : 5 कट्टा, 13 छटाक, 5 वर्ग फुट, 10, धनदेवी  
खन्ना रोड, कलकत्ता-54 में अवस्थित।

आई० के० गायन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
घर्जन रोड-II, कलकत्ता

तारीख : 19-9-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ए० सी०-46/आर-II/अन/86-87 -यतः मुझे,  
आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन गण्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोष रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय सक्षम  
प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिया जा सकने की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापक के अधीन का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
या मौखिक रूप से अधिकतम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाप  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया को हटाया, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन सूचना, अध्यापक, अध्यापक 8-

3-306 GI/86

1. रेनोक्स कॉमर्शियल लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इमारती देवी गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 ए, 1 बी, पहली मंजिल पर, 8522 वर्ग  
फुट, 8, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-27।

आई० के० गायेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक : 5-9-1986

मोहर :

प्रमाण प्राप्त: टी. एन. एन.

**जावहर लाल नेहरू, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-क (1) में अंशिक सुधार**

STUDY SUMMARY

कार्यालय, सहायक नायक नायक (निर्देशक)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

निदेश सं० पो० आर० नं० ४४३५—अतः मुझे, बी० आर० कौशिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या तीन मंजुवादावा मकान, 41, जगताप  
 णाट राजकोट में है। तथा जो में स्थित है (श्रीर  
 इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन, तारीख 24-9-1986

को पूर्णतः सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान प्रतिफल के लिए अनवरत की गई है और वृद्धि वह विश्वास करने का कारण है कि बनापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतर्गती (अंतर्गती) के बीच ऐसे अनवरत के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित कथन है सकत अनवरत विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बाबत, उक्त मतिनिमय को बचीन कर देने के अन्तरक को अनिवार्य को कही करने का सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(११) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा अन्य अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाया जाहिण वा, अधिनियम में उल्लिखित है कि;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ में अप्रत्यक्ष  
 रूप से, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
 में लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. निर्मला बेन हरी प्रसाद भट्ट  
41, जगन्नाथ प्लाट,  
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभु दास नरमेरास कामदार और 6 अन्य,  
प्रनुपम फ्लैट्स,  
टेलीफोन एक्सचेंज के सामने,  
जाल बहादुर शास्त्री मार्ग,  
घाटकोपर (वेस्ट), बम्बई-४६।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्णतः संपत्ति को बचाने में निष्कार्यतापूर्ण करता है।

**कमल हजारीलाल जी अर्जुन जी कल्याण जी काँडे जी बाबादेव--**

(क) इस सूचना के उपबन्ध से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी समीक्षित करने में समर्थ होती है, जो नीचे सूचीबद्ध व्यक्तियों से संबंधित व्यक्तियों पर है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जन्तु स्थावर संपत्ति में हितवाच्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम विहित में किया जा सकेगा।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महाराष्ट्र

तीन मंजलावाला मकान, 41, न्यू जोगनाथ प्लाट राजकोट  
में रजिस्ट्रेशन नं० 6637/24-9-1986।

बी० आर० कॉणिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 7-10-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सामंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4733/II/86-87 — अतः

मुझे, पी० आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसका 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बंगला नं० 57, सैफ सोमायटी, लम्से  
खूशन है। तथा जो रोड, आर० एफ० नं० 31, टी० पी०  
एफ० नं० 8, सुरत में स्थित है (और इसके उपाय अन्तः-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधिन, तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(२) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(३) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

1. श्री रसीक लाल मूल चन्द शाह  
57, सैफ सोमायटी,  
लाम्बे हनुमान रोड,  
सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री ललित कुमार सी० संधसी,  
50, सैफ सोमायटी,  
सुरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् साक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सुरत में  
7768 नम्बर पर दिनांक 29-9-1986 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

जी० आर० कौशिक  
सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 6-10-1986  
मोहर :

**प्रमाण पत्र**, टी. एन. एस.

सावध रहें अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्ति  
269-ब (1) को अपील सूचना

**आपका संतुष्टि**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरীक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

અહમદાબાદ, દિનાંક 6 અક્તૂબર, 1986

पी० आर० नं० 4734/II/86-87 —अतः मुखो, जी०

प्रार० कौशिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्लॉट नं० 20, जी० आई० डी० सी० काबी है। तथा जो क्वाटर्स प्लान्ट एण्ड मशीनरी वापी में स्थित है। और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1986।

कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँके यह विश्वास है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) सरकार ने इस कानून का उद्देश्य क्या है? क्या यह न्यायिक प्रणाली को सुदृढ़ करने और न्यायिक प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए है? क्या यह न्यायिक प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए है? क्या यह न्यायिक प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए है?

(ब) एसी किसी जाय वा किसी धन या भन्व जास्तियों का, किन्तु भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ भारतीयों द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना सम्भवा था, किन्तु

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० मे० एसोसियेट्स (प्रा०) लि०  
वापी जी० आई० डी० सी०

(अन्तरिणी)

2. मै० वापी आसगेनिक केमिकल्स (प्रा०) लि०

वापी इण्डस्ट्रियल इस्टेट

बापी ।

(अन्तरिणी)

और वह बुझना जारी करके पर्याप्त उपचार की व्यवस्था करके कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सभासु के अवन के सम्बन्ध में प्रत्येक १० दिनों के

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहण या अधिग्रहण के लिए लिखित में किस आसक्ति होगी।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

37 ईई का फार्म पर कार्यालय में 3-10-86 को पेश किया गया है।

जो० आ० कीर्ति

सदाम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1986

मोहर ।



प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4735/11/86-87 —अतः मुझे,

जी आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'आयकर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का आदेश  
है कि स्थावर संपत्ति (जिसका मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है)

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और निम्नी संख्या वर्गीकृत 292, 291, 293, 295 खड़क  
है। तथा जो तहसील पारडी में स्थित है (और इसके उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गीकृत है), रजिस्ट्रार की  
अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रार अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-1986  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है 'क' अध्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अभित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचि अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
प्र०, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत 2—

1. श्री जीर्दीन चन्द्र डाकोर लाल पटेल  
खड़की, तहसील पारडी।

(अन्तरक)

2. श्री जयचम दोरावजी उनवाला।  
उदवाडा, तहसील पारडी।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
आवेदनियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदत्त सूचना और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37 सी जो सब रजिस्ट्रार पारडी में दिनांक  
16-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है जिसका कुल  
मूल्य 12,91,000/— रुपये है।

जी० आर० कौशिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1986  
मोहर

प्रकाशित, श्री. ए. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4433—अतः मुझे, बी० आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अब पी० अहमदाबाद में, साडीया III, बोर्ड सी० एल० नं० 1711 और है। तथा जो 1912, जमीन 505, 85 वर्ग मीटर 198.16 मकान में स्थित है। और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1986।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अन्तरण से कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिन्हें नें सूचना दी गई;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) साफरलाल बालाभाई चोरीटबल ट्रस्ट  
डी-11/12, सील्वर आर्क बिल्डिंग,  
रेलवे क्रॉसिंग नजदीक,  
गुजरात कालेज, ऐलीसबीज,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) गुजरात ला सोसायटी  
ऐलीसबीज,  
अहमदाबाद-38006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्देश्य से कोई भी बाधक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच. पी. अहमदाबाद में खड़िया वाड-111, सी.एस.नं. 1911 और 1912, जमीन क्षेत्रफल 505.85.85 वर्ग मीटर+ 198.16.28 वर्ग मीटर+मकान उन पर रजिस्ट्रेशन नं. 16638/30-9-86।

बी० आर० कौशिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज अहमदाबाद

तारीख: 6-10-1986

मोहर :

प्रकट नं० टी.एच.एच. 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

## सहायक नायकर

कार्यालय, सहायक नायकर बाबुलत (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4424—अतः मुझे, बी० आर०

कौशिक,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, बिजली उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 2267 बी-2, 2267 बी-1  
और 2267-ए है। तथा जो जमीन 1906.08  
वर्ग मीटर, ग्हील ड्राइव भावनगर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 26-6-1986 और 14-7-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, जो त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वापस में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नाय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
होशियारी के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
य, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सरोताबेन नन्दलाल पण्डया,  
और सुरेश कुमार नन्दलाल पण्डया,  
सूर्य महल नं० 2,  
वाघवाडी, भावनगर।

(अन्तरक)

2. श्री मुकेश कुमार त्रिलोकचन्द चौधरी  
डाइरेक्टर त्रिलोकशीप ब्रेकर्स लिमिटेड,  
और चौधरी एण्ड चौधरी शीप ब्रेकर्स (प्रा.) लिमिटेड,  
32, कथाय स्ट्रीट, दाहखाना,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के दस्त  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2267 बी-2, 2267 बी-1 और 2267-ए  
जमीन क्षेत्रफल 1906.08 वर्ग मीटर मीटर, ग्हील ड्राइव,  
भावनगर में, सब रजिस्ट्रार भावनगर रजिस्ट्रेशन नं० 1836  
दिनांक 26-6-1986, 2043/14-7-86 और 2042/  
14-7-1986।

बी० आर० कौशिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, अहमदाबाद

दिनांक: 29-9-1986  
मोहर:

प्रकाश बाबू, टी.एन.ए.

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4434—अतः मुझे वी०  
आर० कौशिक

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी०  
एन० 20 ज० पी० नं० 61 जमीन है। तथा जो 709  
वर्ग गार्ड प्रकान 296 वर्ग मीटर 1/2 वीन पञ्चजचणी कीया  
गो दिया है (और इसके उपाय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन में तारीख 30-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, विधिवत उचित है उक्त अन्तरण लिखित में  
लिखा गया है और उचित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण के द्वारा किसी काम की बावत, उक्त  
अधिनियम के अर्थों में अन्तरण के  
विवरण में करी कर के उक्त अर्थों में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) एसी किसी भाग या किसी भूत या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरिती कृपात प्रकट नहीं किया  
गया था या जिसका अलावा बाह्य भाग, विभाजन  
सुविधा में लिख;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत व्यक्ति, अर्थात् :—

1. नवनील लाल श्री सोडी फेमिली ट्रस्ट  
मेडिकल ट्रस्टी

श्रीमति शारदा नवनील लाल मोडी

विकासी पार्क दादर

बम्बई-400038।

(अन्तरक)

2. नीला जनमणकर माफण्ड

जोधपुरा रोड

मेटेलाइट रोड अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्थों में कि  
आवश्यकता कर रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों में अर्थों में अर्थों में अर्थों में :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एच० पी० अहमदाबाद ; 1/2 वीन पञ्चजचणी कीया रोड  
सिस्टम टी० पी० एन० नं० 20 एफ० पी० नं०  
ककी जमीन 704 वर्ग गार्ड प्रकान 296.72 वर्ग मीटर  
अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 16586/30-9-1980।

वी० आर० कौशिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अहमदाबाद

दिनांक : 6-10-1986

मोहर :

**प्रथम भाग, टी. डब्ल्यू. एस.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4425 — अतः मुझे, बी० आर०  
कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एस० नं० 18 एफ०-1, अन्जारिया  
चेम्बर्स बंगला नं० ए० बी० और सी है तथा जो 5622  
वर्ग फीट है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 26-9-1986

को प्रभावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिब  
में कमी करने या उससे बढ़ने में मूविभा के लिए;  
बाँट/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आम्तियों  
को, जिन्हें भारतीय अथवा अन्तराष्ट्रीय अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अन्तराष्ट्रीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावकारी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविभा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—  
4-306GI/86

1. मैसर्स अन्जारिया एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड,  
मैनेजिंग डाइरेक्टर,  
श्री जवाहर लाल सुन्दरजी अन्जारिया,  
अन्जारिया चेम्बर्स, के० बी० रोड,  
जामनगर।

(अन्तरक)

2. आर० के० शा फैमिली ट्रस्ट,  
ट्रस्टी श्री आर० के० शाह,  
सुमेर क्लब रोड,  
जामनगर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तिगत रूप  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सी० एस० नं० 18 एफ० 1, अन्जारिया चेम्बर्स  
संकेत फ्लोर, बंगला नं०, ए० बी और सी० क्षेत्रफल 5622  
वर्ग फीट 522.28 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 3014/  
26-9-1986

बी० आर० कौशिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 29-9-1986  
मोहर :

**प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एच.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर, 1986

सं० पी० आर० नं० 4426 --अतः मुझे, बी० आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एच० पी० अहमदाबाद में, टी० पी० एस-3, एफ० पी० नं० 963, है तथा जो एस० पी० नं० 20, जमीन 1127.95 वर्ग मीटर मकान में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायक के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. सुशीला बेन हरीनाल नाथानाल की विधवा पत्नी, आनन्द अपार्टमेंट, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री पी० कं० संघवी (एच० यू० एफ०) डमावेन दिनेश भाई संघवी 'गोविन्द शीतलबाग, मोदाखाली चार रास्ता, एलोमशिवा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स फिशन वादर्स प्रा० लिमिटेड शीतलबाग, सरदार पटेल रोड, अहमदाबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एच० पी० अहमदाबाद में, टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 963, एस० पी० नं० 20, जमीन 1127.95 वर्ग मीटर, मकान नूतन को० आप० हा० सोमायटी, अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन, नं० 16566/29-9-1986।

बी० आर० कौशिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रोज अहमदाबाद

दिनांक : 30-9-1986  
मोहर :

वकन आई.टी.एन.एन.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० पी० आर० 4399—अन: सुमे, बी० आर० कौशिक,  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन 976 वर्ग यार्ड+मकान अहमदाबाद  
में, टी० पी० एस० 3/5, है तथा जो एफ० पी० 595,  
एस० पी० नं० 1, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
29-9-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती जीतेन्द्र शंकरलाल पटेल एच० यू० अफ०  
जीतेन्द्र नीवाम, रंगशाला टावर के नजदीक,  
गुजराज कालेज रोड, अेलीस ब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 प्रीत को० ओ० प्रा० सोमाइटी  
प्रयोहजड ओगेनाइजर  
कल्पना किरतभाई नगर रोड,  
586, पटेल एण्ड शाह बिल्डिंग,  
मिठारवाली, अेलीसब्रिज,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिमा शुरू करत हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये  
गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 976 वर्ग मीटर+मकान अहमदाबाद में  
टी० पी० एस० 3/5, एफ० पी० नं० 595, एस० पी० नं०  
1, रजिस्ट्रेशन नं० 16533/29-9-86।

बी० आर० कौशिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-9-1986  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० पी० आर० नं० 4428:—अतः मुझे, बी० आर०  
कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन क्षेत्रफल 476 वर्ग यार्ड+मकान  
अहमदाबाद में, है। तथा जो टी० पी० एम० 3/5 एफ०  
पी० नं० 595, एफ० पी० नं० 2, में स्थित है (और इसके  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
क्षेत्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अवस्था से उक्त अन्तरण जिसमें बास्तविक रूप से अधिकतम  
होना किन्ना गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
बाध्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. सफरबेन शंकरलाल दयालभाई पटेल  
जीतेन्द्र निवास,  
रंगवाला टावर के नजदीक,  
गुजरात कालेज रोड,  
ऐलीसब्रिज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. गीत को० ओ० रा० सोसायटी प्रयोजक  
आर्गेनाइजर गुरीबेन कौशिकभाई पटेल  
मुकेश धीरजलाल बोरा,  
586, पटेल एण्ड शाह बिल्डिंग,  
मिठारवाली, ऐलीसब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 976 वर्ग यार्ड+मकान अहमदाबाद में  
टी० पी० एम० 3/5 एफ० पी० नं० 595, एम० पी० नं० 2  
रजिस्ट्रेशन सं० 16534/29-9-86।

बी० आर० कौशिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 30-9-86  
मोहर :



प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4429-अत मुझे, बी० आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी जमीन 5532 वर्ग यार्ड+पुराना मकान, अहमदाबाद में, है तथा जो टी० पी० एस० 14, एफ पी० 233, सर्वे० नं० 189 में स्थित है (और इसी उप-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार धारा 269-घ के अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अस्पि डुगाजी दारुवाला और अन्य, चिकटार विला, राजभवन रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरक)
2. डुंगाजी अपार्टमेंट को ओ० हा० सोसायटी, प्रपोज्ड आर्गेनाइजर—श्री दायामाई चतुरभाई पटेल, कमल कुंज सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 5532 वर्ग यार्ड+पुराना मकान, क्षेत्रफल 283.78 वर्ग मीटर, जमीन के बाहर 6242 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस० 14, एफ० पी० नं० 233, सर्वे० नं० 189 अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 14386/22-9-1986।

बी० आर० कौशिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 30-9-1986  
मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एम. . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4430 —अतः मुझे, बी० आर०  
कांशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन 401 वर्ग यार्ड मकान जी० एफ० +  
एफ० एफ० टी० पी० एम० 3, है तथा जो एफ० पी०  
नं० 214 बी, एस० पी० नं० 6, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह से, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वास्तविक से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ललितबेन शांतीलाल चौकसी  
2. सरयू फ्लैट्स, नेताजी रोड,  
मीडारपली चार रास्ता,  
एलीसब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. गुजरात राज्य पॉल्ट्री को० ओ० फेडरेशन लिमिटेड,  
61, सरदार पटेल कालोनी,  
अहमदाबाद-380014।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 401 वर्ग यार्ड मकान जी० एफ०  
एफ० एफ० क्षेत्रफल 111.20 वर्ग मीटर, अहमदाबाद टी०  
पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 214 बी, एस० पी० नं० 6  
रजिस्ट्रेशन नं० 16543/27-9-1986।

बी० आर० कांशिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-9-1986

मोहर :

## प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1986

सं० पी० आर० नं० 4431—अन्तः मुद्रा, बी० आर०  
कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन 709 वर्ग यार्ड+मकान 296.72  
वर्ग मीटर पैकी 1/2 है तथा जो झीन पहेचणी फ्रीया और  
अहमदाबाद में, टी.पी.एस. 20, एफ.पी. 61 में स्थित है  
(और इससे उाधद अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. तबवीत सी० मोदी फ़ैमिली ट्रस्ट,  
मैनेजिंग ट्रस्टी शारदा बैन नवनील लाल मोदी,  
शिवार्जी पार्क, दादर,  
बम्बई-400028।

(अन्तरक)

2. अनील चन्द्र कान्त नानावटी,  
अनील वीला, पालडी चार रास्ता,  
पालडी, अहमदाबाद-380006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायबार्हिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी० अहमदाबाद में, जमीन 709 वर्ग यार्ड+मकान  
क्षेत्रफल 296.72 वर्ग मीटर पैकी 1/2 अधिभाजित की या  
शेरटी० पी० एन० 20, एफ० पी० नं० 61, अहमदाबाद,  
रजिस्ट्रेशन नं० 16564/29-9-1986।

बी० आर० कौशिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 30-9-1986

मोहर

प्रकृष जाई.डी.एन.एस्त.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1986

सं० पी० आर० नं० 4432/1/86-87-- अतः मुझे,  
बी० आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'सहायक अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या जमीन 156 चौ० पार+मकान 50  
चौ० पार है तथा जो टी० पी० नं० 3, एफ० पी० नं०  
169, एफ० पी० नं० 17 पैकी अहमदाबाद में स्थित है  
(और दासे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तवनीत लाल बालु भाई देसाई  
आषरकुंज, हाई कोर्ट के पास,  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9।

(अन्तरक)

2. सोमानधर शापिंग सेंटर ओनर्स एसोसियेशन  
प्रमुख श्री नयन नटवरलाल गज्जर,  
प्रभुपार्क, मणीनगर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि वाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पूर्व दिशा की ओर की जमीन जो अहमदाबाद में स्थित  
है जिसका टी० पी० एफ० नं० 3, फाईनल प्लॉट नं० 169,  
एफ० पी० नं० 17 पैकी 156 वर्गगज+जमीन 50 वर्गगज  
मकान का कुल क्षेत्रफल है। रजिस्ट्रेशन नं० 16466 दिनांक  
26-9-1986 का है।

बी० आर० कौशिक  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 30-9-1986  
मोहर :

प्रकृष बाई० टी० एन० एम० —————

सामान्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासव., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 नवम्बर, 1986

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/रोहतक/73/85-86 - अतः  
मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 91 कैनाल, 12 मरला भूमि, खेरी साध  
तहसील रोहतक में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, रोहतक भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन, दिनांक 19-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उस्तारित को गढ़ा है और मुझे यह विश्वास  
कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाय की वापस, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस  
में कभी करने का उक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए  
कीर/बा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जातिस्थों  
का निम्नलिखित आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जवा या या दिया जाना चाहिए था, किपाने में  
परिभाषा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
5-306 GI/86

1. श्री धूप सिंह,  
पुत्र श्री नानक पुत्र श्री गोरधन,  
निवासी खेरी साध, तहसील रोहतक।

(अन्तरक)

2. लाल चन्द स्कूल सोसायटी,  
लाल चन्द नगर, किला जफरगढ़,  
जिला जींद (हरियाणा) द्वारा  
श्री अश्वनी कुमार, पुत्र  
श्री सतदेव शर्मा  
निवासी 7858/4, नदी मोहस्ता अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 91 कैनाल 12 मरला भूमि जो खेड़ी साध  
तहसील रोहतक में जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-  
लय, रोहतक रजिस्ट्री संख्या 5954 दिनांक 29-2-86 पर  
दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक: 17-9-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/रिवाड़ी/30/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 63 कैनाल, 11 मारला भूमि, जोनियावास, तह० रिवाड़ी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रिवाड़ी भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 19-2-86

को पूर्ण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गढ़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० मोहन एक्सपोर्ट्स इण्डिया प्रा० लि०,  
मोहन हाउस, 7-जमरुदपुर कम्युनिटी सेक्टर,  
कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली (द्वारा श्री  
विवेक कुमार पुत्र श्री शिव किशोर  
निवासी दिसल्ली फार्नेसियल कंट्रोलर)  
(अन्तरक)

(2) यूरीलन लिमिटेड, 7 कम्युनिटी सेक्टर, जमरुदपुर,  
कैलाश कालोनी, एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध से समाप्त होती है, के भीतर प्रयुक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति 63 कैनाल, 11 मारला भूमि जो जोनियावास तह० रिवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रिवाड़ी में रजिस्ट्री गंधा 3153 दिनांक 19-2-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज—रोहतक

दिनांक : 11-9-86

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/398/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 15 बीघा, 16 बिस्वा पुख्ता रिहायसी कमरा एवं शैड जो शिकोहपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 28-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्माणांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निर्माणांकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतजीत सिंह रेखी पुत्र नन्द सिंह पुत्र निहाल सिंह नि०—28 पार्क एरिया, करोल बाग नई दिल्ली।  
(बजरिये मुख्यांग—ग्राम सरदार कवल जीत सिंह पुत्र सरदार गुरचरण सिंह नि०—61-बी/6 उटारी मार्ग, राजिन्दर नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार जैन पुत्र चन्द्रभान जैन नि०—महाराम नगर, दिल्ली—केण्ट नई दिल्ली—10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 15 बीघा 16 बिस्वा पुख्ता रिहायसी कमरा, शैड सहित जो शिकोहपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6960 दिनांक 28-2-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 24-9-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० गुड़गांव/62/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि 25 कनाल 24 मरला जो गांव चौसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंभीर प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दीप चन्द पुत्र खेमा  
नि०—बिजवासन सूबा दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे० अन्सल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लोजिंग कं०  
लि०, 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी  
मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ है जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 25 कनाल 2 मरला जो गांव चौसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 6454 दिनांक 3-2-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्जित :—

दिनांक : 24-9-1986

मोहर :



प्राप्त करने की प्रक्रिया।

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/2/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन विधेयक अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मन्त्र आधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग कोठी, मकान साथ ही  
खाली जगह जो बहालगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सोनीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
के अधीन, दिनांक 12-5-1986

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि उपावद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा भया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से दूर किसी बाध की बाधत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे पहले से सूचना  
के द्वारा, खंड/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या धन या अन्य वास्तविक  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, अधिनियम में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसूची  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह पुत्र सुन्दर सिंह  
नि०—अमृतसर 16 कोर्ट रोड (हाल, एन-1  
कीर्तिनगर दिल्ली हाल सोनीपत)  
(अन्तरक)

(2) अमृतसर स्वदेशी वूलिन मिला  
राम तीर्थ रोड, अमृतसर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में उक्त की जाँच—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
आयकर अधिनियम के अन्तर्गत कर की जाँच, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर्गत पूर्णतः  
सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि तक स्थावर सम्पत्ति में अन्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरिती के बाध  
के अन्तर्गत

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग, कोठी, मकान साथ ही भूमि  
खाली भूमि भी है जो बहालगढ़ में स्थित है सिका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत रजिस्ट्री संख्या  
646 दिनांक 12-5-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० सोनीपत/1/86-87-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग, कोठी, मकान एवं साथ खाली भूमि जो बहालगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 14-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुरजीत सिंह पुत्र श्री किरपाल सिंह  
नि०— 16 कोर्ट रोड, अमृतसर (हाल, एन-1 कीर्ति रोड, मुकेरर कीर्ति नगर दिल्ली)  
(अन्तरक)

(2) अमृतसर स्वदेशी बूलिन मिल,  
रामतीर्थ रोड, अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग, कोठी, मकान एवं खाली भूमि जो बहालगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 343 दिनांक 16-4-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक : 17-9-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए.क्यू० गुड़गांव/15/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 कैनाल, 3 मरला भूमि नरसिंहपुर/बेगमपुर 43 कैनाल 12 मरला भूमि कोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 21-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में निम्नलिखित

(1) श्री योगेश चन्द मुंजाल पुत्र श्री सत्यानन्द  
निवासी—डी०-140, पूर्वी कैलाश, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) मे० सोना स्टोरिंग सिस्टम लि०  
17, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 15 कैनाल, 3 मरला भूमि जो नरसिंहपुर बेगमपुर कोटला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 334 दिनांक 21-4-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-9-1986  
मोहर :

अध्यक्ष, सी. एन. ए. ए. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8, नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/1/86-87-

प्रतः मुझे बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पदगत 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 85 (2984 वर्ग ग०) फैक्टर रोड जो एनसादपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 30-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब शर्तों का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोशित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की, वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्देश्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसूची में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्री युगफ पुत्र गुस्मान खत्री, फैज पुत्र युनिश स्माइल खत्री, उमर पुत्र युनिश स्मान खत्री नि०-5-कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे० रेअर एडीसन प्रिन्टस प्रा० लि० बी०-451, न्यू फेण्डस कालोनी, नई दिल्ली । हाल रेअर एडीसन प्रिन्टस प्रा० लि० 85 डी० एल०-एफ० इण्डस्ट्रीयल ईस्टेट मथुरा रोड, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) मै० रंग ज्योति काटन 92 ओखला इण्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 3-नई दिल्ली बजरिए अववाकर खत्री पुत्र उस्मान अब्दुला खत्री श्रीमती रोशन पत्नी स्माइल खत्री ।

नि०-एल-5 कैलाश कालोनी नई दिल्ली फर्म का हिस्सेदार)

(वह व्यक्ति जिसके कब्जे में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के अंश लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति इण्डस्ट्रीयल प्लॉट सं० 8 (2984 वर्ग गज जो इण्ड० स्टेट सं० 1 जो एनसादपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 1266, दिनांक 30-4-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-86

मोहर :

**प्रमुख भाषा: टी. एन. एल.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रंज—रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986**

**निदेश सं० अई० ए० सी०/ए यू० गुड़गांव/28/86-87—**

**अतः सुमे, बी० एल० खत्री,**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 46 कनाल 1 सरला साथ ही द्यूब बेल वृक्ष आदि फाजिलपुर साडसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 31-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गूरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

**(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/वा**

**(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;**

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—306/GI/86

(1) सर्व श्री मोहनलाल, राजा राम पुतान चापू राम पुल लाल चन्द ।

नि०—बादशाहपुर तह० — गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) रतना वली रीयल ईस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लि० डी-104 सोम विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

मे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 46 कनाल, सरला एवं कमरा द्यूब बेल एवं वृक्ष आदि फाजिलपुर साडसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1122 दिनांक 31-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जुन रंज—रोहतक

दिनांक : 17-9-86

मोहर :

**सकल बाईं टी. एन. एच. -----**

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986**

**निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगांव/26/86-87—**

**अतः मुझे, बी० एल० खत्री,**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है**

**और जिसकी सं० 8 बीघा, 3 1/3 बिस्वा पुराना भूमि, नत्थूपुर, तह० गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिनांक 28-5-86**

**का पंजीयन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।**

**(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;**

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

- (1) 1. सर्वश्री सुखराम 2. महावीर 3. तिरसोक चन्द पुत्रगण श्री चन्दन सिंह 4. श्रीमती वृष्णा 5. श्रीमती बाला पुत्रीगण श्री चन्दन सिंह 6. रत्न पुत्र श्रीमती बाला देवी पुत्री राम चन्द 7. श्रीमती शान्ति विधवा श्री चन्दन सिंह सभी निवास ग्राम नत्थूपुर, तह० गुडगांव।

**(अन्तरक)**

- (2) भौ० बी० डी० इन्वेस्टमेंट एण्ड एजेंसीज (प्रा०) लि०—21-22, नरेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

**(अन्तरिती)**

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।**

**उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्वाधारी के पास निहित में किए जा सकेंगे।**

**स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।**

**अनुसूची**

**संपत्ति 3 बीघा, 3 1/3 बिस्वा भूमि, ग्राम नत्थूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 1066 दिनांक 28-5-86 पर दिया है।**

**बी० एल० खत्री**

**सक्षम प्राधिकारी**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, रोहतक**

**दिनांक : 17-9-86**

**मोहर :**

प्रस्ताव आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०-फरीदाबाद/2/86-87-अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 139 (1375 वर्ग गज) इस निर्मित हिस्से सहित, डी० एन० एफ० इण्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 22-5-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का बड़ा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कभी करण वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) म० गुप्ता कंस्ट्रक्शन क०,  
जी-3/92, दीपासी  
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) म० शिवालिक इण्डिया (प्रा०) लि०,  
कनखल, हरिद्वार (उ० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट सं० 139 (1375 वर्ग गज) उस पर निर्मित हिस्से सहित; डी० एन० एफ० इण्डस्ट्रीयल एरिया फरीदाबाद में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 2072 दिनांक 22-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक 17-9-86  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/22/86-87---

प्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे पूर्व पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 बीघा, 14 1/2 बिस्वा भूमि, ग्राम नत्थूपुर तह० गुड़गांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 23-5-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधस्तः :—

(1) सर्वश्री मुंशी 2. शिव लाल पुत्रगण श्री प्रेम सिंह 3. राम पाल पुत्र श्री चन्व 4. श्रीमती भोली माना शिवराम 5. मांगे राम पुत्र शिव राम 6. इमरती विधवा शिवराम 7. होरम पुत्र मेहरू निवासी—नत्थूपुर तह० गुड़गांव

(अन्तरक)

(2) मैं० डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लि०-21-22 नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 13 बीघा, 14 1/2 बिस्वा भूमि जो ग्राम नत्थूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 970 दिनांक 23-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-86  
मोहर :



**राजपत्र भाग III की धारा 269-ग**

**भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज—रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986**

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए.क्यू० 37ईई/41/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खन्नी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 103 कैनाल, 7 मारला भूमि, (फैक्टरी गेड सहित) ग्राम पन्हेगा तह० बलनबगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 27-5-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी भण या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भणकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी प्रिन्टर्स हाउस प्रा० लि०, 10 सिन्धिया हाउस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली -110001

(अन्तरक)

(2) मै० इण्डो ग्राफिक आर्ट मशीनरी कं० लि०, एम-1, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में बचन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

संपत्ति 103 कैनाल, 7 मारला भूमि (फैक्टरी गेड सहित) जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, इस कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 37ईई/411 86-87/385 दिनांक 27-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खन्नी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

दिनांक 17-9-86 :

मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-रोहतक

रोहतक दिनांक 23 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० गुड़गांव/24/

86-87-अतः मुझे बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० 43 कैनाल, 1 मरला भूमि, ग्राम झरसा  
तह० गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण० रू० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुड़गांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,  
दिनांक 24-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी कलने या उतार बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 19  
(1922 का 11) या सक्षम अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भोगा पुत्र श्री मोहरा श्री परमा पुत्र श्री मीरू  
निवासी झरसा, तह०-गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० यूनिटेक लिमिटेड  
6-कम्पुनिटी सेक्टर, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 43 कैनाल 1 मरला भूमि, जो ग्राम झरसा तह०  
गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 983 दिनांक 24-5-  
86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक : 23-9-86

मोहरा :

प्रकाश बाई. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायसीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/20/86-87---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 कैनाल, 13 मारला भूमि, ग्राम करतारपुरी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 19-5-86,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के मायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था दिखाने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री भावन राम पुत्र श्री उधाराम,  
निवासी—दिल्ली रोड, गुडगांव ।

(अन्तरक,)

(2) म० अंसल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग क० लि०  
115, अंसल भवन, 16-कस्तूरबा, गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 20 कैनाल, 13 मारला भूमि जो करतार  
पुरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 877 दिनांक 19-5-86 पर दिया  
है ।

बी एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

दिनांक : 1-8-86

मोहर :

## प्रकरण आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज--रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० गुड़गांव/21/86-87--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34 कैनाल, 8 सरला भूमि गांव कन्हई तह० गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 20-5-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) सर्व श्री मामन, श्री अमर सिंह पुत्रगण श्री नोंदा, श्री जेठानंद पुत्र श्री हर ध्यान, निवासी--कन्हई, तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० अन्सल प्रापर्टी इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, अंसल भवन, 16-कम्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीमां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 34 कैनाल 8 सरला भूमि, जो ग्राम कन्हई तह० गुड़गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 899 दिनांक 20-5-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज--रोहतक

दिनांक : 1-8-86

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

महाराष्ट्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/25/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 कैनाल, 1 मारला भूमि, ग्राम—झरसा,  
तह० गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक  
28-5-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तत्प्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरको और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित्त में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई छिड़ी जाय की वजह, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर होने के अंतरक के कारित्त  
में कभी करने या उक्त कथनों के सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अवधारणों अंतर्गति हुआच प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाता चाहिए था, जिन्होंने में सूचना के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-306GI/86

(1) श्री धेलू पुत्र श्री टेका,  
2. श्रीमती भगवन्ती आदि  
निवासी—झरसा, तह० गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मै० यूनिटेक विल्डर्स प्रा० लि०  
6-कम्प्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अव्यवहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास  
विधित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 27 कैनाल 1 मरला भूमि जो ग्राम झरसा, सं०  
गुडगांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 1065 दिनांक 28-5-  
86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

दिनांक : 1-8-86

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एच. ---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक**

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू० गुड़गांव/23/86-87—

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 बीघा, 14/1/2 बिस्वा पुख्ता भूमि ग्राम नत्थूपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 23 मई 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धृष्टवश से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसे किसी आय में किसी भी या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्जा की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मै० नहिडको हाऊसिंग प्रा० लि०, 101 मगनम हाऊस, मिलन सिनेमा के सामने, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

(श्री एम० आर० ज्योति पुत्र श्री पी० डी० गुप्ता निवासी 29 54, पंजाबी बाग, नई दिल्ली के मार्फत।  
(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लि० 21-22; नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहृतावस्था के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति 6 बीघा, 14/1/2 बिस्वा भूमि, जो नत्थूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 971 दिनांक 23-5-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1986

मोहर :

मोहर :

**अनुसूची, टी. प्र. एच. 1**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**राजपत्र सूचना**

**कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986**

**निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू० फरीदाबाद/3/86-87--**

**अतः मुझे बी० एल० खत्री**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 29 एनएच-1 जो रेलवे रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 29 मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) सरदार अमरजीत सिंह दुगल, सरदार गुरबचन सिंह दुगल पुत्रान स्व० डा० आर० एस० दुगल नि०—एस-489, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-III, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मै० युवा मोटर्स प्रा० लि० बी-70/81, डी० एस० आई० डी० सी० कम्पलेड, लारेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति प्लॉट नं० 29 एन एच-1 जो रेलवे रोड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 2276, दिनांक 29-5-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1986  
मोहर :



**व्यक्त सम्पत्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**

**269-ब (1) के अधीन सूचना**

**269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986**

**निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/32/86-87—**

**अतः मुझे, बी० एल० खत्री**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है**

**और जिसकी सं० 4 बीघा 14 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 5 जून 1986**

**को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई**

**है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—**

**(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूल के अन्तर्गत कर बाबत से कमी करने या उससे बचने में सुविधा से किए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से किए;**

**अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

**(1) श्री माम चन्द पुत्र लाल सिंह, मिक्कन, उमराव, लक्खी हुकम सिंह पुत्रान जसराम, रती राम पुत्र राम सिंह, ब्रह्मपाल, सुरेशपाल, रामपाल, भगत पुत्रान दुली श्रीमती महिन्दर श्रीमती कमलेश, राजू पुत्रियान एवं श्रीमती सरवती विधवा दुलीचन्द नि०—नाथूपुर (अन्तरक)**

**(2) मै० डी० एल० एक० यूनिवर्सल लि० 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)**

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।**

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के अन्तर्गत में कोई भी बाधक :—**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।**

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

**सम्पत्ति जिसमें 4 बीघा 14 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 1267, दिनांक 5-6-1986 पर दिया है**

**बी एल खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक**

**दिनांक : 17-9-1986  
मोहर :**

**प्रकाशित: 17-9-86**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ०/गुडगांव/30/86-87

—प्रतः मुझे० बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 61 केनाल 9 मारला भूमि ग्राम कन्हई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 5 जून 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कर के श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल में, ऐसे श्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिपाद में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) सूबेदार एम० कंवर पुत्र श्री राम सिंह निवासी ग्राम कन्हई तह० गुडगांव (अन्तरक)

(2) मैं अमल हाउसिंग फाइनोन्सियल एण्ड लिजिंग कंपनी लिमिटेड 115 अंसल भावन 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति 61 केनाल 9 मारला भूमि जो ग्राम कन्हई तह० गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 1265 दिनांक 5-6-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक 17-9-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आइए सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एन० गुडगांव 43-86-  
87—प्रत., मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 कैनाल 16 मारला भूमि सुखराली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 17-6-1986

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उसमें बढ़ने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जयनारायण पुत्र श्री जुगलाल पुत्र श्री हरनाम निवामी सुखराली तह० गुडगांव

(अन्तरक)

(2) मैं अमल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कंपनी लि०, 115 अमल भवन 16 कस्तूरबा गान्धी मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति 12 कैनाल 16 मारला भूमि ग्राम सुखराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 1591 दिनांक 17-6-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक: 11-9-1986

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगाँव/44/86-  
87—अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जुन की सं० 28 केनाल 17 1/2 मारला भूमि ग्राम झरसा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगाँव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 17-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघवीर सिंह पुत्र राज पुत्र श्री भज्जन, निवासी—झरसा, तह० गुडगाँव।

(अन्तरक)

(2) में न्यू० इण्डिया कन्स्ट्रक्शन कं० लि० 6 कम्प्युनिटी सेंटर माकेत नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियाँ शुरू कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 28 केनाल 17 1/2 मारला भूमि ग्राम झरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगाँव में रजिस्ट्री सं० 1601 दिनांक 16-7-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक 17-9-1986

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० गुडगांव/39/86-

87—अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 40 कैनाल, 11 मारला भूमि, ग्राम सरसा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 12 जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह-प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पष्टीकरण, अर्पित :—

8—306GI/86

(1) श्री पूरन सिंह पूरन पुत्र शिव चन्द पुत्र श्री भजन निवासी,—सरसा, तह० गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मै० न्यू० इण्डिया कन्स्ट्रक्शन कं० लि०, 6 कम्प्यूनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर रहा हूँ।

सकल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 40 कैनाल 11 मारला भूमि ग्राम सरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 1458 दिनांक 12-6-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक :—17-9-1986

मोहर :—

प्रकृष भाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगांव/40/85-

86—अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० 3 बीघा 3 बिसवा पुराना भूमि, ग्राम  
सिकन्दरपुर कोसी में स्थित है और पूर्ण रूप से  
वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक  
12-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इन्धमान प्रतिफल से, ऐसे इन्धमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्वयक के  
व्यक्ति में कमी करने या उक्त करने में व्यक्ति  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह (2) श्री महेन्द्र सिंह पुत्रगण  
(3) श्रीमती कमलेश (4) परमलेश उर्फ विमलेश (5)  
श्रीमती सुरेश (6) सरलेश पुत्रगण (7) श्रीमती विद्या  
विद्या श्री राम कंवर पुत्री श्री कंवर सिंह (8) श्री मीर  
सिंह पुत्र श्रीमती रामकली पुत्री श्री कंवर सिंह (10)  
श्री माहर सिंह पुत्र श्री कंवर सिंह निवासी सिकन्दर-  
पुर कोसी तह० गुडगांव

(अन्तरक)

(2) मैं आर० के० इन्टरप्राइजेज प्रा. लि०, 45/1,  
कुष्णा भवन, एच० ब्लाक, कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 3 बीघा, 3 बिसवा भूमि ग्राम सिकन्दरपुर कोसी  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव  
में रजिस्ट्री सं० 1459 दिनांक 12-6-1986 पर  
दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक :—11-9-1986

मोहर :—

प्रमुख भाग: टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई०ए०सी०एफ०/गुड़गांव/31-86-87-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बीघा, 7 बिस्वा ग्राम भूमि नत्सुपुर  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़-  
गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक  
5-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सर्वधी द्विजन (2) लरवी (3) उमराव  
(4) हुकुमचन्द पुत्रगण जसराम उर्फ जसमत  
(5) मामचन्द पुत्र लाल सिंह जाति गुज्जर निवासी  
ग्राम नत्सुपुर

(अन्तरक)

- (2) मैं डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लि०, 21-22  
नरेन्द्र पलेस, पार्लिया मेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाई करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सम्पत्ति

सम्पत्ति 3 बीघा, 3 बिस्वा भूमि की ग्राम  
नत्सुपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1268 दिनांक 5-6-  
86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1986

मीहूर :

प्रकरण भाग, टी. एन. एन.

भा.क. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० आर्.ए. सं० सी०/एक्यू०/गुडगांव/47/86-  
87—अतः मुझे, बी० एल० खत्री

भा.क. अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बीघा 17 बिस्वा पुराता भूमि ग्राम  
नत्थपुर में स्थित है (और और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 18-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबोध से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथत्व में काम करना या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी अनु या अन्य आस्थिति  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के बीच—

- (1) सर्व श्री चन्दन (2) हिर किशन (3) लाला  
राम पुत्र श्री हरबंस (4) श्रीमती चन्दर (5)  
श्रीमती कालो उर्फ कलावती (6) श्रीमती बंती (7)  
श्रीमती इमरतो पुत्रांगण श्री हरबंस (3) कुल्हा उर्फ  
बुलिया पुत्र श्री भोलू निवासी नत्थपुर तह० गुडगांव  
(अन्तरक)  
(2) मैं गुलमोहर इस्टेट्स प्रा० लि०, 415-वेवी का  
टावर्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितानुसार के  
पात्र निहित में दिये जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति 2 बीघा 17 बिस्वा भूमि ग्राम नत्थपुर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 1637 दिनांक 18-6-86  
पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक: 11-9-1986  
मोहर:



प्रमुख नमूने- बी० एल० एफ०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ०/गुडगांव/34/86-

87-अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 कैनाल 8 मारला भूमि ग्राम डूंडहेरा  
तह० गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन दिनांक 5-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति : उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी नाम की बाब, अन्य  
अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में  
राशि से कमी करने या उक्त वचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
में जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रकोषवार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने  
सूचना के लिए;

(1) सर्व श्री भिवन (2) लखी (3) उमराव  
(4) हुकम चन्द पुत्रगण श्री जसराम उर्फ  
जसमन (5) मामचन्द पुत्र लाल सिंह जाति  
गुज्जर निवासी ग्राम नत्थुपुर

(अन्तरक)

(2) मैं डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लि० 21-22  
नरेन्द्र प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी वक्त व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 14 कैनाल 8 मारला जो भूमि जो पास  
डूंडहेरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 1269 विनांक  
5-6-1986 पर दिया गया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक :—17-9-1986

मोहर :—

प्रथम भाग. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू/गुड़गांव/35-86-

87--अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31 कैनाल 5 मारला भूमि ग्राम झरसा तह० गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 7-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययमान के कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन है—

(1) सर्वश्री सीस एम० (2) राम नाथ पुत्रगण श्री रुप चन्द निवासी ग्राम झरसा तह० गुड़गांव

(अन्तरक)

(2) मैयूनिटेक इनवेस्टमेंट लि०, 6 कम्प्यूनिटी सेन्टर, सकेत नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 31 कैनाल 5 मारला भूमि ग्राम झरसा तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 1328 दिनांक 7-6-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक :—4-8-1986

मोहर :

भारत सरकार, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 घ (1) के अधीन संचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ्यू०/गुडगांव/29-86-

87-अतः मुझे, बी० एब खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 159 कैनाल 7 मरला भूमि ग्राम सरसा तह०  
गुडगांव में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक  
5-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तद न्याय गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के वस्तुत्व के लिये  
में कमी करने या उससे बचने में संचन के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरित की जाय प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संचन  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कौशल्या विघ्ना श्री कैलाश  
निवासी रामलीला ग्राउण्ड गुडगांव

(अन्तरक)

(2) मैं यूनिट लि० मैं० यूनिटेक लि० इनवेस्टमेंट  
(प्रा०) लि० 6 कम्प्यूनिटी

सेक्टर साकेत नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताकारी के बाव  
लिखित में किस् का सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त जगहों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति 159 कैनाल 7 मरला भूमि ग्राम में स्थित है सरसा  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव  
में रजिस्ट्री सं० 1263 दिनांक 5-6-86 पर हुआ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक :—23-9-86

मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ० गुड़गांव/36/86-87—

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 बीघा, नहसीन बिस्वा पुराना भूमि है तथा जो ट्यूबवैल और कोठा सहित चकरपुर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुभुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 7 जून 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा देना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा देना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आन देवी 2. श्रीमती केला देवी पुत्रीगण श्री रामचन्द्र निवासी चकरपुर, एच० गुड़गांव (धर्मेश यादव पुत्र श्री श्रीचन्द्र यादव निवासी ग्राम-चकरपुर के जरिए।

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लि० 21-22, नरेन्द्र प्लेस, पार्किंगमेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 8 बीघा 10 बिस्वा भूमि (ट्यूबवैल तथा कोठा सहित) जो चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 1330 दिनांक 7-6-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 17-9-1986  
मोहर

प्रकट भाग टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/गुड़गांव/86-87--

अतः मुझे बी० एल० खन्नी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 क्षेत्रफल 4840 वर्ग  
गज जो इन्ड० एरिया में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय गुड़गांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन दिनांक 20-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की श्रेष्ठतम  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वशापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके श्रेष्ठतम प्रतिफल से, ऐसे श्रेष्ठतम प्रतिफल के  
पक्ष में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शायद, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वाचित्व से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती सावित्री देवी कोहली पत्नी कैलाश चन्द्र  
निवासी आर०/50 ग्रेटर कैलाश-1, नई  
नई दिल्ली।

(अन्तर्गती)

(2) मैं मुंजाल शोवा लि० डी०-140 इस्ट आफ  
कैलास नई दिल्ली-65

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों व  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 11 माप 4840 वर्ग गज जो भारतीय  
इन्ड० एरिया गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या  
1671 दिनांक 20-6-1986 पर दिया है।

बी० एल० खन्नी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तन है—

9-306 GI/86

दिनांक :—17-9-1986

मोहर :—

प्रकृत बाई. टी. एन. एल.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 मितम्बर 1988

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/52/86-

87-अतः मुझे बा० एल० खत्री

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 24 केनाल 11 मरला ग्राम सुखराली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
दिनांक 15-7-1986

की पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
पेछ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब बाधा नवा  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरक लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाधा की वास्तव, उक्त  
निबन्ध की अधीन करने के अन्तरक के बाधित में  
कमी करने या उक्त करने के सुविधा के लिखित  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाधा या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगवाची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या क किया जाना चाहिए इस उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुवर्तन  
में, बा०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, बाधित है—

- (1) श्री विजय पाल सिंह पुत्र श्री भावर सिंह (2)  
श्री भारिदामन सिंह पुत्र विजय पाल सिंह निवासी  
(3) अंजली देवी पत्नी श्री युधिष्ठिर सिंह पुत्र  
श्री बहादुर सिंह निवासी बजेका तह० सिरसा  
(4) श्रीमती मुंजू देवी पत्नी श्री दलबी  
सिंह निवासी यमूनानगर तह० अम्बाला  
(अन्तरक)

- (2) मैं यू० इण्डिया कंस्ट्रक्शन कं० लि०, 8-  
कम्प्यूनिटी सेन्टर नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्ववर्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
अवसरमिलित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्ववर्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 24 केनाल 11 मरला भूमि ग्राम सुखराली  
तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कामाजय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 2185 दिनांक 15-7-86  
पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 23-9-86

मोहर

प्रमुख बाई, टी. एन. एच., ...

भायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-ब (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक १७ सितम्बर १९८६

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगांव/५१/८६-८७:—

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

भायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
१,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ३० कनाल ८ मरले जो सिलोखरा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय  
भायकर अधिनियम १९६१ के अधीन दिनांक ५-७-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि महापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच के ऐसे अन्तरण के लिए उप  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, भायकर  
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) सर्वश्री करन सिंह, बाल राम पुत्राम, हरनाम नि०  
सिलोखरा तह०—गुडगांव।

(अन्तरक)

(२) मै० यूनीटेक इन्वेस्टमेंट लि० ६ कम्प्यूनिटी सेंटर,  
साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वास्तविक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
भविष्य में किए जा सकेंगे।

अज्ञातता:—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि ३० कनाल ८ मरले जो सिलोखरा में स्थित है,  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में  
रजिस्ट्री संख्या १९५८ दिनांक ५/७/८६ पर दिया है।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक।

दिनांक : १७-९-८६.

मोहर :

प्रमाण आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, महायुक्त बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 सितम्बर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/42/86-87:—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 7 बीघा 17 बिसवा जो टीकरी में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 14/6/86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
द्वारा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में मुझे किसी काम की जानकारी, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उनमें अचानक में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य आय आयुक्तों  
को, किन्तु भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), के अन्तर्गत, या  
बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेज राम पुत्र मोहर सिंह, नि०-टीकरी तह०-  
गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) श्री सहयोग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
टीकरी तह०-गुड़गांव ।

(अन्तरितों)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भूत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताधारी के पास  
निहित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 बीघा 17 बिसवा जो टीकरी में स्थित है,  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में  
रजिस्ट्री संख्या 1537 दिनांक 14-6-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 26-9-1986.

मोहर :



प्रकाश बाई... टी. ए. ए. ...

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना-1, दिनांक 9 सितम्बर, 1986

निर्देश सं० 37 जी/117/86-87—यतः मुझे, अर्जुनी कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, हिस्सा नं० 7 सर्वे नं० 40 कुलगांव  
गांव, ता० उल्हासनगर, प्लॉट नं० 2, हिस्सा नं० 7, सर्वे नं० 40  
कुलगांव गांव ता० उल्हासनगर, प्लॉट नं० 4, हिस्सा नं० 6, सर्वे  
नं० 40 कुलगांव गांव ता० उल्हासनगर है तथा जो कुलगांव, ता०  
उल्हासनगर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
हितकम निम्नलिखित अनुसार है उक्त अन्तरण निम्नलिखित से  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पश्चात्  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिनमें से सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित—

(1) श्रीमती सुधा श्रीकृष्णा बर्वे और अन्य, घाटकोपर,  
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) शखरी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
कुलगांव, फारेस्ट आफिस के पास, कटख रोड, कुलगांव  
ता० उल्हासनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितकारी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र-37 जी/117/86-87 जो फरवरी,  
86 को सब-रजिस्ट्रार, उल्हासनगर के आफिस में दाखल किया है।

अर्जुनी कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 9-9-86.  
मोहर :

प्रकरण बाई-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 31 जुलाई 1986

निर्देश सं० 37 ईई/907/85-86:—यतः सुमे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 65 ए०/1ए०/2 ए और 65/1 ए/2  
बी/1 कोपरगांव, मनसाड रोड योला जि० नासिक में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
वन्धु प्रतिफल से अधिक है जोड़ अन्तरक (अन्तरकों) जोड़  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल विमलनिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तिक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
प्रतिष्ठा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरक  
के, अथवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, विमललिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री 1. विष्णुदास उल्लभदास पटेल, 2. भूपन  
विष्णुदास पटेल, योला, ता० योला, जिला नासिक।  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स गिरीराज कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवालाया लाट  
नं० 4 ए, धामपूर, गोबंडी रोड, खेंबूर, बम्बई।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी को-वास  
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्री नं० 37 ईई/907/85-86 जो माह  
मार्च, 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

अंजनी कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 31-7-1986.

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना-1, दिनांक 5 अगस्त, 1986

निर्देश सं० 37 ईई/14701/85-86:—यतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन करवाते 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 358-359 थाने इन्डस्ट्रियल एरिया  
(एम० आई० डी० सी०) पंचपाखड़ी गांव, ता० थाना जि० थाना  
है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज/सब-रजिस्ट्रार  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे 15 तम प्रतिफल के  
बराबर प्रतिफल से अधिक है और अंतः 6 (छह) और अंतरित  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दायर किया गया  
या प्रतिफल विनिर्दिष्ट अनुसूची के उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नाप आटोमोटिव्स प्राइवेट्स प्रा० लि०, 3 मुकुट  
220, एम० व्ही रोड, आन्ध्रा, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स स्कीमस स्वीचगियर प्रा० लि० बी-112,  
हीरा पन्ना, हाजी अली, बम्बई-26।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लेखा  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्साक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के न्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/14701/85-86 जो मार्च,  
86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर  
में लिखा गया है।

अंजनी कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-8-1986.

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना-1 दिनांक 24 जुलाई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8214/85-86 अतः मुझे, अंजनी कुमार  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 7वां सफला वेधो-हाइट्स,  
269-270/अनोवार पेठ पूना-23 है तथा जो  
पूना में स्थित है (और इसके उपायुक्त अनुसूची में न  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधिन, तारीख मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदयमान  
प्रतिफल के सिद्ध अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक आयुक्त द्वारा उचित बाजार  
मूल्य, उसके हदयमान प्रतिफल से है हदयमान प्रतिफल के  
वर्णित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरण के  
वास्तव में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
प्रदान/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स देवी कन्स्ट्रक्शन को०  
1161/10 देवी निवास  
शिवाजीनगर, पूना-5

(अन्तरक)

2. दी कांसपांस को० आपरेटिव बैंक लिमिटेड,  
612, सदाशिव पेठ, लक्ष्मी रोड, कुटे चौक, पूना  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8214/85-86  
जो मास मार्च 1986 को सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा  
गया है।

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 7, पूना,

दिनांक : 24-7-86

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

मातृका अनुसूची

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना-1 दिनांक 5 अगस्त, 1986

निर्देश सं० 37ईई/8009/85-86-

अतः सुमे, अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशेष रूप से इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और बिल्डिंग सी० टी० एस० नं० 123 शुक्रवार पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसके उपावह अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यदि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) की अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्ता :-  
10-306 GI/86

1. (1) श्री अमन रामचन्द्रा गोथकेकर  
(2) मिसेस लक्ष्मी अनंत गोथकेकर  
(3) श्री चंद्रशेखर अनंत गोथकेकर  
123 शुक्रवारपेठ, पूना-2 (अन्तरक)
2. मेसर्स सिद्धार्थ प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स  
16 शुक्रवार पेठ, पूना-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही बर्त होगा जो उक्त अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

जैसाकी रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8009/85-86 जो मास मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-8-86  
मोहर :

प्रथम भाग.डी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 जुलाई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8146/85-86—अतः मुझे, अर्जुनी

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगलालाट नं० 263/268 सिध-को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी ग्रौंध पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, मार्च 1986

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच गेमे अंतरण के लिए खप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए कर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया है, के विषय में अंतरण के लिए

(1) श्री जमनादास भोजराज, 263/268 सिध को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी ग्रौंध पूना-7।

(अन्तरक)

(2) कुमार विष्णुदास अडवानी, 144/421 सिध को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी ग्रौंध पूना-7।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यह लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8146/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अर्जुनी कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

धन. अ. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-7-1986

सोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 जुलाई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8077/85-86—यतः सुखे, अंजनी  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा नं० 10 सी० टी० एस० 26/1+2+  
3+4 उद्घाणुकर कालोनी कोयलूड पूना है तथा जो पूना में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अन्तरक

(1) श्रीमती सुशीला दिनकर बेडेकर, सुकन्या सुधीर  
आगाशे, श्री सुधीर दिनकर बेडेकर, गिनाली  
अपार्टमेंट पी बाय सी, कालोनी पूना-4।

(अन्तरक)

(2) ट्रांसिकल बिल्डर्स, 1235, सुभाषनगर पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गया है।

### अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8077/85-86 जो  
माह मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

अंजनी कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 31-7-1986

मोहर :

एक भाग टी. एन. एच. नं. —

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 जुलाई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8215/85-86—यतः मुझे, अंजनी  
कुमार

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5वां और 6 मंजला देवी हार्डन्टम्, 269-270/1  
शनिवार पेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986। ध

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वस्तु उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
प्राप्ति/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाष-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाता चाहिए वा, निम्न में सूचित  
के लिए:

वह: य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की व्यवस्था  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स एबी इस्टेट कार्पोरेशन 1161/10 देवी निवास  
शिवाजीनगर पूना-5।

(अन्तरक)

(2) दी कॉसमॉस को० ऑपरेटिव्ह बैंक लिमिटेड, 612  
सहायकपेठ लक्ष्मीरोड कुटे चौक पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में स्थापित होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8215/85-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज के दफ्तर में लिखा गया है)।

अंजनी कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 31-7-1986

मोहर:



प्रस्ताव नम्बर 101-एन एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/8382/85-86-यतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 129 प्लॉट नं० 48, 49, 50, 51,  
56 और 57 आईडीयल कालोनी कोथरुड ता० हवेली जि० पूना  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पद्मोपती जयराम और अन्य 593, 19वां रोड़,  
खार, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दाडे एंड कडेकर, 2001 टैंक रोड़, पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8382/85-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 31-3-1986  
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/12313/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 102, "निर्माण अमृत" निर्माण नगर  
सर्वे नं० 50 निलेपोर्ट नल्लामोपारा (वेस्ट) तहसील बसई जि०  
थाना है तथा जो तहसील बसई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवक्षा  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन से प्राप्त जातिमानों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(क) मेसर्स निर्माण एसोसिएट्स 40-41 विशाल शापिंग  
सेन्टर सर एम० व्ही० रोड, अंधेरी (ईस्ट), बम्बई।  
(अन्तरक)

(2) श्री जोस डेव्होड और अन्य के०/आफ ग्रान्ड मारबल  
इंडस्ट्रीज, 22 सोना उद्योग पारसी पंचायत अंधेरी  
(ईस्ट) बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/12313/84-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 11-4-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/8318/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 41-ए1/2, 41-ए1/3 और 41/1  
(41-ए1/4) बोपोडी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुयमा बाबुराव अपटे, 33 आंध्र रोड, किर्की  
पूना ।

(अन्तरक)

(2) देशमुख विल्डर्स प्रा० लि०, 3/2 बीना शापिंग सेन्टर  
164 सर एम० व्ही० रोड, अंधेरी (ईस्ट) बम्बई ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8318/85-86 जो मार्च  
1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-3-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/8657/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1—बी प्लॉट नं० 61 से 71 सी०  
टी० एम० नं० 1840 से 1850 चिचवड तहसील हवेली जि०  
पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
वर्णन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[क] अन्तरण से हुए किसी नाम की वास्तविक उक्त  
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन अन्तरक के  
द्वारा या किसी कारण से उक्त अन्तरण में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन है :—

(1) श्री गोपाल लक्ष्मण गोखले और अन्य, गीताबाग,  
चिचवड, पूना।

(अन्तरक)

(2) मेमसं पल्लेशा वारिया एसोसिएट्स नटराज टी  
डिपो ग्राम महावीर सोमायटी यखाड़ा पूना-6

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8657/85-86 जो  
जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 12-3-1986

सोहर :

प्रथम भाग: बी. एन. एन. एन. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/12317/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अन्तर्गत सहायक आयकर अधिकारी को यह विस्तार करने का  
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति वित्तियन अधिनियम द्वारा मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2, नई सर्वोदय को० अपार्टमेंट्स  
हाऊसिंग सोसायटी लि० प्लॉट नं० 29वीं सेक्टर 4, वासी नई  
बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपान्वृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैं यह विस्तार  
करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का पंख  
गिरावट अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गत) और अन्तर्गती  
(अन्तर्गती) के बीच होने अन्तर्गत के लिए तय पाया गया  
है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत लिखित  
के वास्तविक रूप में अधिनियम नहीं किया गया है।

(क) कानून के तहत किसी भी बात की बात, उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत का देने के अन्तर्गत के अन्तर्गत  
में कमी करने या उससे अन्तर्गत में सुविधा के लिए;  
कानून

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अन्तर्गती अन्तर्गत अन्तर्गत किन्हीं  
बात या या किन्हीं बातों 41ईई का. किन्हीं के  
अन्तर्गत के अन्तर्गत

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—306 GI/86

(1) मेसर्स गृह बिल्डर्स 40-41, विशाल शॉपिंग सेन्टर,  
सर० एम० व्ही० रोड (अंधेरी कुर्ला रोड) अंधेरी  
(ईस्ट), बम्बई।

(अन्तरगत)

(2) श्री गोपाल देवराजन 3/156 पॉरबायाज बिल्डिंग  
सायन (वेस्ट) बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के नि.  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/12317/85-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सहायक आयकर अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 20-3-1986

मोहर :

प्रश्न आइ. टी. एन. एच. -----

संश्लेषण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/13406/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 303, नई सर्वोदय कोऑपरेटिव्ह  
हाऊसिंग सोसायटी लि० प्लॉट नं० 29-बी सेक्टर नं० 4 वसई  
नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी काम की बात, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तत

(1) मेसर्स गृह बिल्डर्स 40-41 विशाल शापिंग सेक्टर  
सर एम० व्ही रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) अबाजी आर० मोरे के०/आफ ए० डी० मोरे वी-3  
टासप 14-3-2 सेक्टर नं० 4 वसई, नई बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/13406/85-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 20-3-1986  
मोहर :

**प्राप्त्य बाध' और' सहायक**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**प्राप्त्य बाधक**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/8357/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, स्वरूप अपार्टमेंट्स एरन्डवना पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अत्यधिक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अत्यधिक प्रतिफल से, ऐसे अत्यधिक प्रतिफल के पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक भाषा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की संबंधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उन्हें बढ़ाने में सूचना की विधि; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

(1) मेसर्स तलवलधर एंड भालेराव अनंत अपार्टमेंट्स 1145 सदाशिवपेठ पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वैजयंती एस० रामबासी, 3 पंचरत्ना हाऊसिंग सोसायटी, पीड फाटा एरन्डवना पूना-4।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन की विधि कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8357/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार;  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 1-4-1986

सीहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स कुमार जैन एंड एसोसिएट्स 783 भवानीपेठ  
पूना-42।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री अशोक मोतीलालजी सोनगिरा 58/4, नया  
बाजार, किर्की, पूना-3।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/8907/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 305, घर नं० 72, नया बाजार  
किर्की, जी० एल० आर० एस० नं० 27/582 पूना-3 (क्षेत्रफल  
530 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे  
उमाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वस्तुपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के कारण  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरितीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 2(क) में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8907/85-86 जो  
जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 11-2-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/8906/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 306, घर नं० 72 नया बाजार, किर्की जो एल० आर० एस० नं० 27/582 पूना-3 (क्षेत्रफल 590 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1986

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का द्धि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पञ्चम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपान में लिखा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार म. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स कुमार एंड एसोसिएट्स 783 भवानीपेठ पूना-42 ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश शांतीलाल सोनागिरा 55/3 नया बाजार, किर्की पूना-3 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8906/85-86 जो जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 12-2-1986

मोहर :

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/8905/85-86—यत मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 304, घर नं० 72, नया बाजार, किर्की जी० एल० आर० एस० नं० 27/582 पूना-3 (क्षेत्रफल 580 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब-रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का पक्ष प्रतिपादित से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए एक या अधिक अतिरिक्त निम्नलिखित अनुबन्धों के अन्तर्गत निम्नलिखित के अन्तर्गत रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) सम्पत्ति में हुए किसी भी भाग की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत में कभी कभी या कभी कभी के अन्तर्गत के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत बाजार मूल्य नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शामिल होने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स कुमार जैन एंड एसोसिएट्स, 783, भवानीपेट, पूना-42।

(अन्तरक)

(2) श्री यो० सो० सोनगिरा, 55/5, नया बाजार, किर्की, पूना-3।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना प्रार्थी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/8905/85-86 जो जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 12-2-1986  
मोहर:

प्रकट जाहें. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 मई 1986

निर्देश सं० 37ईई/8369/85-86—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्को सं० फ्लैट नं० 103, गोडाऊन नं० 4, सी० टी०  
एस० नं० 339 रास्तापेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है  
(श्रीरजिस्को उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
एक वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाग की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
सविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर वर्धमान बिन्दसे, 837 रास्तापेठ पूना।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० यू० देसरडा, 359 रास्तापेठ, पूना-11

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोखाकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/8367/85-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 2-5-1986  
मोहर

राज्य भाई, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/12718/85-86—प्रतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3/4/9, मिथा टावर्स प्लॉट नं० 41,  
डी० बी० सी० सेक्टर-17 वसई, नई बम्बई र तथा जो वसई  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बहापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए खय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वसूल के अन्तरक के  
संग्रह में कमी करने या उससे बचने में सजिबा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सजिबा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मिथा इस्टेट्स, 612 व्ही० एन० पुष मार्ग चेम्बूर  
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अब्दुल बसिफ प्रि० लि०, 57 आर० ए०  
किदवाई रोड किंग्स सर्कल, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयुक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/12718/85-86 जो  
मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 28-4-1986  
मोहर

प्रथम भाग टी. एन. ए. नं. १०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1986

दिश सं० 37ईई/12719/85-86:—प्रत मुझे, अनिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 4, अठवे मंजिले पर मिया टावर्स, फ्लैट नं० 41, सेक्टर 17, डी० बी० सी० स्कीम बम्बई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त अवधान प्रतिफल से, ऐसे अवधान प्रतिफल का बंधु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साक्ष्य में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए अधिनियम

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपावे में सूचना के लिए;

(1) मिथा एसोसिएट्स 612 व्ही० एन० पुख मार्ग चेम्बूर बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन जे० शितोके और अन्य, 102 कस्बापेठ पूना।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा कबुल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कर्माहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/12719/85-86 जो मार्च 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12—306 GI/86

दिनांक : 28-4-1986  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/12022/85-86—अतः मु.जे. अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 132/1/(बी) और 135/6(पी)  
कोलसेट रोड बलकम थान है तथा जो थाना में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का संशुद्ध  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(1) श्रीमती उमिलाबाई लक्ष्मण भागवत  
प्रधान बिल्डिंग, थाना रेल्वे स्टेशन के पास थाना  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स एस० डी० पेंटस प्रा० लि०,  
203 नवकेतन बिल्डिंग चेम्बूर बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण यह है कि किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्त में कभी कर दे या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/12022/85-86  
जो मार्च 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

प्रकृष आर्.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/14952/85-86--अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० सी० एम० सं० 123ए(3) पार्ट टिक्का  
सं० 12 सर्वे सं० 227ए, घ सं० 3, 2, सर्वे सं० 123बी टिक्का  
सं० 12, सर्वे सं० 227सी चरई थाना में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1986,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्बन्ध से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के पर्याजसार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सोनाबाई अनन्त पवार  
आगरा रोड, चटई, थाना ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एस० पी० एण्टरप्राइजेस  
भूले हाउस, इडलजी रोड, चरई थाना ।

(अन्तरिती)

[...]

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/14952/85-86  
जो मार्च 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पूना के वपत्र में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-86

मोहर :

प्रत्यक्ष भाई. टी. एच. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/3247/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 208, दूसरा मजला, लोक सिलप  
प्लॉट सं० 59, सेक्टर, 17 बसई नई बम्बई है तथा जो  
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है। ---

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
की विधि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में :-

(1) श्रीमती ललित सी० गांधी 86,  
चीफ प्रमोटर लोक सिलप कोम्पाउण्डिंग हा०  
सोसायटी लि० सह० एम० ह्यू० रोड, ब्रंघेरी (ई)  
बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एस० नारायणन  
प्लॉट सं० 1, सनरथ साईनाथ निके  
एच० एस० पेस्टम सागर चेम्बूर बम्बई ।

(अन्तरिती)

आयकर/सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज के निदेश के अनुसार कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि द्वारा दृष्टित क्र०सं० 37ईई 3247/85-86  
तो मार्च 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के वफतार आ गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-5-86  
माहूर ३



प्रकर भाग. टी. एच. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 मई 1986

निदेश सं० 37ईई/8368/86- 6 87-; यतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 203, तथा दूसरा मंजला गोडाउन  
नं० 3 339-बी रास्तापेठ पूना है जो पूना में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंसेवक प्रतिफल है, ऐसे व्यवसाय  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों  
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या किया जाना चाहिए या डिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स वर्धमान विल्डर्स  
339/बी रास्तापेठ पूना

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीण उत्तमचन्द देसरड  
339/बी रास्तापेठ पूना ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना बांटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 45  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8368/85-86 जो  
मार्च 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 2-5-86  
माहुर :

## प्रारूप धारा: टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० 37ईई/8585/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसको संशोधन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फायनर प्लॉट सं० 802 शिवाजीनगर  
पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 § (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बनाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वृद्धि, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कराने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तिओं, वर्णित है :—

1) (1) मैसर्स राठी कुमार वेहरे

कन्स्ट्रक्शन हाउस 796/189-वी भंडारकर  
इन्स्टीट्यूट रोड, डी० सी० पूना—4

(अन्तरक)

(2) वेस्टर्न महाराष्ट्रा डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०  
दूसरा मंजला उद्योग भवन गणेश खिड़ रोड,  
पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/8585/85-86 जो मार्च  
86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के  
दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-3-86

मोहर : म

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1986

निर्देश सं० 37जी/652/85-86—अतः मुझे,

अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- या अधिक है

और जिसकी सं० आफिम यूनिट सं० एन० 901 भवानी चेम्बर्स 461 बी० वाई भवानी मंडप कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार करबिर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके व्यवसाय प्रतिकूल से ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का बंध प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया गणित, निम्नलिखित उद्देश्य के उचित अन्तरण जिससे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैसर्स धारगे इस्टेट डेवलेपमेंट 469बी० वाई भवानी मण्डप कोल्हापुर पार्टनर श्री अर्जुन सिंह वाय धारगे एण्ड श्री अविनाश वि० पाटिल

(अन्तरक)

(2) श्री वारणा सहकारी बैंक लिमिटेड वारणानगर कोल्हापुर श्री नन्द कुमार के० नहिक और श्री अण्णासाहेब जे० देसाई आथोराइज रिप्रेजेंटेटिव

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37जी/652/85-जी मार्च 1986 को सब रजिस्ट्रार करबिर के दफ्तर में लिखा गया है )

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक : 12-6-86  
मोहर :

प्रथम भाग, डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 अगस्त 1986

निवेश सं० 37ईई/2024/86-87—अतः मुझे, अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1 पांचवां मंजला ब्लॉक सं० II शंगरीला अपार्टमेंट 31 कोरेगांव पार्क पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और हमसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जय ठाकरसी लैण्ड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड 2128 ह्वी० पी० स्ट्रीट पूना कैम्प पूना—1

(अन्तरक)

(2) प्रेडन राय मेटल रिटिमेंट लिमिटेड, नेटलिन हाउस 254 बी डा० अनीबेहेन्ट रोड वरकी मुम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युक्ताधिकारी के पास लिखित में कि यह जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/2024/86-87 जो माह अगस्त 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 29-8-86

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स पटसन इण्टरप्रायवंस  
4/37 अरण्वेडन पूना—4

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना(2) कैलगा टेकनो सेल्स प्राइवेट लिमिटेड,  
812 रवि बिल्डिंग नवी पेठ पूना ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— पूना

पूना, दिनांक 29 अगस्त 1986

निदेश सं० 37ईई/2104/86-87—यत— मुझे,

अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस की जगह पहला माला सी० टी० एस० सं० 10वीं सदाशिव पेठ पूना—30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज/ सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन में किए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/2104/86-87 जो माह अगस्त 86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है )

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-8-86

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निदेश सं० 37ईई/7565/86-87—अन: मुझे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी संपत्ति निम्नलिखित बाजार मूल्य

1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० 71ए, 71बी रास्तापेठ पूना  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक फरवरी 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाविल  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
बार/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं भारत अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० एन० लम्बाकू और अन्य  
फिगरमैन कौजानी माड्रिम बिल्डिंग सं० 20-ए,  
फ्लैट सं० 999 बम्बई-6

(अन्तरक)

(2) अमिन इण्टरप्राइसेस  
1025 सदाशिव पेठ पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसे कि रजिस्ट्री सं० 37ईई/7565/86-87 जो  
माह फरवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 4-9-86

मोहर :

रूप माफ़, टी. एम. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 सितम्बर 1986

निदेश सं० 37जी/620/85-86—अतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्यांकन बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 555/हिस्सा सं० 1, जि० नासिक  
है तथा जो नासिक में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/  
सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

- (1) जयंदा एस० वकील और अन्य  
18 रिज अपार्टमेंट्स मलबार हिल, बम्बई-6  
(अन्तरक)
- (2) श्री अनवर एच० मुल्ला और अन्य  
211, अरुण चेंबर्स, तारवेस बम्बई-34  
(अन्तरिणी)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/620/85-86 जो जनवरी  
86 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के ऑफिस में दाखल किया गया  
है।

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

नोट: यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्जित :—

दिनांक : 9-9-86  
मोहर :

## प्रकरण नौटं टी एन एन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 सितम्बर 1986

निदेश सं० 37ईई/316/86-87—यतः मुझे, अर्जुनी  
कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 12 सर्वे सं० 131/1ए/1सी/  
2ए एफ० पी० सं० 529/2 पर्वती तहसील हवेली जिला पूना  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, विम्पतिविषय उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तर्गत है हुई किसी नाम की दावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
दावत में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वास्तविकता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

(1) श्री मालीनी पुरुषोत्तम बोडस  
38 विजय नगर कालोनी पूना 30 और  
बैक आफ महाराष्ट्र लोक मंगल 1501  
शिवाजी नगर पुणे—4

(अंतरक)

(2) श्री रेणुका कन्स्ट्रक्शन कं०  
ए/1 सक्सेस चेंबर 1232 अयापटे रोड पूना-4  
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत 37ईई/316/86-87 जो माह जून  
86 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के  
दफ्तर में लिखा गया है।

अर्जुनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक : 22-9-86

मोहर :



प्राकृत्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

**नगरपालिका**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 22 सितम्बर 1986

निदेश सं० 37ईई/313/86-87—यतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्पादन करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 15 सर्वे सं० 131/1ए/1सी/  
2एएफ० पी० सं० 529/2 पर्वती तहसील बेली पूना  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से है कि किसी बात की शक्यता, उक्त  
अधिनियम के अधीन उक्त धारा के अन्तरक के अन्तरण  
में किसी कारण से उक्त करने में बाधा के बिना;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मालीनी पुरषोत्तम बोडम  
38 विजय नगर कालोनी पूना--30  
और बैंक आफ मद्रास लोक संगल  
1501 शिवाजी नगर पूना-56 (अन्तरक)
- (2) रेणुका बंसदक्शन कं०  
ए/1 सर्वसेस चेंबर 1232 आपटे  
रोड पूना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण 37ईई 313/86-87 जो माह जून  
86 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज पूना के  
दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक : 22-9-86

मोहर :

प्रथम भाग, डी. एन. एन. = ११११

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 सितम्बर 1986

निदेश सं० 37ईई/315/86-87—यतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
1986 के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13 सर्वे सं० 131/1-ए, 1-सी/  
2ए एफ० पी० सं० 529/2 पर्वती पूना है तथा जो पूना में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन,  
दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कीर्तित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मालीनी पुरुषोत्तम बोडस  
38 विजयनगर कालोनी पुणे 30 और बैंक आफ  
महाराष्ट्र लोक मंगल शिवाजी नगर पुना—5  
(अन्तरक)

(2) श्री रेणुका कन्स्ट्रक्शन कं०  
ए/1 मकसेस चेंबर्स 1232 आपटे रोड पुना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
अवगतियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

समस्त

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत 37ईई/315/86-87 जो माह जून,  
86 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज पूना के  
वपत्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 22-9-86  
मोहर :

रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अगस्त 1986

निदेश सं० 37जी/647/85-86—अतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास्त करने का  
आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नम्बर 16/1-5 उनगाली गांव तालुका  
पावल जिला-पूना है तथा जो पूना में, स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकरण में अधिनियम, 1908  
(1909 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1986,

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास्त  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, धारक :-

(1) श्री जयंत शान्ताराम कल्याणपुरकर  
कल्याणपुर हॉना डिस्ट्रिक्ट रोड, विदले पारले  
बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) लेक ह्यूब इनवेस्टमेंट ट्रेडिंग कंपनी  
प्राइवेट लिमिटेड, साधना रेयान हाउस डा० बी०  
एन० रोड, फोर्ट बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और वादों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37जी/647/85-86  
माह अप्रैल को सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा गया है)

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-8-86  
मोहर :

प्रारूप माह, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अगस्त 1986

निदेश सं० 37जी/191/86-87—यतः सुखे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 517 प्लॉट सं० 20 सी० टी० एस०  
सं० 365/24 घोरपाडे पेठ ओथ बोरे कालोनी पूना है तथा  
जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का अधिनियम, दिनांक  
अप्रैल, 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनसे :—

(1) श्रीपाद हरिभाऊ रत्नपारखी और दूसरे  
द्वारा मंदारामाला एस० जी० आर० एस० सी०  
टी० एस० सं० 365/24/20 घोरपाडे पेठ पूना ।  
(अन्तरक)

(2) मंदारमाला सी० एच० एस० लिमिटेड,  
365/24 घोरपाडे पेठ पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37/जी/191 जी माह अप्रैल  
1986 को एस० आर० हवेली के दफ्तर में लिखा गया है।)

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 28-8-86

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 अगस्त 1986

निवेश सं० 37जी/224/86-87—यतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी-74, जो रोड सं० 33 पर  
स्थित वागेल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एम० आई० डी० सी०  
थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपप्लॉट अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/  
सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शान्तिवद् रूप में अधिस्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

14—306 G1/86

(1) मेमर्स बुरलिंगटान्स एक्सपोर्ट्स  
बी-75, वागेल इण्डस्ट्रीयल स्टेट थाना।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स फ्लेक्स्टान आटो समपेनसियस  
502, लिमकवे 397, 14 रोड, खार  
बम्बई-52

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी जो अप्रैल 86 को सब-  
रजिस्ट्रार बम्बई के आफिस में दाखल किया गया है।

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-8-86

मोहर :

प्रकाश बाबू, टी. एन. एल. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 मितम्बर 1986

निदेश सं० 3जी/134/86-87—यतः मुझे, अंजनी  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 6 से 25, सर्वे सं० 288, 289ए  
तथा 289बी, जूना राष्ट्रीय महामार्ग सं० 6, वेस्टर्न रेलवे क्रॉसिंग  
के पास जलगांव है तथा जो है तथा जो जलगांव में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
मार्च 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कब के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उस के व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
गवा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगनाथ नथु वाणी  
द्वारा जैन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी जलगांव  
(अन्तरक)

(2) श्री अणोक भवरलाल जैन  
द्वारा जैन अदम इण्डस्ट्रीज  
16 पोलनपेठ, पो० बाकम 20, जलगांव  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकीप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/134  
मार्च 86 को सब रजिस्ट्रार जलगांव के आफिस में दाखल  
किया गया है

अंजनी कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 9-9-86

मोहर :

प्ररूप जारी टी, एन, एस्-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एम० आर०-3/2-86/

463/2—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० 115, ब्लॉक नं० 172, जोरबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति व उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री कुलजीत सिंह कोहली

115, जोर बाग, नई दिल्ली

द्वारा जनरल एटोर्नी श्री बचआनन्द टी० श्रीजवानी निवासी 3072/सी० ए० रनजीत नगर, नई दिल्ली वाइड एटोर्नी दिनांक 23-5-1985।

(अन्तरक)

2. श्री हरीश कुमार आहुजा,

248, डबल स्टोरी, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 115, ब्लॉक नं० 172, जोरबाग, नई दिल्ली तादादी 468.8 वर्ग गज। हाई स्टोरी विलिडग

जगदीश मित्र

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिनांक: 14-8-1986

मोहर :

## नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1987

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर, 1986

सं० एफ० 8/3/86 प०-I (ख)- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित कोर्सों में प्रवेश हेतु 12 मई, 1987 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :-

कोर्स का नाम तथा रिक्तियों की संख्या	सं०
(1) भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून (जनवरी, 1988 में प्रारम्भ होने वाला 84वां कोर्स) एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध) "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32* रिक्तियाँ सम्मिलित हैं।	
(2) नौसेना अकादमी, कांकोन जनवरी, 1988 में प्रारम्भ होने वाला कोर्स)	
(क) सामान्य सेवा	44*
(एन० सी० सी०) नौ सेना स्कन्ध "सी" प्रमाण-पत्र धारियों के लिये 6 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं।)	
(ख) नौ सेना विमानन	33*
(3) वायुसेना वेगमपेट गिकन्द्राबाद (जनवरी, 1988 में प्रारम्भ होने वाले उड़ान पूर्व प्रशिक्षण कोर्स अर्थात् नं० 143	7*
(4) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास (मई, 1988 में प्रारम्भ होने वाला 47वां एम० सी० सी० (एन० टी० कोर्स)	269* @

\*उपयुक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*@इसमें प्रशिक्षण क्षति सम्मिलित है।

विशेष ध्यान (1)---उम्मीदवार को आवेदन पत्र, जो 1 नवम्बर, 1986 को राजगार समाचार तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित है के कालम 9 में यज्ञ स्पष्ट रूप से बनाना होगा कि वह किस सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी मालूम हो जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता-क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करने समय उसकी वरीयताओं पर भलीभांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिए कि नीचे विशेष ध्यान (II) की व्यवस्था को छोड़कर उन पर केवल उन्हीं कोर्सों में नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिए वरीयता निर्दिष्ट करने हैं, अन्य कोर्स (कोर्सों) में नियुक्ति हेतु नहीं।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र में पत्रले निर्दिष्ट वरीयताओं में बद्धि/परिवर्तन हेतु अनुरोध को आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

किन्तु भारतीय सैन्य अकादमी और नौसेना/वायु सेना अकादमियों में उम्मीदवारों की कमी हो जाने पर ही अधिकारी प्रशिक्षणशाला का पहली पसन्द रखने वाले और भारतीय सैन्य अकादमी तथा नौसेना/वायु सेना अकादमियों हेतु योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों के मामले में उनके अन्वया प्राप्त होने पर कोर्सों में प्रवेश पर विचार किया जा सकता है।

विशेष ध्यान (II)---स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा० सैन्य अकादमी/नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्स के

इन परीक्षा से बचे हुए उम्मीदवार यदि बाद में अ० कालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित बातों के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य हो सकते हैं। चाहे उन्होंने अपने आवेदन-पत्रों में इस कोर्स के लिए अपनी पसन्द नहीं बताई है।

(i) यदि अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को देने के बाद भी कमी है, और

(ii) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) हेतु वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के क्रम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाएंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयता के (अनुसार हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी I--- एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रभाग)/ (नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्सों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई आरक्षण नहीं है। अतः इस कोर्स में रिक्तियों की भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी एन० सी० सी० में "सी" प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/ वायु सेना स्कन्ध का (वरिष्ठ प्रभाग) (नौसेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्वया वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध/ (नौ सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रमाण की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० एन० ए०/एस० एम० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय अर्थात् 6 (एम० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय आर० एण्ड आर०, मेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०)/वायु सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं० 6, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 को 31 दिसम्बर, 1987 तक पहुंच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता को पात्रता हेतु उम्मीदवार ने राष्ट्रीय कैडेट कोर में जो सेवा की हो वह सोनियर डिक्लोजन सेना स्कन्ध में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सोनियर डिक्लोजन वायु सेना/नौसेना स्कन्ध में 3 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और आयोग के कार्यालयों में आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तिथि का उक्त राष्ट्रीय कैडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य अकादमी/नौसेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्स के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों।

टिप्पणी II--- भारतीय सेना अकादमी कोर्स/वायु सेना अकादमी कोर्स/ नौ सेना अकादमी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध) सोनियर डिक्लोजन वायु सेना स्कन्ध/सेना नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण-पत्र धारी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षण परिणाम के आधार पर ग्रहणा प्राप्त हुए उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने



के कारण न भरी गई श्रावित रिक्तियों को श्रावित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोशों में प्रवेश दिया जाएगा।

(क) परीक्षण की योजना स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) प्रकाशनी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना प्रकाशनी नौ सेना प्रकाशनी अधिकारी प्रशिक्षणशाला और वायु सेना प्रकाशनी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया।

2. परीक्षा के केन्द्र—अगरतला, ग्रहमबाबा, ऐंजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, इटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिबोध किसी उम्मीदवार को अपनी विवेका पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिस उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय-समय पर परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी बंदी नामों [तोषे पैरा 8(ii) देखिए]।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को नामाङ्कन स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, मंच लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि यह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 20 अप्रैल, 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रियता:

उम्मीदवार या तो—

- (1) भारत का नागरिक हो, या
- (2) ब्रिटान की प्रजा हो, या
- (3) नेपाल की प्रजा हो, या
- (4) निम्नलिखित शर्तों, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (5) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मालावी, जेरें और ह्योपिया और त्रिपुनताम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (2), (3), (4) और (5) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

लेकिन नेपाल के गोर्खा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शर्त पर अंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि

सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण-पत्र मंच लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

(ख) आयु, सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति:

- (1) भारतीय सैन्य अकादमी के लिए: केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार के पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1964 से पहले का तथा 1 जनवरी, 1969 के बाद का न हो।
- (2) नौ सेना और वायु सेना अकादमी के लिए: केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार के पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1966 के पहले और 1 जनवरी, 1969 के बाद का न हुआ हो।
- (3) अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए: केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1963 के पहले और 1 जनवरी, 1969 के बाद का न हुआ हो।

आयोग जन्म की यह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेशन के रजिस्ट्रारों में दर्ज की गई हो और यह उद्योग विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। विश्वविद्यालय या हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा प्रमाणपत्र। ये प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के बाद ही प्रस्तुत किए जाने अपेक्षित हैं।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख में प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्घरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आये हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अनुरिक्त उस संस्थान के हेड मास्टर/प्रिन्सिपल से लिए गए प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दालिख रजिस्ट्रार में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

टिप्पणी (1):—उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि अविदित-पत्र प्रमाण-पत्र की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न ही विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (2):—उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर लेने और आयोग द्वारा उसे अंतिम अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसी डाक में या परीक्षा में रजिस्टर्ड करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं:

- (1) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना प्रकाशनी और अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता,
- (2) वायु सेना अकादमी के लिए—किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से भौतिकी और/या गणित विषय के साथ डिग्री

या समकक्ष। जिन उम्मीदवारों ने अपनी द्वितीय परीक्षा भौतिकी और/या गणित के अलावा अन्य विषय लेकर उत्तीर्ण की है वे भी पात्र हैं, किन्तु शर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेन्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली शिक्षा 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 11वें/12वें स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणित और भौतिकी विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो।

नौसेना/वायु सेना की पहली पसन्द वाले स्नातकों को प्रेन्टिशन के प्रमाण के रूप में प्रोविजन सर्टिफिकेट सेवा चयन बोर्ड द्वारा परीक्षण पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर क्रमशः सेना मुख्यालय रिक्रूटिंग (6 एस० पी०) (ई०) नौसेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर० मेकनन)/वायु सेना मुख्यालय डाकघर 3 (ए) को प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदवार अभी द्वितीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनको द्वितीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एम० ए०/एम० एम० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एम० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौसेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०)/वायु सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं० 6, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 को निम्नलिखित तारीख तक पहुँच जाना चाहिये जिनके न पहुँचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

- (1) भा० मे० अकादमी, नौसेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए 3 दिसम्बर, 1987 तक या उससे पहले।
- (2) अधिकारी प्रशिक्षणमार्ग, मद्रास में प्रवेश के लिए 30 अप्रैल, 1988 तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएँ हैं तो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी द्वितीय के समकक्ष मान्यता—प्राप्त हो वे भी परीक्षा के लिए पात्र होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएँ हों जिनका स्तर आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

टिप्पणी 1—ऐसे उम्मीदवार जिन्हें द्वितीय परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है, उन्हें द्वितीय उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के वेर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी 2—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

टिप्पणी 3—विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिए जाएंगे

जब वे उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित रूप में अनुमोदित हों।

#### 4 शुल्क :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु० 28.00 (अष्टाईस रुपये) के शुल्क का भुगतान करना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में हो।

टिप्पणी (I) : उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के तिर्रे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल ऑर्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल ऑर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखे। विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस आयु-रोय के साथ जमा करना होगा ताकि वह “051-लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदनपत्र के साथ उसको रखीव लगा कर भजनी चाहिए। जिन आवेदन प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी, उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो नाबंके के पैरा के आधार पर निर्धारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को शुल्क नहीं देना होगा।

(II) आयोग यदि चाहें तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इन बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवेश कर आया हो या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रवेश कर चुका था या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवेश कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है प्रायः निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(III) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर-जिनका आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिये जाएंगे, परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार द्वितीय परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या द्वितीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाया तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(IV) जो उम्मीदवार मई, 1986 अथवा अक्तूबर, 1986 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और इस परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी, को

के लिए उसका नाम अनुसूचित हुआ हो तो उनके मामले में ₹० 28.00 (अट्ठाईस रुपये) का शुल्क वापस किया जा सकता है। पर वह जरूरी है कि मई, 1987 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्टूबर, 1987 तक या उससे पहले पहुंच जाए।

उपरोक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

#### 5. आवेदन कैसे करें :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को साथ में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्रों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र का मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्केप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन प्रपत्र और उपस्थिति पत्रक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार आईवेट एजेंसियों से उपलब्ध छपे हुए आवेदन प्रपत्र तथा उपस्थिति-पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि इस विज्ञापन के साथ में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों। उम्मीदवार हम बात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र में आवेदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के सभी प्रश्न पत्रों के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र और एक ही अनु-क्रमांक से परीक्षा दें चाहे उन्हें आयोग से एक से अधिक प्रवेश प्रमाण-पत्र क्यों न प्राप्त हुए हों।

जिस विक्राफे में आवेदन-पत्र भेजा जाएगा, उस पर मोटे अक्षरों में सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1987 लिखा जाए।

(क) उम्मीदवार को अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए।

(i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट भारतीय पोस्टल ऑर्डर या भारतीय मिशन की रसीद (शुल्क माफी हेतु वाले के मामलों को छोड़कर), (ii) फुलस्केप साइज पेपर का विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक जैसा 1 नवम्बर 1986 के रोजगार समाचार तथा अन्य समाचार पत्रों में प्रकाशित है), (iii) उम्मीदवार के हाथ ही के पास-पोर्ट आकार (लगभग 5 से० सी० 7 से० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हो, (iv) एक पोस्टकार्ड अपने पते के साथ (v) 11.5 से० सी० X 27.5 से० सी० आकार के बिना टिकट लगे हुए तीन विक्राफे अपने पते के साथ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है, चाहे माध्यमिक स्कूल खोड़ने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर दें कि जो आवेदनपत्र वह प्रयोग में जाना है उसमें जन्म की तारीख भारतीय "अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप" में लिखी हो। ये हम धारों में विशेष सावधानी बरनें कि आवेदन-प्रपत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुगम हों। यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती हैं या भ्रामक हैं तो उनके निर्वहन में होने वाली भ्रान्ति या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपत्र आयोग की सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदनप्रपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में भेज में पहुंचा हो तो आवेदनप्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भी ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवारत है, उनको यह परि धन (अपहर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने विहित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने हम परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिये आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकने हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

जो उम्मीदवार मणस्त्र सेना में सेवारत है उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग अधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए, जिन्हें वह आयोग को अग्रप्रेषित करेंगे।

टिप्पणी: जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपरोक्त पैरा 1 के अन्तर्गत शुल्क माफी के दावे को छोड़कर) या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एक दम अस्वीकृत कर दिया जायेगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृत के सम्बन्ध में अप्पावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवार को अपने आवेदनप्रपत्रों के साथ आयु तथा शैक्षिक योग्यता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और शुल्क में छूट आदि का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा। इन्होंने वे हम बात को सुनिश्चित कर दें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं। अतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अनन्तिम होगा। यदि किसी बात की तारीख को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीद-वारी रद्द की जायेगी। उम्मीदवारों को मनाह दी जाती है कि वे परीक्षा के विहित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के शीघ्र बाद जिसकी 1987 के अग्रस्त माह में घोषित किये जाने की संभावना है, सेना मुख्यालय/नौसेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय, जैसा मामला हो, को प्रस्तुत करने के लिये निम्नलिखित सप्त प्रमाण-पत्रों को उनकी सत्यापित प्रतियों सहित तैयार रखें:—

1. जन्म की तारीख दर्शाने वाला मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र अथवा इनमें समकक्ष।

2. डिग्री/अनन्तिम डिग्री प्रमाण-पत्र/अंक सूची जिसमें स्पष्ट रूप से यह दर्शाया गया हो कि डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री पाने के पात्र है।

संबन्धित से० च० बो० के माक्षानकार हेतु सभी पात्र अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को सेवा चयन केन्द्रों को आने हुए अपने मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रमाण-पत्र मूल रूप में से० च० बो० के माक्षानकार के लिये अपने साथ जाना होगा अन्यथा उन्हें से० च० बो० के माक्षानकार में प्रवेश होने की अनुमति नहीं दी जायेगी। चयन केन्द्र में मूल मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में कोई छूट की अनुमति नहीं है।

यदि उनका कोई भी बाधा असत्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा पैरा 6 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

6. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्धारित कवाचार का खोपी घोषित होता है या हो चुका है :-

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
  - (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
  - (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
  - (4) जासी प्रलेख या फेर-बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना, या
  - (5) प्रशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना, या
  - (6) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
  - (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या
  - (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अपद्रव्य आशय की हो, या
  - (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
  - (10) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाना, या
  - (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देने हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
  - (12) ऊपर खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिये उकसाना, यह अपने को वण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरिक्त:—
- (क) आयोग की परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिये आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

#### अवकाश

- (ख) (1) आयोग द्वारा अपनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये
- (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिये
- (ग) यदि वह पहले से सरकार की सेवा में है तो उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई।
- (घ) स्थाई रूप से या कुछ निश्चित अवधि के लिये अपवर्जित किया जा सकता है, और

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो,

उम्मीदवार को ध्यान देना चाहिये कि वे 'आवेदनपत्र', नियमावली, पाठ्यक्रम आदि के लिये संश्लोक सेवा आयोग को न लिखें, ऊपर मसाले अनुसार हम विज्ञापन के साथ छापे गये आवेदन पत्र का प्रयोग किया जाये।

#### 7. आवेदन प्रपत्र लेने की अन्तिम तारीख :

भारा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संश्लोक सेवा आयोग, प्रानपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 15 दिवम्बर,

1986 (15 दिवम्बर, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होये हैं, उनके मामले में 29 दिवम्बर, 1986) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाये, या स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर जमा करा दिया जाये। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है, कि वह 15 दिवम्बर, 1986 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी : (I) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन को प्रस्तुति हेतु प्रतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में प्रतिरिक्त समय के हकदार बनाने या क्षेत्र का नाम (जहाँ प्रान, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर, राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें प्रतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी : (II) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र संश्लोक सेवा आयोग के काउन्टर पर स्वयं जमा कराएं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें, आयोग के तहत कर्मचारी को दिए गए आवेदन पत्र के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

#### 8. आयोग/सेना/नौसेना/वायु सेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित मामलों को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

- (i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदनपत्र, जिसमें वेर से प्राप्त आवेदनपत्र भी सम्मिलित हैं, को पावती दी जाती है तथा आवेदनपत्र की प्रार्थना के तहत में उम्मीदवार को आवेदन पत्रों-करण संख्या जारी की जाती है इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदनपत्रों-करण संख्या जारी कर दी गयी है, अपने प्रान यह मन नहीं है कि आवेदनपत्र सभी प्रकार पूर्ण है आयोग द्वारा और स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा से संबंधित आवेदनपत्रों की प्रार्थना की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को प्राप्त आवेदन पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त कर लेने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम को सूचना यथाशीघ्र दी जायेगी, किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदनपत्र का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संश्लोक

सेवा आयोग से सूचना न मिले तो परिणाम को जानकारी के लिये उसे आयोग, से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बारे में बंचित हो जाएगा।

- (iii) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनको अनुक्रमिक निविष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया जायेगा और उसमें निविष्ट-अनुक्रमिक बही होगा जो उम्मीदवारों की पावती कार्ड द्वारा पहले सूचित आवेदन पंजीकरण संख्या है। किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश नब तक नहीं दिया जायेगा जब तक उनके पास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं है।

किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में जब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश-प्रमाण-पत्र न हो।

केवल इस स्थिति का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियाँ आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पात्रता की गतों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है, आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अन्तिम रहेगी।

- (iv) उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।
- (v) उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाणपत्र में कहीं-कहीं नाम तत्कालीन कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।
- (vi) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था अवश्य कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बचने-हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उक्त सूचना यथा शीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

**महत्वपूर्ण:** आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए --

1. परीक्षा का नाम।
2. परीक्षा का वर्ष और महीना
3. आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो।)
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
5. पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

**विशेष ध्यान:** (1) जिन पत्रों में ऊपर का झूठा नही होगा, हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

(2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रिका प्राप्त होता है या इसमें उसका

पूरा नाम और अनुक्रमिक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

- (3) सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अगुणित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल दिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने की अवधि तथा पता तत्काल सेवा मुख्यालय, ए० जी० आर० रिजर्विड 6 (एम० पी०) (ई०) ब्लाक 3 द्वितीय तल, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110066 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बारे में बंचित हो जाएगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी प्रश्न और अनुरोध सीधे, सेवा मुख्यालय, ए० जी० आर० रिजर्विड 6 (एम० पी०) (ई०), ब्लाक 3, द्वितीय तल, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110066 और वायुसेना उम्मीदवारों के लिए पी० ब्रो० 3 (ए)/वायुसेना मुख्यालय, विंग-7, प्रथम तल, ब्लाक नं० 9, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110066 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवार को साक्षात्कार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केशव यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा का ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्गमक प्राधिकरण सेवा मुख्यालय/वायुसेना मुख्यालय रहेगा।

**विशेष ध्यान --** यदि किसी उम्मीदवार को भारतीय सैन्य अकादमी अक्टूबर, 1987 के पहले अपने तक और अधिकारी प्रशिक्षण गलती हेतु अप्रैल 1987 तक सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार पत्र प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेवा मुख्यालय/बर्मी 6 (एम० पी०) (ई०), द्वितीय तल, ब्लाक 3, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110066 को साक्षात्कार पत्र न मिलने के बारे में लिखना चाहिए।

(vii) मूल प्रमाण पत्रों का प्रस्तुतीकरण -- सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (ए० टी०), प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेवा मुख्यालय/बर्मी 6 (एम० पी०) (ई०), नई दिल्ली-110066 को तथा जो सेवा के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेवा मुख्यालय/आर० एन्ड आर० सेवा भवन, नई दिल्ली-110011 को या वायुसेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, ब्लाक नं० 6, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110066 को अपनी शैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्रों की दो सत्यापित प्रतियाँ सहित सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार परीक्षण के पूरा होने के दो सप्ताह के अन्दर और 31 दिसम्बर, 1987 [एम० एस० सी० (ए० टी०) के मामलों में 30 अप्रैल, 1988 से पहले प्रस्तुत करने होंगे] उक्त प्रमाण-पत्रों की सत्य अनुप्रमाणित प्रतिलिपियाँ या फोटोस्टैट, प्रतियाँ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी।

जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के समय अपनी आयु के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

9. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवार का साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम चयन बोर्ड वायुसेना उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कर्म में प्रवेश—

संघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा में लिखित परीक्षा, के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अर्हता प्राप्त की है, बौद्धिक तथा व्यक्तिगत परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने उपस्थित होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (डी० ई०) कोर्स और/या नौ सेना (एन० ई०), कोर्स और/या वायुसेना अकादमी कोर्स को लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एम० एम० सी० (एन० टी०), कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं या नहीं, उनकी मितम्बर/अक्टूबर, 1987 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षण के लिए भेजा जायेगा और जो उम्मीदवार केवल एम० एम० सी० (एन० टी०), कोर्स, के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1987/जनवरी, 1988 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही ओखिम पर वहाँ परीक्षणों में शामिल होंगे, और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है, उसके दौरान या उसके फलस्वरूप, अगर उनको कोई चोट पहुँचती है, तो उनके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति की सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही में हो या दूसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग द्वारा निर्णय के अनुसार निश्चित किये जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा सेवा बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता क्रम में रखा जायेगा। अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी का सेना अकादमी वायु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम-चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के प्रतिनिधित्व उपर्युक्त रिक्तियों की संख्या की दृष्टि में रखने हुए योग्यता के क्रम से किया जायेगा।

टिप्पणी :—वायु सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मीदवार की पायलट सम्बन्धी अभिरुचि का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः पहले परीक्षण में उसने जो प्रेड प्राप्त किया है, उसको वायु सेना चयन बोर्ड में लिये जाने वाले बाव के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जायेगा। जो उम्मीदवार पायलट सम्बन्धी अभिरुचि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है, वह भारतीय वायु सेना की (एक० पी०) शाखा नौसेना विमानन हेतु प्रवेश के लिये आवेदन नहीं कर सकता।

10. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिये अर्हतायें :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायु सेना उद्भवन सहा-विद्यालय, नौ सेना अकादमी, कोसीन, और अधिकारी प्रशिक्षणशाला सहा में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में अकादमिक सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी से वापस किया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेक्शन कौन्सिल के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना अकादमी से वापस किया हो वे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स से वापस लिया गया हो उनके बारे में थल सेना में अव्यवस्थित सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स से पहले वापस किया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

#### 11. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना

अकादमी में प्रशिक्षण के समय विचार पर प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के कोर्स के उम्मीदवारों को इस बात का परिचय देना है कि जब तक उनका भारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किस परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जायेगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह सब उससे वसूल किया जायेगा। अव्यवस्थित सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार है :—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिनकी पहले से कोई प्राप्ति पति/पत्नी है या थी।

(ख) जिसने पहले से जीवन पति/पत्नी होने हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश अव्यवस्थित सेवा कमीशन को प्राप्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में छूट दे सकती है।

#### 12. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना

अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनके और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने को अनुमति नहीं दी जायेगी।

जो उम्मीदवार भारतीय सेना अकादमी/नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी से रण्य पत्र लेते हैं उन्हें उनको योग्यता के आधार पर अधिकारी प्रशिक्षण शाला में लेने हेतु विचार किया जा सकता है बशर्ते कि उस कोर्स विशेष में स्थान खाली हो।

13. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तु पर परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समुच्च पुस्तिका छपी है। यह इस उद्देश्य से छपी गई है जिसमें सं० लो० से० आ० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों की सहायता मिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक सिविल लाइन्स, देहली-110054 के पास बिन्नी के लिये मुलभ है और इसे उनसे सीधे में आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान

पर (1) किताब महान् रिबोनी मिनेमा के सामने, एम्पौरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लॉक, बाबा खडक सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा की बिक्री काउन्टर और (3) गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एम० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। संयुक्त भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तमित्र शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

14. उम्मीदवार को अपना आवेदनपत्र प्रस्तुत कर देने बाद उम्मीद-वारी बापम लेने से संबंध उनके किसी भी अनुरोध का किसी भी परि-स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० के० कृष्णन,  
उप सचिव,  
संव लोक सेवा आयोग

#### परिशिष्ट—1

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य विवरण)

##### 1. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(क) नीचे के पैरा 2 में निम्नलिखित रीति में लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इन परि-शिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें हिन्दी भी एक सविमेज गलेवशन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाये।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ख) नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
------	----------	------------

अनिवार्य।

1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
<b>वैकल्पिक</b>		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घण्टे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घण्टे	150

\* जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, अरुण ट्रेनिंग स्कूल, और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिये लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300, 150 और 200 और 300 होंगे।

सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे, प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएँ) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे। उम्मीद-वारी को प्रवेश प्रमाण-पत्रों के साथ उम्मीदवार सूचना विवरणिका दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्न-पत्रों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षण का पूरा व्योश शामिल होगा।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति में सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिये। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

7. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (प्रश्न पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिये कैल्कुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उसे परीक्षा भवन में न लायें।

ख. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न-पत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न-पत्रों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है। इन में से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रश्न-पत्र इस प्रकार का होगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन-प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के सामान्य के वैज्ञानिक पक्ष

की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे निश्चित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी हों जिनका उत्तर उम्मीदवार को उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना देना चाहिये।

### प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

#### अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ :—धनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्यायें, मूल संख्यायें—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल, वसमलव भिन्न।

एकिक विधि :—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता, साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :—विभाजन की कलन विधि अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्तक और गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघु-गणकीय सार-णियों का प्रयोग।

#### बीज गणित

आधारभूत संख्यायें : साधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक सिद्धांत। द्विघात समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युग्मपद रेखिक समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युग्मपद रेखिक असमिकायें और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युग्मपद, रेखिक समीकरण या असमिकायें बनती हैं या एक चर में विचरण, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा प्रतिबन्ध तत्समक धातांक नियम।

#### त्रिकोणमिति

ज्या  $X$  कोटिज्या  $X$  स्पर्श रेखा  $X$  जब  $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$

ज्या  $X$  कोटिज्या,  $X$  स्पर्श रेखा  $X$  का मान क्योंकि  $X = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$  और  $90^\circ$  सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

ऊँचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

#### ज्यामिति

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति : निम्नलिखित पर प्रमेय :—(1) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (2) समांतर रेखाएँ, (3) किसी त्रिभुज की भुजायें और कोण, (4) त्रिभुज की संवर्गभूतता समरूप त्रिभुज, माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन, (7) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों भुजाओं के विकल्पों के गुण धर्म, (8) वृत्त और उनके गुण धर्म जिनमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (9) स्थानित संयक।

#### विस्तार कलन :

वर्गों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र वही) घनाकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

#### सांख्यिकी :

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रहण तथा मारणीयता। आलेखी निरूपण बारम्बारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माब रेखाओं के बीच कोण।

#### गणित (कोड सं० 04)

##### 1. बीज गणित :

समुच्चयों का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिबोध, युक्त फलन, तुल्यता, सम्बन्ध-परिमेयसूचकों के नियम व मोबियर का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

##### 2. मेट्रिसेस :

मेट्रिसेस की बीजकिया, सारणिक सारणियों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, सह-खण्ड आश्रुह; मेट्रिसेसों का प्रति लोभन, मेट्रिसेस की जाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिये मेट्रिसेस का अनुप्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में)।

##### 3. विश्लेषिक ज्यामिति :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति, गमन रेखायें, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त निकाय, परिकल्प, बोधवत अनिपरिकल्प (मुख्य अक्षों के सम्बन्ध में) द्वितीय श्रेणी समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्श रेखायें और अभिलम्ब।

त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएँ और गोलक (केवल कार्तीय निर्देशक)।

##### 4. कलन (कैल्कुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमांत की संकल्पना, वास्तविक पर फलन का सातत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन रोल का प्रमेय। मध्यान प्रमेय मैक्लारिन और टेलर सीरीज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमय। सूचकांकों के लिये द्विपदप्रसरण श्रृंखलाओं प्रसरण, लघुगुणकीय त्रिकोण विलीय और अनि-परिकल्पक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अलिष्ट, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अयःस्पर्शी, अघोलम्ब, अनन्त, स्पर्शी वक्रका (केवल कार्तीय निर्देशक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्लेप आंशिक अवकलन। समीची फलनों के सम्बन्धित आयलर प्रमेय।

समाकलन गणित : समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन के निश्चित समाकलन की सीमान-परिभाषा। समाकलन गणित का हल निकालना। नियम, गुणांक के साच्छ द्वितीय और उप वनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्पसन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। निगम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकालना। बुद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हार्मोनिक ऊर्ध्वतरण। साधारण पेन्डुलम और समीकरण।

##### 5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान : समतलीय तथा समीची तथ्यों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तथ्यों के मुख्य केन्द्र। स्थैतिक वर्णन, साम्य ग और सीमांत अर्ध आघर्षण कोण। रूक्षमानत समतल पर श्रृण के वस्था कल्पित काय (दो आयामों में)।

गति विज्ञान : शुद्ध और विज्ञान श्रृण का त्वरण, वेग, बाल और बिस्थापन, आपेक्षिक वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। स्पूटन गति सम्बन्धी सिद्धान्त। केन्द्र कक्ष। सरल प्रवक्ता गति (निश्चित में) गुरुत्वावस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा रेखि संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तल गति।



6. सांख्यिकी प्राथमिकता : प्राथमिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, चयनक प्रणाली की प्राथमिकता का परिकल्पन, योग एवं गुणन प्रमेय, अप्रतिबन्ध प्राधिकता। यादृच्छिक चर (विधिवत और अविवरत) घनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याणा।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण वेपमय सीमांत रूप सरल अनुप्रयोग। प्वासों वितरण परिभाषा मध्य और प्रसरण योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में प्वासों वटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनु-प्रयोग, उपलब्ध, आंकड़ों में सामान्य में प्रामाण्य वटन का समंजन।

त्रिविध वितरण : यह सम्बन्ध दो चरों का रेखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परिवलनिक और चल आतांकी, बरु, मह सम्बन्धित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिवर्ण वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, यादृच्छिक प्रतिवर्ण (सांख्यिकी प्रतिवर्ण वटन और मानक त्रुटि) अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रामाण्य टी० सी० एच० आई० ( $CHI^2$ ) और एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 यांत्रिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

#### प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं० 05)

(क) विस्तार कल्पन :—मात्र के मापक, सी० जी० एम० और एम० के० एम० मात्रक। आदेश और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा निधोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन का गति नियम। बल की संकल्पन बल के मात्रक। मात्वा और भार।

(ख) पिण्ड का बल विज्ञान :—गुरुत्व के अधीन/समानान्तरण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनत समतल/पिन और गियर सहित विभिन्न साधारण मशीनें/घर्षण, घर्षण कोण, घर्षण, गुणांक कार्य णक्ति और ऊर्जा/क्षितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म :—दाब और प्रसोव/पास्कल का नियम। आर्कमिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिण्डों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये आर्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाब का मापन। बोली नियम/वायु पम्प।

(घ) ताप :—पिण्डों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। ट्राएल्स नियम परम शून्य बायल और वाल्स नियम पिण्डों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप कलौरीमिन्/ताप का संचरण, घातकों की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त उष्मा। एम० डी० बी० पी० मन्नी (भाट्रना प्रोमांक अपेक्षित भाट्रना।)

(ङ) प्रकाश :—ऋजुरेखीय संचरण। परिवर्तन के नियम गोलीय घर्षण अपवर्तन के नियम, लेन्स प्रकाशित यंत्र कैमरा प्रक्षेपित, पारापात्र चित्रदर्शी दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, पाइनीक्यूलर तथा परिवर्शी, प्रिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि :—ध्वनि संचरण, ध्वनि परिवर्तन, अनुनाद/ध्वनि, वासी फोन का अभिवेक्षण।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत :—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीय बल रेखाएं, पार्थिक चुम्बकत्व। बालक और रोधी ओमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पाश्वर्य में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव। चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फलमिग का बाम हस्तनियम। मापक यंत्र पारामापी एमीटर, बोस्ट/मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का

रासायनिक प्रभाव, विद्युत नेपन, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फरोडे नियम, बैनिक ए० डी० तथा डी० सी० जनिस्।

#### भौतिकी (कोड सं० 06)

1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी :

यूनिटें और विभागें, स्केलर और वेक्टर, माप्राये, उद्भव, आदर्श, कार्य ऊर्जा और संवर्ग। यांत्रिकी के मूल नियम, धूर्ण गति, गुरुत्वाकर्षण सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता प्रष्ट तनाव, द्रव की गयानता, रोडरी पम्प।

2. ध्वनि।

अवमंदिन, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग गति, डाप्लर, प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब तापमान और/आर्द्रता का प्रभाव, डोरियां, मिलियां और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुनाद विस्पंद स्थिर तरंगे। ध्वनि का आवृत्ति वेग का तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

3. उष्मा और गतिविज्ञान।

तापमान और उसका मापन : तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा प्रशीत परिवर्तन। विशिष्ट उष्मा और उष्मा कलकक्षा, द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तत्व, बोलमन के वितरण निम्न का भौतिक बोध, पांवरपाल का द्रवस्था समीकरण, सम बाष्पमन, प्रभाव गैसों का द्रवण, उष्मा ईंधन, कार्मोटप्रमेय, उष्मागति विस्तार के नियम और उनका सरल अनु-प्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परिवर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वणिक दोष और उनका विनाशरण। नेत्र और अन्य प्रकाशित यंत्र प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यक्थिकरण।

5. विद्युत और चुम्बकत्व

विद्युत क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के विद्युत और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसिस, चुम्बकीयशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र, मूविंग मेग्नेट एण्ड मूविंग चार्ज्ड गलवेसो मीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिफ्लिक्ट मकिट, एलिमेन्ट के गुण और धर्म और उनका निवारण, ताप विद्युत प्रभाव, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण प्रत्यावर्ती धाराओं का उल्तादन ट्रांसफार्मर और मोटर इलेक्ट्रानिक वाल्व और उनका सरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

धार के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रॉन गैसों द्वारा विद्युत का विसर्जन, कथोडर। रेडियो एक्टिवता, कृत्रिम रेडियो एक्टिवता आइसोटोप विखण्डन और संलयन की प्रारम्भिक धारणा।

#### बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों को बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिये साक्षात्कार के अनतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जायेगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जायेंगे, जैसे ग्रुप परिचर्या, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप, कार्यकमाप तथा उन्हें निविष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहा जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेधा शक्ति की जांच के लिये हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उनके बुद्धिक गुणों की जांच के लिये हैं अपितु इनसे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

## परिशिष्ट II

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये उम्मीदवारों के शारीरिक मानक  
टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार  
शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिये  
जाते हैं।

बहुत से श्रद्धा प्राप्त उम्मीदवार बाव में स्वास्थ्य के आधार पर  
अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में  
सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिये  
आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

1 सेवाअभ्यन्त बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा  
अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या  
प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जोकि  
चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की  
कार्यवाही गोपनीय होती है। जिसे किसी को नहीं दिखाया जायेगा।  
किन्तु अयोग्य अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम  
की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जायेगी तथा उम्मीद-  
वारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी  
बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिये नीचे संक्षिप्त रूप में दिये गये  
निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है :—

(क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना  
चाहिये तथा उन्हें ऐसी बीमारी-अशक्तता से मुक्त होना चाहिये  
जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती  
हो।

(ख) उन में कमजोर शारीरिक गठन वैदिक ढाँचे की स्थूलता नहीं  
होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सें.मी० (नौ सेना के लिए  
157 सें.मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें.मी०)  
का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय  
प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमायूँ के व्यक्तियों का 5 सें.मी०  
कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले  
में न्यूनतम कद में 2 सें.मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा  
सकती है।

कद और वजन में मानक नीचे दिये जाते हैं :—

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
1	2	3	4
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70

1	2	3	4
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसत वजन  $+10\%$  (नौ सेना के  
लिए वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हड्डियों  
वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के  
मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

(घ) छाती भर्त्ता प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस  
लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें.मी० होना चाहिए  
साप इस तरह पीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला  
किनारा सामने सूचक से लगा रहे और पीते का ऊपरी भाग  
पीछे स्कंध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोअर  
एंगल) को छूने रहना चाहिए। छाती का एक-रे करना  
जरूरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई  
रंग तो नहीं है।

(ङ) गरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना  
चाहिए।

(च) उम्मीदवार के संबंध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का  
पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।

(छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से मुन सके। उम्मीदवार को इस  
योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से  
610 सें.मी० की दूरी से जोर की कानाफूँसी मुन सके।  
कर्ण नाभिका कण्ठ की पिछली या घब की बीमारी का कोई  
प्रमाण न हो।

(ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई क्रियात्मक या  
आंत्रिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

(झ) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई  
न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर  
उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ञ) यदि किसी उम्मीदवार को हनिया है और उसकी शल्य  
चिकित्सा न की गई है तो वो उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा।  
यदि हनिया की जटिल चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान  
परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जखम  
पूरी तरह ठीक हो चुका हो।

(ट) हाइड्रोसिल बेरिकोमील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।

(ठ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता  
मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(ड) अर्ध का ऐमा रोग जिस से आशक्तता अथवा विकृति होने की  
सम्भावना है तो उससे उम्मीदवारी अस्वीकृत हो जाएगी।

(ढ) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित  
या ऐनक बिना (नौ सेना तथा वायु सेवा के लिए केवल  
ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया  
3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिमेटेड)  
सहित से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए  
कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आन्तरिक परीक्षा  
ओपथलमोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों  
की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी०

बी०—3 होगा। उम्मीदवारों में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नो सेना हेतु उम्मीदवारों का दृष्टि-स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए:—

दूर दृष्टि	6/6, 6/6 तथा सुधार योग्य 6/9
निकट दृष्टि	एन-5 प्रत्येक आंख
वर्ण दृष्टि	एन० एच० बी० द्वारा बी०पी०—1

मायोपिया 0.75 डायोप्ट्रस से अधिक न हो और हाइपरमेट्रोपिया अच्छी आंख में 1.50 डायोप्ट्रस से तथा बुरी आंख में 2.50 डायोप्ट्रस से अधिक न हो:—

नेत्र-पेशी संतुलन

मेडोक्स रोड टेस्ट के साथ हेट्रोफोरिया निम्नलिखित में बिल्कुल अधिक न हों:—

(i) 6 मीटर पर	—एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	एसीफोरिया	8 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रस
(ii) 30 सें० मीटर पर—	एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	एसीफोरिया	0.6 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	हाइपरफोरिया	प्रिज्म डायोप्ट्रस

(ग) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुश्रती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाले उम्मीदवार स्वीकार्य हैं। जब 32 दांत होते हैं तब कम 22 दांत बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ग) छाती का एक्स-रे परीक्षा में श्रेष्ठ पशुका की उपस्थिति हेतु श्रेष्ठ मेरुवण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरुवण्ड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

2. केवल वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ-साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे:—

(क) वायु सेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है:—

कव . . . 162.5 सें० मी०।

टांग की लम्बाई कम से कम 99 सें० मी० और अधिक से अधिक 120 सें० मी०।

अस्सी की लम्बाई . . . अधिक से अधिक 64 सें० मी०।

बैठकर ऊँचाई . . . कम से कम 81.5 सें० मी० और अधिक से अधिक 96 सें० मी०।

(ख) मेरुवण्ड का एक्स-रे कठिनाई किया जाएगा। एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित शर्तें अनहर्क होंगी:—

(i) मेरुवण्ड का कणिकागुल्मीय रोग

(ii) आर्थ्राइटिस-स्पोन्डिलोमिस

(iii) मंत्र से अपेक्षाकृत अधिक कायफोमिस/सडोसिस रक्तो-लियोमिस फाल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्थि-कृति का कारण बनेगा।

(iv) स्पोन्डिलोमिसिस पैरिस/स्पोन्डिलोमिसिस

(v) हर्निएटड-न्यूक्लियस पलपोसस

(vi) कशेरुका का सम्पीडन अस्थिरता

(vii) श्वेयर मेन का रोग

(viii) प्रदर्शनीय तंत्रिकीय या परिवारिक अभाव के साथ श्रेष्ठ पशुका।

(ix) कोई अन्य अपसामान्यता जिसे कोई विशेषक ऐसा ठहराए।

(ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(घ) दृष्टि

दूर की दृष्टि . . . 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9

पास की दृष्टि . . . प्रत्येक आंख की एम० 5

वर्ण दृष्टि . . . बी० सी०—1 (एम० आई० एच०)

मेनोफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया—2.00 डी० सी० से अधिक न हो।

नेत्र-पेशी संतुलन

मेडोक्स रोड टेस्ट के साथ हेट्रोफोरिया निम्नलिखित में अधिक न हो:—

(i) 6 मीटर पर	एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रस
(ii) 30 सें० मी० पर	एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रस
	मायोपिया, कुछ नहीं	
	एस्टिमेटेडजम +	
	0.75 की केवल	

द्विनेत्री दृष्टि—अच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है। फ्यूजम तथा स्टैबिलिस तथा साथ में अच्छा प्रायोग्य व गहनता।

(ङ) मानक:

(i) वाकमरीक्षण: प्रत्येक कान से 610 से० मी० से काना फूली मुनाई वे।

(ii) पथ्यतामिति: 250 एच० एस० तथा 4000 एच० जेड० के बीच की आवृत्तियों में व्यथित कम 10 डी० बी० से अधिक नहीं।

(च) कटीन डी० सी० जी० तथा डी० डी० जी० सामान्य सीमा में हो।

3. नौसैनिक विमानन शाखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वही होंगे जो वायुसेना के उड़ान ड्यूटी हेतु उम्मीदवार के हैं।

4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी अक्षमता का पता चलता है तो मेडिकल बोर्ड द्वारा अनहर्क ठहराए जाने की स्थिति में यह अक्षमता उम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाओं) के लिए भी प्रयोग्य ठहरा सकती है।

### परिशिष्ट-III

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं:—

भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए:—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व:—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्वरूप यदि कोई चोट लग जाए ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सैनिकल आपरेशन या संवेचना-हरण दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अक्षमता

आ जान या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके धर्म उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

- (ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापिस आता चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र और किए गए व्यय तथा किए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उसकी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापिस करनी होगी।

2. अंतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेंटलमैन कैडेट" के रूप में दर्ज किये जायेंगे। "जेंटलमैन कैडेट" पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि आशय, पुस्तक, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी, लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बढ़ावा करेंगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 90.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है) यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जाती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियां और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा। यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित भारतीय सेना अकादमी वेल्हाराउन के कमांडेंट को अवैधित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेंट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी—

(क) प्रतिमास रु० 90.00 के हिसाब से 5 महीने का जेब खर्च	450.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	1500.00
योग	1950.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी :—

90.00 रु० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	450.00
---	--------

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

- (1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि

के दौरान दी जाती है, बशर्ते कि उनकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

- (2) कर्नल कैडल फ्रैंक मेमोरियल छात्रवृत्ति—इस छात्रवृत्ति की राशि 360—रुपए प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अनिर्दिष्ट होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिए सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को मौप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह :—

- (क) कैडेट को कमीशन दे दिये जाने पर दे दी जाएगी।

- (ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए, तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दी जाती चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता अभिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिसे जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को अपनी रेजिमेंट या कार में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही किया जाएगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते पेंशन और छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

### (1) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को "जेंटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इंग्लैंड के उप-यूनियनों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को सैनिटरी लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एम० एच० ए० पी० ई० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

## 11. सेवा की शर्तें

## (i) वेतन

रैंक	वेतनमान
सेकिन्ड लेफ्टिनेंट	750-790
लेफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (वेतन का अग्रिम)	1800-50-1900
लेफ्टिनेंट कर्नल (अग्रिम द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्नल (अग्रिम ग्रेड वेतन)	2000-50-2100
लेफ्टिनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2210-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्टिनेंट जनरल (आर्मी कमान्डर)	3250 प्रतिमास

## (2) योग्यता, वेतन और अनुदान

लेफ्टिनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000 रु० के एक मुश्त अनुदान के हकदार हैं। उद्भान प्रशिक्षक (वर्ग "ख") रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

## 3. भत्ते

वेतन के अनिवार्य अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- (क) निर्विवाद राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिये जाते हैं।
- (ख) 75 रु० प्रति मास की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) निर्वासन भत्ता भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है इसके भुगतान की दूरें उपर्युक्त विदेश भर्तों की संगत एकन की दर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत राशि तक असंग-अलग है।
- (घ) विपुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार रहित नहीं रखा जा सकता है, तब अफसर 140/- रु० प्रतिशत की दर से विपुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (ङ) सज्जा भत्ता :—प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 2100 है प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 रु० नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।
- (च) थल सेना में ब्रिगेडियर के स्तर तक मूकन राशन दिया जाता है।

## 4. तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं :—

## पदोन्नति

## (क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान से	
लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	5 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	11 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट कर्नल (अग्रिम द्वारा)	21 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

## (ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्रिया उपलब्ध हों—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेंट कर्नल	6½ वर्ष
कर्नल	8½ वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	26 वर्ष

## (ख) नौसेना अकादमी, कोचीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना कार्यकारी शाखा से कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिस उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र नहीं दिया हो :—

(1) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जेब खर्च	225.00 रु०
(2) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	460.00 रु०
जोड़	685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र दिया हो :—

(1) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिए जेब खर्च	90.00 रु०
(2) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	460.00 रु०
जोड़	550.00 रु०

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का मौकाएं प्रशिक्षण 1 वर्ष

- (ख) मिडशिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण 8 मास  
(ग) कार्यकारी सब-लेफ्टिनेंट तकनीकी कोर्स 12 मास  
(घ) सब-लेफ्टिनेंट

उपयुक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौकहन निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण-पत्र लेने के लिए भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

- (II) नौसेना अकादमी में कैडेटों के लिए शिक्षण, आवास और संबंध सेवाओं, पुस्तकों, खर्ची, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 500 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सकने हों तो सरकार कैडेट के लिए 55 रु० प्रति मास विस्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। विस्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुमति के साथ निदेशक, कामिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा। यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या अश्विन नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपयुक्त विस्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 600 रु० से अधिक न हो।

- (iii) बाव का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें कार्यकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनसे पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपयुक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की मिलने वाली विस्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

- (iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने उनकी एकसूत्रता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। विस्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े भी खरीदने होंगे।

- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या प्रमोटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जाती हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उन के मूल रैंक का वेतन और भत्ते सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों का मिलने वाली विस्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपयुक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

- (vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा

जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से वापिस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा, या मूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा वह परवर्ती कोर्स में बुबारा दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कठणाजन्म कारणों के आधार पर त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणाबगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को :

- (क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र या आश्रित का प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किए गए आप्रेशन से या आप्रेशन के दौरान मृच्छिण करने की औपचरिक प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के बखे या सरकार के अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

- (ख) इस आशय के बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके निर्विषय के अधीन हों, यदि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने में पड़ने वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते जो कैडेटों में प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

### 3 वेतन तथा भत्ते

#### (क) वेतन

रैंक	वेतनमान	सामान्य सेवा
1	2	
मिडशिपमैन	रु० 560.00	
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट	रु० 750.00	
सब-लेफ्टिनेंट	रु० 830.00--870.00	
लेफ्टिनेंट	रु० 1100.00--1450.00	
लेफ्टिनेंट कमांडर	रु० 1450.00--1800.00	
लेफ्टिनेंट कमांडर (चयन ग्रेड वेतन)	रु० 1900.00--1900.00	
कमांडर (चयन द्वारा)	रु० 1750.00--1950.00	
कमांडर (नगर वेतन द्वारा)	रु० 1900.00 निरत	
कमांडर (चयन ग्रेड वेतन)	रु० 2000.00--2100.00	
कैप्टन	रु० 1950.00--2400.00	
	(क) मोडोर वह वेतन लेता है जिसका वह कैप्टन के रूप में बरिष्ठता के अनुसार हकदार है)	
प्रियर एडमिरल	रु० 2500.00--125.00/2-2750.00	
वाइस एडमिरल	रु० 3000.00	
वाइस एडमिरल (वी० पी० ए० ए०/ए० ए० सी०-इन-सी०)	रु० 3250.00	
एडमिरल	रु० 4000.00	

(ख) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलने हैं :—

- (i) विविन्नियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू बरों और भत्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता और घरनरिम सहायता मिलती है।
- (ii) 75/- रु० प्रतिमास की दर से फिट अचरक्षण भत्ता (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- (iv) 140/- रु० प्रतिमास के हिसाब से इन अफसरों को क्षेत्र नियुक्ति भत्ता मिलेगा :—
  - (क) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
  - (ख) जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जिनकी अवधि के लिए वे क्षेत्र पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) (क) परिसज्जा भत्ता : प्रारम्भिक परिसज्जा भत्ता 2400/- रु० है।
  - (ख) वास्तविक सेवा के प्रति मास वर्ष बाद, नवीकरण परिसज्जा भत्ता रु० 2100/- है।
- (vi) नौसेना में कमोडोर (भारतीय नौसेना) के स्तर तक सुपत राशन दिया जाता है।
- (vii) नियुक्ति भत्ता (शान्ति) :

रियर एडमिरल और उससे ऊपर के पद के अधिकारियों को जब परिवार आवास के उपलब्ध न होने के कारण मेसों में रहने के विवेकाध्य किया जाता है तो वे परिवार आवास के अवैतन होने तथा नर स्टेशन पर ड्यूटी पर आने की तारीख से रु० 200/- प्र० मा० बिगुक्ति भत्ता (शान्ति) प्राप्त करने के हकदार होंगे यह भत्ता केवल उन्हीं क्षेत्रों के लिए देय होगा जहाँ ऐसे अधिकारी क्षेत्र सेवायें छूट के रूप में निशुल्क राशन पाने के हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी 1 :—उपयुक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी/लेफ्ट वेतन, पनाइंग वेतन सर्वेक्षण, आनुतोषिक/सहता वेतन/अनुदान तकनीकी वेतन गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं अर्पित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर बड़े हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

#### 4. पबोअति

- (क) समय वेतनमान द्वारा मिश्रशिपमेंट से
 

एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट तक	1/2 वर्ष
एक्टिंग सब-लेफ्टि० से सब-लेफ्टिनेंट तक	1 वर्ष
सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट तक	एक्टिंग और स्थायी सब-लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के लाभ/नमपहरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमोडोर तक लेफ्टिनेंट के रूप में 3 वर्ष की वरिष्ठता

लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक 24 वर्ष की संपी कमीशन प्राप्त सेवा

- (ख) चयन द्वारा लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक लेफ्टिनेंट कमोडोर के रूप में 2-3 वर्ष की वरिष्ठता
- कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता
- कैप्टन से रियर एडमिरल और उनसे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिवर्ष नहीं

#### 5. तैनाती :

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणी :—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली 110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए।

1. हमने पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास में भर्ती हो :—

(क) उसे इस आशय से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भक्तीभानि समझता है कि उसे या उसके दादा वारिसों को सरकार से सुप्रावजा या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई छोट या शारीरिक दुर्घटना हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से छोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्च्छित करने की औपधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने के पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करने हुए शादी कर ले तो शिक्षा, आना, बस्त्र और वेतन तथा भत्ता जो उसने प्राप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेवार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जायेंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "मैना अधिनियम" के अंतर्गत जेंटलमैन कैडेट के रूप में नामांकित किया जायगा। सामान्य अनुशासन की दृष्टि से या जेंटलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्दी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल हैं सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जैब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 90.00 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की सम्भावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैर-सपाटा इत्यादि का शौक रखता हो तो उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप से वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता पिता/अभिभावक की आय 500 रु० प्रतिमास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 90.00 रु० प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त

करने का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमांडेंट अफसर, ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अन्तिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चने गए उम्मीदवारों को वहाँ पहुँचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी :—

(क) 90.00 रु० प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जैब खर्च	900.00 रुपये
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये	500.00 रुपये
योग	1400.00 रुपये

यदि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जायगी।

5. समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते में खरीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजों कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणार्थी अवधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकास दिया जाए या कमीशन में पूर्ण वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को धृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्याग-पत्र देने वाले जेण्टलमैन कैडेटों को बल सेना में मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च बसूल किया जायेगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बाँट भरना होगा।

7. जिस जेण्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को उनकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ता, पेंशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी :—

#### 9. प्रशिक्षण :

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेण्टलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त जेण्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सैक्रेण्ट लेफ्टिनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

#### 10. सेवा की शर्तें

##### (क) परिबीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिबीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिबीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन प्राप्ति करने के अनुरोध किया गया तथा उनकी परिबीक्षा अवधि के

समाप्त होने से पूर्व या उस के बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

##### (ख) सेनागी

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर सेवानिवृत्त किया जा सकता है।

##### (ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित बल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जायेगा जो अफसर सेना में पाँच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पाल तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अन्तिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किये जाने पर विचार किया जाएगा जो पाँच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किये जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएँगे उन्हें पाँच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

##### (घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैक्रेण्ट लेफ्टिनेंट और लैफ्टिनेंट के वेतन की दर इस प्रकार है :—

सैक्रेण्ट लेफ्टिनेंट—750—790 रु० प्रति मास

लैफ्टिनेंट—830—950 रु० प्रति मास

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

##### (ङ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली सेना के अध्याय पाँच में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने से पूर्व नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के उम्मीदवार को उनकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

##### (च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पाँच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है :—

- (i) अपचार करने या संतोषजनक रूप से सेवा न करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर; या
- (iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता न होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की कठिनाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। कठिनाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त करने पर कोई अफसर सेवागत उपदान पाने का पालन नहीं होगा।

##### (छ) पेंशन लाभ :

(I) ये सभी विचाराधीन हैं।

(II) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 का सेवागत उपदान पाने के हकदार होंगे।



## (ज) रिजर्व में रहने का वायित्व :

5 वर्ष की ग्रहणकालिक सेवा कर्मस्थान सेवा या बड़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आय तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

## (झ) विविध --

सेवा सम्बन्धी अन्य सभी शर्तें तब तक उनका उपयुक्त उपवर्धों के साथ भेद नहीं होता है वही होंगी जो नियमित श्रमिकों के लिए लागू हैं।

## 3. वायु सेना प्रकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए --

## 1. चयन :

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डाइरेक्ट एंट्री और एन० सी० सी० वायु सेना स्कंध वर्ग प्रभाग के माध्यम से।

(क) डाइरेक्ट एंट्री -- प्रायोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है। ये परीक्षाएँ एक वर्ष में सामान्यतः दो बार मई और नवम्बर में की जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।

(ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश -- राष्ट्रीय कौडेट कोर महाविदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदन-पत्रों को आमंत्रित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिए वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना -- वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशासनित उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डाइरेक्ट एंट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता सूची अलग से तैयार की जाती है। डाइरेक्ट-एंट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता-सूची सं० लो० से० प्रा० द्वारा लिखित परीक्षा में उम्मीदवारों के प्राप्तियों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कौडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण : वायु सेना अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होती है।

उड़ान प्रशिक्षण के दौरान बीमा सुरक्षा : वायु सेना ग्रुप बीमा सोसाइटी दुर्घटना की स्थिति में इस फ्लाइंट कौडेट के निकटतम संबंधी को 35,000/- रुपए अनुग्रह राशि के रूप में अदा करेगी जो मिश्रित क्षेत्र से आया हो और उड़ान प्रशिक्षण पार रहा हो। उड़ान प्रशिक्षण पार रहा कोई फ्लाइंट कौडेट यदि स्वास्थ्य की दृष्टि से अक्षम हो जाता है और प्रशिक्षण मुक्त कर दिया जाता है तो उसे शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए 25,000/- रुपए अनुग्रह राशि के रूप में अदा किए जायेंगे तथा वह यह राशि इसी अनुपात में बटकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार द्वारा फ्लाइंट कौडेट को एक बार वेतन तथा भत्ते स्वीकृत कर लिए जाने पर मृत्यु सुरक्षा 50,000 रुपए होगी और शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए अक्षमता सुरक्षा 25,000 रुपए होगी। वायु सेना ग्रुप बीमा सोसाइटी द्वारा यह सुरक्षा उड़ान प्रशिक्षण पार रहे प्रत्येक फ्लाइंट कौडेट द्वारा 76 रुपए के मासिक अग्रिमोद अंशदान का भुगतान करने पर दी जाएगी जिसके लिए सदस्यता अनिवार्य होगी।

## वित्तीय सहायता पर लागू होने वाली शर्तें --

(1) यद्यपि जगह, पुस्तक, वर्दी, ठहराने और चिपिन्मा उपचार महिर्ग, प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तो भी उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे अपना जेब खर्च स्वयं वहन करें। वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम 90 से रुपए अधिक खर्च होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कौडेट के अभिभावक या संरक्षक उस खर्च को भी पूर्ण रूप या आंशिक रूप में वहन करने में प्रसमर्थ तो उसे सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिस कौडेट के अभिभावक या संरक्षक की मासिक आय 500 रुपए या इससे अधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का पात्र नहीं होगा। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्ति तथा अन्य परिलब्धियों और गरीब स्रोतों में होने वाली आय को भी ध्यान में रखा जाता है। वित्तीय सहायता प्राप्त करने के दृष्टिकोण उम्मीदवार के अभिभावक/संरक्षक को अपने पुत्र/पुत्री के वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद अपना आवेदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश उस आवेदन को अपनी अनु-गणना सहित कमांडेंट, वायु सेना प्रशासनिक कालिज, रेड फील्ड्स, कोयम्बर टूर को अग्रेषित कर देगा।

(2) वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को अपने पर निम्नलिखित रकम कमांडेंट के पास जमा करनी है :-

(क) 90 रुपए प्रतिमास की दर से 5 मास के लिए जेब भत्ता	450 रुपए
(ख) वस्त्र और उपकरण भत्तों के लिए	325 रुपए
योग	975 रुपए

उपरोक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कौडेट की वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने की स्थिति में आपस देय है :

90 रुपए प्रति मास की दर से 5 मास के लिए जेब भत्ता	450 रुपए
---	----------

4. भविष्य में पदोन्नति की संभावनाएं -- प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार को पाइलट ऑफसर का रैंक दिया जाता है और वे उसी रैंक के वेतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग रु० 245/- प्रति माह मिलते हैं। जिसमें उड़ान वेतन रु० 750/- प्रतिमाह भी सम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएं अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके। प्रत्येक उच्च रैंक के लिए प्रतिरिक्त परिषदियों निर्धारित है। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक की उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्वेड्डन सीडर और विंग कमांडर के रैंक में समय वेतन मान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और इससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विविध गठित पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। पदोन्नति के लिए अग्रिमोद अंशदान के अछे अवसर होते हैं।

वेतन तथा भत्ते :-

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	रु०
पाइलट अफसर	825--865
फ्लाइट अफसर	910--1030
फ्लाइट लेफ्टनेन्ट	1150--1550
स्क्वेड्रन लीडर	1450--1800
विंग कमांडर	1550--1950
ग्रुप कैप्टन	1950--2175
एयर कमांडोर	2200--2400
एयर वाइस मार्शल	2550-2750
एयर मार्शल	3000

मंजूराई तथा प्रतिकर भत्ते :- अधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शर्तों के अन्तर्गत की गई दरों पर मिलते हैं :-

फिट अनुसंधान भत्ता :- रु. 75/- प्रति माह, उड़ान बन्धन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं :-

विंग कमांडर और उससे नीचे	रु० 750.00 प्रतिमाह
ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडोर	रु० 666.00 प्रतिमाह
एयर वाइस मार्शल और उससे उपर	रु० 600.00 प्रतिमाह

योग्यता वेतन :- कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर रु० 70/- और 100 रु० है और अनुदान रु० 6000/-, रु. 4500/-, रु. 2400/- और रु० 1600/- है।

प्रवास भत्ता :- जहाँ वायुसेना अधिकारियों की टुकड़ियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव, प्रथम सचिव कन्सुलर को दिए जाने वाले विदेश भत्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारितरंक के अनुसार) प्रवास भत्ता देय होता है।

विवेकित भत्ता :- ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति युनिट में होती है। और परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान जहाँ अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें रु० 140/- प्रतिमाह की दर से विवेकित भत्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता :- वर्षी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारियों को अवश्य रखनी पड़ती है उनके मूल्य के बढ़ने में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता रु० 2100/- है (समय-ममय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर साल के बाद रु० 1800/- दिए जाएंगे। कैम्पकिट कमीशन प्रदान करते समय मुफ्त दी जाती है।

वायु सेना में एयर कमांडोर के स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

#### 6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश	वर्ष में 60 दिन
आकस्मिक अवकाश	वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आकस्मिक अवकाश लेगे वे तथा उनके परिवार के सबस्य मुफ्त सवारी के

हकदार होंगे। बाहे अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हों। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के अन्तर्गत में एक बार अधिकारी अपने ह्यूटी स्थान (यूनिट) से घर तक अपने के लिए निःशुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 1450 कि० मी० के रास्ते के लिए अपने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान ह्यूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर अपने, पत्नी तथा आश्रित बच्चों के वास्ते प्रत्येक और से 1450 कि० मी० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने घर से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे कलेण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जायेगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माता-पिता, बहन और तानाबान भाई शामिल होंगे।

#### 7. पेंशन लाभ :-

सेवा निवृत्ति के समय रैंक (स्थायी)	अर्हक सेवा की न्यूनतम अवधि	निवृत्ति पेंशन की मात्रक	व्यक्तिगत पेंशन
		रु० प्रतिमाह	रु० प्रतिमाह
पाइलट अफसर/फ्लाइट अफसर	20 वर्ष	950.00	100.00
पाइलट लेफ्टनेन्ट	20 वर्ष	1200.00	75.00
स्क्वेड्रन लीडर	22 वर्ष	1400.00	--
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	26 वर्ष	1525.00	--
विंग कमांडर (प्लैकिटव)	24 वर्ष	1575.00	--
ग्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1850.00	--
एयर कमांडोर	28 वर्ष	2025.00	--
एयर वाइस मार्शल	30 वर्ष	2275.00	--
एयर मार्शल	30 वर्ष	2400.00	--
एयर मार्शल बी० डी० ए० ए० और ए० बी० ए० सी० इक्व्री	30 वर्ष	2500.00	--
एयर चीफ मार्शल	30 वर्ष	2825.00	--

#### 8. सेवा निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विवक्षा पर सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है :

(क) 10 वर्ष की सेवा के लिए रु० 12,000/- जिसमें से पिछले रैंक के डेढ़ महीने के वेतन घटाकर।

(ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए रु० 1300/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि की अर्हक सेवा के लिए कुल परिलब्धियों के बीधाई के बराबर मुश्किल और सेवा-निवृत्ति उपदान देय है जो कि परिलब्धियों का 1 1/2 भाग होगा और रु० 50,000 से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे :—

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का वेतन;
- (ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु तथा पाँच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए छः महीने का वेतन; और
- (ग) पाँच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

विकलांगता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता-पिता, बहिन तथा भाई) की विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

#### 9. अन्य सुविधाएँ

अधिकारी तथा उनके परिवार निःशुल्क चिकित्सा सहायता, विद्यावर्ती घर पर आवास, ग्रुप बीमा योजना, ग्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कौटीय सुविधाओं आदि के हकदार हैं।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 8th September 1986

No. A. 32013/2/86-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on *ad-hoc* basis for the period shown against each or until further orders, whichever is earlier under the powers vested in him *vide* Regulation '7' of U.P.S.C. (Staff) Regulations, 1958.

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	B. N. Arora	3-9-86 to 24-11-86
2.	B. D. Sharma	3-9-86 to 24-11-86
3.	D. R. Madan	3-9-86 to 24-11-86
4.	Dhanish Chandra	3-9-86 to 24-11-86
5.	S. D. Sharma	25-8-86 to 24-11-86
6.	P. D. Srivastava	25-8-86 to 24-11-86

M. P. JAIN  
Under Secy. (Per. Admn.)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF PERS. &amp; TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERS. &amp; TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 7th October 1986

No. S-20/65-AD.V.—Shri S. C. Angrish, Additional Legal Adviser/CBI relinquished the charge of his office in the afternoon of 30th September, 86 on superannuation.

D. P. BHALLA  
Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 30th September 1986

No. O.II-143/69-Estt.—The President is pleased to appoint Shri C. M. Pandey, Addl. DIGP of CRPF to the rank of Deputy Inspector General of Police, in CRPF on provisional basis till further orders.

2. Shri Pandey took over charge of DIGP, CRPF, Kohima on 30-8-86 (FN).

No. O.II-2252/86-Estt-I.—The President is pleased to appoint Dr. Bhupendra Kumar Mehta as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the afternoon of 2nd September, 1986 till further orders.

No. O.II.2253/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Vivek Kumar as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in the temporary capacity with effect from the forenoon of 4th September, 1986 till further orders.

The 6th October 1986

No. D.I.56/85-Estt-I.—The services of Shri K. K. Mehta, 2-I/C/Asstt. Commandant, 65 Bn., CRPF are placed at the

disposal of the Export Inspection Agency, New Delhi (Ministry of Commerce) on deputation basis with effect from 16-9-86 AN.

The 7th October 1986

No. D.I.43/85-Estt-I.—The services of Shri P. S. Sahrawat, Assistant Commandant, Group Centre, CRPF, Imphal are placed at the disposal of I.B. (MHA), Govt. of India, New Delhi on deputation basis with effect from 27th June, 1986 (FN).

M. ASHOK RAJ  
Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 30th September 1986

No. 7(66)/5174.—In continuation to this Office Notification No. 7(66)8850 dated 6-2-1986, the *ad-hoc* appointment of Shri C. P. Bhatia as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended for further period from 1-8-1986 to 31-1-1987 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 9th October 1986

No. Admn.I.O.O. No. 174.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri G. C. Tuli, a Permanent Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st October, 1986. His date of birth is 22nd October, 1928.

M. L. KHURANA  
Dy. Director of Audit (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE C. G. D. A.

New Delhi-110 066, the 30th September 1986

No. AN/II/2158-86.—Shri S. Q. Hussain, Pt. Section Officer (Accounts) who was promoted to the Officiating Accounts Officer's Grade with effect from 21-2-81 (FN) was reverted to the grade of Pt. Section Officer w.e.f. 8-4-85 (AN) due to his unsatisfactory performance during probation.

R. B. KAPOOR  
Addl. C.G.D.A. (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

Calcutta-700 001, the 3rd October 1986

Sub:—RETIREMENT

No. 8/86/A/E-1(NG).—On attaining the age of Superannuation, Shri Hari Prasanna Chakraborty, offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Upper Division Clerk), retired from service with effect from 30-9-86 (A.N.).

2. Shri Chakraborty has been transferred to the Pension Establishment with effect from the same date.

S. DASGUPTA  
Dy. Director General/Admn.  
For Director General, Ordnance Factories

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION : A-6)

New Delhi-110 001, the 23rd September 1986

No. A-6 247(31).—Shri T. K. Banerjee, permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Engineering Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta under Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 31st August, 1986 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAIKH  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies and Disposals

## ISPAT AUR KHAN MANTRAJAYA (KHAN VIBHAG)

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st October 1986

No. 6634B/A-19012(2-AKS)/85-19B.—Shri Ashok Kumar Sikdar is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI in the minimum of pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-9-86, until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th August 1986

No. A-19011(242)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Dipankar Nag, Officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th August, 1986, until further orders.

The 9th September 1986

No. A-19011(79)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri M. R. Ruikar, Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Superintending Officer (Ore Dressing) the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 25-8-1986 (F/N).

The 9th October 1986

No. A-19011(154)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri S. K. Ghosh, Deputy Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Ore Dressing Officer in the Pay scale of Rs. 1300-50-1700/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the afternoon 25th August, 1986.

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

## DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi-110 001, the 19th September 1986

No. 6/61/86-S II.—Consequent on his transfer from CCW, All India Radio, New Delhi on promotion, Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri R. P. Sharma as 17—306 GI/86

Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Rajkot but officiating at Delhi i.e. a place away from the Headquarters upto 31-10-1986 with effect from 4-9-1986 (FN).

B. S. SANDHU  
Dy. Director of Administration  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1986

No. 28/12/85-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Farm Radio Reporters to the post of Farm Radio Officer in a temporary capacity on regular basis in the Scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each until further orders :—

S. No.	Name	Station Where Posted as Farm Radio Officer	Date of Appointment as Farm Radio Officer
1.	Shri A. N. Biswas	All India Radio, Kurseong.	23-7-86
2.	Shri Ningshing Rayson	All India Radio, Imphal.	25-8-86

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Admn.  
for Director General

New Delhi-1, the 9th October 1986

No. 4(72)/80-SI.—Shri A. Krishnamurthy, Programme Executive, All India Radio, Bangalore resigned from Government service with effect from 10th July, 1986.

I. L. BHATIA  
Dy. Director of Administration (W.I.)  
for Director General

## MINISTRY OF AGRICULTURE

### (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

### DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 3rd October 1986

No. 7-23/77-Adm.I.—On attaining the age of superannuation Shri H. R. Gauba, Assistant Entomologist (Group 'B' Gazetted) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage relinquished the charge of the post of Assistant Entomologist in the afternoon of 30th September, 1986.

R. L. RAJAK  
Plant Protection Adviser  
to the Government of India

Faridabad, the 7th October 1986

F. No. 7-15/86-Adm. I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri Kulsuman Singh Kapoor to the post of Surveillance Officer (Gr. 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-9-1986 (FN) in a temporary capacity at Central Surveillance Station, Baramulla

(J&K) under the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, until further orders.

S. P. KUTAR  
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 12th September 1986

No. NFC/PAR/0703/1699.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/1527 dated August 9, 1986, the appointment of Shri J. Survanarayana Rao, Assistant Accounts Officer as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 on adhoc basis is extended up to 1-10-1986 or until further orders, whichever is earlier.

The 4th October 1986

No. NFC/PAR/0704/1800.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/1672 dated September 10, 1986, the appointment of Shri N. S. Ajai Kumar, Steno Grade III as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis is extended up to 29-10-1986 or until further orders whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0704/1801.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/1651 dated September 1, 1986, the appointment of Shri A. Pappachan, Assistant Accountant as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis is extended up to 29-10-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH  
Manager, Personnel & Admin.

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323 303, the 7th October 1986

No. RAPS/Rect/2(17)/86/S/792.—The Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station is pleased to appoint Smt. P. Henry a permanent Assistant Matron in RAPS as Matron (650-1200) in Rajasthan Atomic Power Station in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-9-1984 until further orders.

R. K. CHOPRA  
Assistant Personnel Officer (R)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 3rd October 1986

No. Ref : 05012/R7/OP/4172.—Chief Executive Heavy Water Projects, appoints Shri Revana Doraiswamy, Assistant Security Officer, Heavy Water Project (Manugur) to officiate as Security Officer in the same project w.e.f. May 9, 1986 (FN) to June 12, 1986 (AN) vice Shri V. K. Hiremath, Security Officer, granted leave.

SMT. K. P. KAIYANIKUTTY  
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE  
ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 017, the 29th September 1986

No. 020/1 (15.1)/86-Est-I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of

the Department of Space on a temporary basis and until further orders :—

Sl. No.	Name	Designation	Date
1.	Kum. Revati Kadekar	Scientist/Engineer 'SB'	June 16, 1986
2.	Shri Muralcodhan. T.M.	Scientist/Engineer 'SB'	April 01, 1986
3.	Shri Ratish Rao B.	Scientist/Engineer 'SB'	March 20, 1986
4.	Shri R. Sunil	Scientist/Engineer 'SB'	June 30, 1986
5.	Shri P. Swameesha R. Aithal	Scientist/Engineer 'SB'	June 30, 1986
6.	Shri K.G. Manjunath	Scientist/Engineer 'SB'	May, 20, 1986
7.	Shri Prasanna Venkatesh. H.N.	Scientist/Engineer 'SB'	June 02, 1986

H. S. RAMADAS  
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 30th September 1986

No. A-12025/1/84-ES.—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri G. Thamarai Selvan to officiate as Airworthiness Officer in the Scale of Rs. 700-1300 with effect from 9-9-1986 (FN) until further orders.

Shri G. Thamarai Selvan is posted in the Office of the Director of Airworthiness, Calcutta.

M. BHATTACHARJEE  
Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 7th October 1986

No. 16/452/86-Ests-I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Smt. Neena Chauhan Research Assistant Grade I, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun as Research Officer under Indo-Danish Project, Hyderabad under the Forest Research Institute & Colleges from the forenoon of 8th September, 1986, in a temporary capacity until further orders.

J. N. SAXENA  
Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND  
CUSTOMS

Bombay-400 020, the 7th October 1986

F. No. II/3E(a)2/77 Pt.III.—Shri N. J. Shah, Superintendent, Central Excise Group 'B' in Bombay-I Central Excise Collectorate has voluntarily retired on 1-9-86.

F. No. II/3E(a)2/77 Pt. III.—The following Selection Grade Inspectors of Central Excise have on their promotion assumed charge as officiate Superintendent's Central Excise, Group

'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-I with effect from the dates shown against their names.

Sr. No.	Name	Date of assumption of charge.
1.	Shri Vijay Dutt.	28-8-86 (AN)
2.	Shri V.M. Pol	29-8-86 (FN)
3.	Shri R.M. Shringarpure	29-8-86 (FN)
4.	Shri K.V. Rane	5-9-86 (AN)

A. M. SINHA  
Collector

Coimbatore, the 29th August 1986

C. No. II/3/74/85-Estt.—The following Inspectors of Central Excise have been promoted to the grade of Superintendents of Central Excise (Group 'B') (Scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200) and posted in this Collectorate with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. No.	Name	Date of Appointment as Supdt. (Gr. 'B')
1.	Shri M. Jayaraman	5-5-876 (FN)
2.	Smt. K.P. Parvathy	6-6-86 (FN)
3.	Shri S. Ramamurthy	18-8-86 (FN)
4.	Shri K.A. Figredo	9-7-86 (FN)
5.	Shri H. Gnansraj	19-8-86 (FN)

G. V. NAIK  
Dy. Collector (P&E)  
for Collector

Indore, the 7th October 1986

No. 11/86 A—Consequent upon their promotion as Superintendent, Central Excise Gr. 'B' the following Inspectors of C.Ex. have assumed their charges as Superintendent, C.Ex. Group 'B' with effect from the dates as shown against each:—

Sl. No.	Name of the officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	C. R. Jambhulkar	Supdt. C. Ex. (Statistics) Hqrs. Office, Indore.	1-9-86 (FN)
2.	B. P. Tiwari	Suptd. C. Ex. Rajnandgaon.	2-9-86 (AN)
3.	R. K. Mishra	Supdt. C. Ex. Range-I, Nagda.	24-9-86 (AN)

S. V. RAMAKRISHNAN  
Collector

Vadodara, the 24th September 1986

No. 24/86.—Shri B. L. Bhatt, Sr. Superintendent (Gr. 'A') of Central Excise & Customs, Hdqrs. Office, Tech. Section, Vadodara on attaining the age of 58 years on 8-9-86 will be retiring on superannuation in the afternoon of 30-9-86.

No. 25/86.—Shri R. M. Trivedi, Administrative Officer (Gr. 'B') of Central Excise & Customs, Division-II, Vadodara on attaining the age of 58 years on 17-9-86 will be retiring on Superannuation in the afternoon of 30-9-86.

No. 26/86.—Shri D. D. Lad, Administrative Officer, (Gr. 'B') of Central Excise & Customs, Bulsar on attaining the age of 58 years on 29-9-86 will be retiring on superannuation in the afternoon of 30-9-86.

SMT. VARALAKSHMI RAJMANICKAM  
Collector of Central Excise & Customs

#### DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 30th September 1986

No. A-12026/2/86-Adm.B.—The President is pleased to appoint Shri G. George Paracken, a permanent Section Officer of the CSS as Assistant Director of Estates (Litigation) with effect from the forenoon of 12th Sept. 1986 until further orders vice Shri T. K. Gudoo who relinquished charge of his office with effect from the afternoon of 13-8-86.

LACHHMAN DASS  
Dy. Director of Estates (Estt.)

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Dhupsons Rubber Industries Private Limited, Raipur*

Gwalior-474009, the 6th October 1986

No. 2488/PS/CP/1985.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/S DHUPSONS RUBBER INDUSTRIES PRIVATE LIMITED, RAIPUR has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Shree Bansidhar Transport Company Private Limited, Bilaspur*

Gwalior-474009, the 10th October 1986

No. 695/PS/CP/2062.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shree Bansidhar Transport Company Private Limited, Bilaspur has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Ceat Constructions Co. Ltd.*

Bombay-400 002, the 8th October 1986

No. 718/31206/560/3.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ceat Constructions Co. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Allwin Holdings & Engineers Limited*

Bombay-400002, the 8th October 1986

No. 717/31116/560/2.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Allwin Holdings & Engineers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE  
Addl. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
NARAYANI NILAYAM  
WARRIAM ROAD, COCHIN

Cochin-662 016, the 22nd September 1986

Ref. No. L.C. 803/86-87.—Whereas, I,  
H. V. UPADHYAY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Sv. No. as per schedule situated at Wynad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at Kalpett  
on 24-2-1986  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd.,  
Alleppey by its Directors,  
S/S. R. Subramaniam and K. C. Eapen.  
(Transferor)

(2) Mr. M. Meyyappan (Jr.)  
106/Santhome High Road,  
Madras-600 028.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2.5th share of 323.25 acres of land with plantations and  
structures as detailed in Document No. 619 of Sub Registry  
Office, Kalpetta dated 6-2-1986 registered on 24-2-1986.

H. V. UPADHYAY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ernakulam

Date : 22-9-1986  
Seal :



## FORM ITNS-

(1) M/s. Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd.,  
Alleppey by its Directors,  
S/S. R. Subramaniam and K. C. Eapen.  
(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshy Meyyappan,  
W/o. M. Meyyappan,  
106/Santhome High Road,  
Madras-600 028,  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
NARAYANI NILAYAM  
WARRIAM ROAD, COCHIN

Cochin-662 016, the 22nd September 1986

Ref. No. I.C. 801/86-87.—Whereas, I,  
H. V. UPADHYAY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Sv. No. as per schedule situated at Wynad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (1  
of 1908) in the office of the registering officer at Kuleptta  
on 24-2-1986  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 5th share of 323.25 acres of land with plantations and  
structures as detailed in Document No. 619 of Sub Registry  
Office, Kalpetta dated 6-2-1986 registered on 24-2-1986.

H. V. UPADHYAY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-9-1986  
Seal :

## FORM JINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
NARAYANI NILAYAM  
WARRIAM ROAD, COCHIN

Cochin-662 016, the 22nd September 1986

Ref. No. L.C. 802/86-87.—Whereas, I,  
H. V. UPADHYAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Wynad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the office of the registering officer at Kalem; on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajagiri Rubber & Produce Co. Ltd.,  
Alleppey by its Directors,  
S/S. R. Subramaniam and K. C. Eapen.  
(Transferor)
- (2) Mr. M. Alagammai,  
W/o. Mr. R. Muthiah,  
97/Santhome High Road,  
Madras-500 028.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 5th share of 323.25 acres of land with plantations and structures as detailed in Document No. 619 of Sub Registry Office, Kalpetta dated 6-2-1986 registered on 24-2-1986.

H. V. UPADHYAY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ernakulam

Date : 22-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-51/R-II Cal/86-87.—Whereas, I,  
I. K. GAYEN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. -- situated at Shree Nikel-II, Ashoke Road, Cal-27  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
C.A. on 4-2-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said Instrument of  
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

(1) Mrs. Mohini Hiranand Chhablani and  
Mr. Umesh Hiranand Chhablani,  
(Transferor)

(2) Sarover Trade Associates Ltd.  
(Transferee)

(3) Sarover Trade Associates Ltd.  
3, Netaji Subhas Road,  
Calcutta,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area : 1753.59 ft. together with the car parking space,  
Flat No. 3F in Shree Nikel-II Ashoke Road, Cal-27. More  
particularly described in 37EE registered by the C.A. being  
No. 37E-173 R-II/Cal/85-86 dt 4-2-86.

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta

Date : 19-9-1986

Seal :

## FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-52/R-II/Cal 86-87.—Whereas, I,  
I. K. GAYEN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3A situated at Raja Santosh Road, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
C.A. on 10-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Renox Commercials Limited,  
8, Raja Santosh Road,  
Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Mr. Atul Kataruka,  
95, Park St.,  
Calcutta-17.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area : 2294 sq. ft. Flat No. 3A on the 3rd floor at 8, Raja  
Santosh Road, Cal-27. More particularly described in 37FE  
Regd. by the C.A. being No. 37FE/178/R-II/Cal/85-86/  
dt. 10-2-86.

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta

Date : 19-9-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Imarti Devi Gupta.

(Transferor)

(2) Fatehpuria Housing Development Pvt. Ltd.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. AC-53/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,  
I. K. GAYEN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 15 situated at Alipur Park Road, Cal.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
C. A. on 10-2-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Area : 16k. 11ch. 1sft. situated at 15, Alipur Park Road,  
Cal. More particularly described in 37EE registered by the  
C.A. being No. 37EE/180/R-II/Cal/85-86 dt. 10-2-86.

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

1g—306 GI/86

Date : 19-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

(1) Bagri Synthetics Ltd.

(Transferor)

(2) Hindoot Investment Ltd.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. AC-54/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I,  
I. K. GAYEN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and  
No. 12 situated at Alipur Ave.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
R. A. Cal. on 2-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2/5th share of land measuring 17k. 4ch. 16sft. at 12,  
Alipur Ave. More particularly described in Deed No. 1-2991  
dt. 28-2-86.

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 19-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Emel Projects Pvt. Ltd.,  
33A, Chowringhee Road,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Saraf Holdings Pvt. Ltd.,  
21/1, Jatindra Mohan Ave,  
Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1986

No. AC-55/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12 situated at Alipur Ave. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Cal. on 28-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2/5th share of land measuring 17k. 4ch. 16sft. at 12, Alipur Ave. More particularly described in deed No. I-2992 dt. 28-2-86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1986  
Seal :

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kilwia Road  
Calcutta

**FORM ITNS-**

(1) M/s. S. P. Anand &amp; Associates.

(Transferor)

(2) M/s. A &amp; A Developments P. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA**

Calcutta, the 19th September 1986

Ref. No. AC-56/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 situated at Dhan Devi Khanna Road, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C. A. on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Area : 5 Cottahs 13 Chittaks & 5 Sq. ft. situated at 10, Dhan Devi Khanna Road, Calcutta-54. More particularly described in 37EE registered by the Competent Authority being No. 37EE/167/R-II/85-86 dt. 3-2-1986.

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta

Date : 19-9-1986  
Seal :



## FORM-TFNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 5th September 1986

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 10-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Renox Commercials Limited,  
8, Raja Santosh Road,  
Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Smt. Imarti Devi Gupta,  
5B, Penn Road,  
Calcutta-27.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Flat Nos. 1A & 1B on the 1st floor of the multi-storied building, 4588 Sft. at 8, Raja Santosh Road, Cal.27. More particularly described in 37EE. Registered by the C.A. being No. 37EE/179/R-II/Cal/85-86 dt. 10-2-86.

I. K. GAYEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta

Date: 5-9-1986  
Seal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4435 /I/Acq/23/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Three storeyed building in 41, New Jagnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 24-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nirmalaben Hariprasad Bhatt,  
41, New Jagnath Plot, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Prabhudas Narbheram Kamdar and Six Others  
Anupam Flats,  
Opp. Telephone Exchange,  
Lal Bahadur Shastri Marg,  
Ghatkoper (West), Bombay-86. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Three storeyed Building in 41, New Jagnath Plot, Rajkot.  
R. No. 6637 dt. 24-9-1986.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 7-10-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4733/II/Acq.23.86—Whereas, I,  
B. R. KAUSHIK,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Bungalow No. 57 at Saif Society Lanbe Hanuman Road,  
R.S. No. 31, TPS No. 8, FP No. 7, Surat  
(and morefully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 29-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Rasiklal Mulchand Shah  
57, Saif Society Ltd.,  
Lanbe Hanuman Road,  
Surat.

(Transferor)

- (2) Lalitkumar B. Sanghvi,  
At 50, Saif Society,  
Lanbe Hanuman Road,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 7768  
dated 29-9-1986.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 6-10-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. P.R. No. 4734 Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,  
B. R. KAUSHIK,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 20, G.I.D.C. Vapi with plant and machinery four B Type residential quarter and twelve C type residential quarters (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE despatched on 30-9-86 recd. on 3-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Mac Laboratories (P) Ltd.,  
20, G.I.D.C., Vapi. (Transferor)
- (2) M/s. Vapi Organic Chemicals (P) Ltd.,  
49, G.I.D.C., Vapi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in this office on 3-10-86. The transaction is Dt. 2-9-86. It was despatched on 30-9-1986. The date of despatch is considered as the date of filing.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 6-10-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd October 1986

Ref. No. P.R. No. 4735 Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,  
B. R. KAUSHIK,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Piece of land bearing S. No. 292, 291, 293, 295, of  
Moje Khadaki Tal. Pardi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
S.R. Pardi on 16-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
19—306 GI/86

- (1) Bipinchandra Thakorbbhai Patel,  
Khadaki,  
Tal. Pardi, Dist. Valsad. (Transferor)
- (2) Shri Sayras Dorabji Unwala,  
Udvada Tal. Pardi,  
Dist. Valsad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The form No. 37GE received from the office of SR Pardi  
in respect of transaction registered on 16-9-86 for A.C. Rs.  
12,91,000/-.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 3-10-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4433 Acq.23-1/86-87.—Whereas, I,  
B. R. KAUSHIK,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
H.P. at Ahmedabad, Khadia-III, Ward CS No. 1911 & 1912,  
Land Adm. 505.85 sq. mtrs. + 198.16 sq. mtrs.  
+ Building thereon  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the registering officer at  
Ahmedabad on 30-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) Sakarlal Balabhai Public Charitable Trust,  
D-11/12, Silver Arc Building,  
Near Railway Crossing  
Gujarat College, Ellis Bridge,  
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Gujarat Law Society,  
Ellis Bridge,  
Ahmedabad-380 006. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, Khadia, Ward-III, CS No. 1911 and  
1912, Land adm. 505.85 sq. mtrs. + 198.16 sq. mtrs +  
Building thereon. R. No. 16638 dt. 30-9-1986

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 6-10-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4434 Acq.23-1/86-87.—Whereas, I,  
B. R. KAUSHIK,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
H.P. at Ahmedabad, TPS 20, FP No. 61, Land adm. 709  
sq. yds.+ Building 296 sq. mtrs.  
1 undivided share of it.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the registering officer at  
Ahmedabad on 30-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Navnitlal C. Mody Family Trust,  
Managing Trustee :—  
Smt. Sharda Navnitlal Modi,  
Shivaji Park,  
Dadar, Bombay-400 028. (Transferor)
- (2) Nila Janamshankar Mankad,  
Jodhpur Tekra,  
Satellite Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
45 days from the date of publication of this notice  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.  
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, 1 undivided share of property, 'TPS  
20, FP No. 61, paiki, Land 709 sq. yds. + Building 296.72  
sq. mtrs. Ahmedabad. R. No. 16586 dt. 30-9-86.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 6-10-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAR-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4424 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Nos. 2267-B-2, 2267-B-1 and 2267-A adm. land 1906-08 sq. mtrs. at Hill Drive Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bhavnagar on 26-6-86 & 14-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Savitaben Nandlal Pandya,  
and Sureshkumar Nandlal Pandya,  
Surya Mahal No. 2,  
Waghavadi, Bhavnagar.  
(Transferor)
- (2) Shri Mukeshkumar Trilokchand Chaudhary,  
Director of  
Trolok Ship Breakers Ltd. and  
Chaudhary Ship Breakers (P) Ltd.,  
32, Kway Street, Darookbana, Bombay.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots Nos. 2267-B-2, 2267-B-1 and 2267-A adm. land 1906.08 sq. mtrs at Hill Drive, Bhavnagar S.R. Bhavnagar R. Nos. 1836 Dt. 26-6-86 2043 dt. 14-7-86 and 2042 dt 14-7-86.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 29-9-1986  
Seal :



## FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4125/Acq.23-I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 18-F-1 Anjaria Chambers, Second Floor, Block No. A, B, and C adm. 5622 Sq. ft.=522.28 Sq. Mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jamnagar on 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. s. Anjaria Estate Pvt. Ltd.  
Managing Director  
Shri Jawaharlal Sundarji Anjaria,  
Anjaria Chambers,  
K.V. Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) R. K. Shah Family Trust.  
Trustee Shri R. K. Shah  
Sumer Club Road,  
Jamnagar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

CS No. 18-F-1 Anjaria Chambers, Second Floor, Block No. A, B, and C adm. 5622 Sq. ft. = 522.28 Sq. Mtrs.

R. No. 3014 dt. 26-9-1986

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 29-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4426 Acq.23-I/86-87.—  
B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H.P. at Ahmedabad, TPS-3, FP No. 963, S.P. No. 20, Land adm. 1123.95 sq. mtrs. Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sushilaben Harilal Nathalal,  
Anand Apartment,  
Paldi, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) P. K. Sanghavi, H.U.F.,  
Daxaben Hiteshbhai Sanghavi,  
'Govind', Sitalbaug,  
Mithakali Char Rasta,  
Ellis Bridge, Ahmedabad. (Transferee)
- (3) M/s. Kishan Bros. Pvt. Ltd.,  
Sital Baug,  
Sardar Patel Nagar Road,  
Ahmedabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, TPS-3, FP No. 963, SP No. 20. Land 1127.95 sq. mtrs. + Building Nutan Co-op. Housing Society, Ahmedabad. R. No. 16566 dt. 29-9-1986.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 30-9-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.3.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4427/1/Acq.23/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 976 Sq yds. + Building at Ahmedabad TPS 3/5 F.P. No. 595 S.P. No. 1, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jitendra Shankarlal Patel H.U.F.  
Jitendra Nivas,  
Near Rangawala Towers,  
Gujarat College Road,  
Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (1) M/s Prit Co-op. Housing Society (Proposed)  
Organizer Kulpna Kiranbhai Nagarseth  
586, Patel & Shah Building,  
Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Adm. 976 Sq. M. + Building at Ahmedabad TPS  
3/5. FP No. 595 SP No. 1. R. No. 16533 dt. 29-9-86.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 30-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4428/1/Acq.23/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 976 Sq. yds + Building at Ahmedabad TPS 3/5 FP No. 595 SP No. 2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sakarben Shankarlal Dawalbhai Patel,  
'Titendra Niwas',  
Near Rangwala Towers,  
Gujarat College Road,  
Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) M/s Geet Co-op. Housing Society (Proposed)  
By Organizer Shrutiben Kamshikbhai Patel  
Mukesh Dhirajlal Vora,  
586, Patel & Shah Building,  
Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Adm. 976 Sq. Y. + Building at Ahmedabad TPS 3/5, FP No. 595, SP No. 2. R. No. 16534 dt. 29-9-1986.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1986  
Seal:

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4429 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Adm. 5532 sq. yd. + Old Bldg. at Ahmedabad TPS 14, FP No. 233, S. No. 189 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 22-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—306 GI/86

- (1) Aspi Dungaji Daruwala & Others,  
Viktor Willa—Raj Bhavan Road,  
Shahibag, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Dungaji Apartment Co.op. Housing Society,  
(Proposed)  
Organizer : Dahyabhai Chaturbhai Patel,  
Kamalkuni Society, Shahibag,  
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 5532 sq. yd. + Old Bldg. Adm. 283.78 sq. mtrs.  
out of land 6242 sq. at TPS 14, FP No. 233, S. No. 189  
Ahmedabad. R. No. 14386 dt. 22-9-1986.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ahmedabad

Date : 30-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Lalitaben Shantilal Choksi,  
2, Saryu Flats, Netaji Road,  
Mithakali Char Rasta,  
Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gujarat Rajya Poultry Farmers,  
Co-op. Federation Ltd.,  
61, Sardar Patel Colony,  
Ahmedabad - 380 014.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4430 Acq 23-1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 401 sq. yds. + Building G.P. + F.F.T.P.S. 3, F. P. No. 214-B, S. P. No. 6, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 401 sq. yds + Building G.F. + F.F. adm. 111.20/ sq. mtrs. Ahmedabad, T.P.S. -3, F.P. No. 214-B, S.P. No. 6, R. No. 16543 dt. 29-9-86.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4431 Acq 23-1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 709 sq. yds. + Building adm. 296.72 sq. mtrs. paiki,  $\frac{1}{2}$  undivided share at Ahmedabad, T. P. S. 20, F. P. No. 61, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Navnitlal C., Mody Family Trust,  
Managing Trustee : ,  
Sharda Navnitlal Mody,  
Shivaji Park,  
Dadar, Bombay - 400 028.  
(Transferor)
- (2) Anil Chandrakant Nanvati,  
'Anil Villa',  
Paldi Char Rasta,  
Paldi, Ahmedabad - 380-006.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, Land 709 sq. yds. + Building adm. 296.82 sq. mtrs. paiki,  $\frac{1}{2}$  undivided share - T. P. S. 20, F.P. No. 61, Ahmedabad.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4432 Acq 23-I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Adm. 156 sq. yd. + Bldg. 50 sq. yd. T.P.S. 3 F.P. No. 169 S.P. No. 17 paiki East Side Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Navnitlal Balubhai Desai,  
Sabarkunj - Nr. High Court,  
Navrangpura - Ahmedabad-9  
(Transferor)
- (2) Simandhar Shopping Centre Owner's Association,  
President : Nayan Natwarlal Gajjar,  
Prabhu Park, Maninagar,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 669 SP No. 17 paiki East Side Land adm. 156 sq. yd. + Bldg. 50 sq. yd. R. No. 16466 Dt : 26-9-86.

B. R. KAUSHIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-9-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./RTK/73/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 91 kanals 12 marlas situated at Kheri Sadh Teh. Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 5954 dated 19-2-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dhup Singh  
S/o Nanak  
s/o Sh. Gordhan  
r/o Kheri Sadh Teh.  
Rohtak. (Transferor)
- (2) Sh. Lal Chand School Society,  
(2) Lal Chand Nagar,  
Killa zafargarh Distt.  
Jind (Haryana)  
(through Sh. Ashavni Kumar  
s/o Sh. Sat Dev Sharma,  
r/o 7858/4, Naddi Mohalla, Ambala City.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 91 kanals 12 marlas situated at Kheri Sadh Teh. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5954 dated 19-2-86 with the Sub Registrar, Rohtak,

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/RWR/30/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 63 kanals 11 marlas situated at Joniawas Teh. Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 3153 dated 19-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Mohan Exports India Pvt. Ltd.,  
Mohan House, 7-Jamrandpur Community Centre,  
Kailash Colony Extension,  
New Delhi  
(through Sh. Vivek Kumar  
S/o Sh. Shiv Kishore  
r/o Delhi Financial Controller).

(Transferor)

(2) Purilon Limited,  
7 Community Centre,  
Zamrudpur, Kailash Colony Extension,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 63 kanals 11 marlas situated at Joniawas Teh. Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3153 dated 19-2-86 with the Sub Registrar, Rewari.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th September

Ref. No. I. A. C./Acq./GRG/398/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 15 bighas 16 biswas pukhta with residential quarters and shed, situated at Sikohpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot at Gurgaon under Registration No. 6960 dated 28-2-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Charanjit Singh Rekhi  
s/o Nand Singh  
s/o Sh. Nihal Singh  
r/o 28 Park Area,  
Karol Bagh, New Delhi  
(through Mukhtiar-am Sardar Kawaljeet Singh  
so Sardar Gurcharan Singh  
r/o 61-B/6, Utri Marg,  
Rajinder Nagar New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Ashok Kumar Jain  
Sh. Chander Bhan Jain  
r/o Maharam Nagar,  
Delhi Cantt. New Delhi-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 bighas 16 biswas pukhta with residential quarters and shed situated at village Sikohpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6960 dated 28-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 29-9-1986  
Seal :

## FORM IINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/62/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 25 kanals 2 marlas situated at Village Choma (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Gurgaon under Registration No. 6454 dated 3-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Deep Chand  
s/o Sh. Khema  
r/o vill, Bigwasan, Suba Delhi. (Transferee)
- (2) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co.  
Ltd. 115, Ansal Bhawan,  
16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 25 kanals 2 marlas situated at Village Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6454 dated 3-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-9-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/SPT/2/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Factory building alongwith a kothi, a house and servant quarters with some vacant land situated at vill. Bahalgarh Teh, Sonapat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat under Registration No. 646 dated 12-5-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—306 GI/86

- (1) Sh. Tejender Singh  
so Sh. Karpal Singh  
S/o Sh. Sunder Singh  
r/o Amritsar  
16 Court Road (Now N-1, Kirti Nagar, Delhi  
now Sonapat)

(Transferor)

- (2) Mmrtsar Swdeshi Woolen Mills,  
Ram Tirath Road, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being factory building alongwith a kothi, a house and servant quarters with some vacant land at Village Bahalgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 646 dated 12-5-86 with the Sub Registrar, Sonapat.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/1/86-87.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Factory building alongwith a Kothi, a house and servant  
quarters with some vacant land situated at vill. Bahalgarh.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat  
under Registration No. 343 dated 16-4-86,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

- (1) Surjit Singh s/o Kirpal Singh  
r/o Amritsar, 16 Court Road  
(Now N-1, Kirti Road, Mukerar Kirti Nagar,  
Delhi).

(Transferor)

- (2) Amritsar Swadeshi Woollen Mills,  
Rum Tirath Road,  
Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being factory building alongwith a kothi, a house  
and servant quarters with some vacant land situated at village  
Bahalgarh and as more mentioned in the sale deed registered  
at Sr. No. 343 dated 16-4-86 with the Sub Registrar, Sonapat.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/15/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 15 kanals 3 marlas, Narsinghpur 43 kanals 12 marlas Begampur Khotala situated at Narisinghpur and Begampur Khotela (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 334 dated 21-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Yogesh Chander Munjal  
s/o Sh. Satya Nand  
r/o D-140 East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferor)

(1) M/s Sona Steering Systems Ltd.  
17 Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 3 marlas situated at Narsinghpur and 43 kanals 12 marlas at Begampur Khatola and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 334 dated 21-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date 17-9-1986  
Seal:

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

- (1) Sh. Yusaf  
s/o Sh. Usman Khatri  
(2) Faij  
s/o Sh. Uunisih Ismail Khatri (Transferor)
- (2) M/s Rare Edition Prints (P) Ltd.,  
B-451, New Friends Colony, New Delhi.  
(Now Rare Edition Prints (P) Ltd.  
85, D.L.F. Industrial Estate,  
Mathura Road, Faridabad (Haryana).
- (3) M/s Rang Jyoti Cotton,  
92 Okhla Industrial Estate No. 3, New Delhi  
through Abwakar Khatri  
s/o Usman Abdula Khatri,  
Smt. Skeena Bai  
w/o Sh. Usman Abdulla Khatri,  
Smt. Roshan  
w/o Sh. Ismail Khatri  
r/o L-5, Kailash Colony,  
New Delhi  
partner and prop. of the firm). (Transferee)

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/1/86-87.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Industrial plot No. 85 (2984 sq. yds.) with factory shed  
office, two block etc. situated at D.L.F. Industrial Estate No.  
1 at Etmadpur, Faridabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad  
under Registration No. 1266 dated 30-4-86,  
at Faridabad under Registration No. 1266 dated 30-4-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 85 (2984 sq. yds.)  
with factory shed, office two blocks etc. in D.L.F. Industrial  
Estate No. 1 at Etmadpur, Faridabad and as more mentioned  
in the sale deed registered at Sr. No. 1266 dated 30-4-86 with  
the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October 1986

- (1) Sh. Mohan Lal  
(2) Raja Ram  
ss/o Sh. Chayu Ram  
s/o Sh. Lal Chand  
r/o Badhshahpur Tchl. Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Ratnavli Real Estate & Housing  
Private Limited, D-104, Som Vihar,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/28/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 46 kanals 1 marlas with tubewell, room, tree etc. situated at vill. Fazilpur Jharsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1122 dated 29-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 46 kanals 1 marlas with tubewell, room tree etc. situated village Fazilpur Jharsa and as more mentioned the sale deed registered at Sr. No. 1122 dated 31-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th October, 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/26/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 bighas 3.1/3 biswas pukhta situated at Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 1066 dated 28-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Lakh Ram  
(2) Mahavir  
(3) Tirlok Chand  
sons of Sh. Chandan Singh  
(4) Smt. Krishna  
(5) Smt. Bala  
ds/o Sh. Chandan Singh  
(6) Rattan  
s/o Smt. Bal Dei  
d/o Ram Chand  
(7) Smt. Shanti  
wd/o Sh. Chandan Singh  
all r/o vill. Nathupur Teh. Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) M/s V. D. Investment J Agencies (P) Ltd.,  
21-22, Narinder Place, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bighas 3.1/3 biswas pukhta situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1066 dated 28-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/2/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139 (1375 sq. yds.) with constructed part thereon, situated at D.L.F. Industrial Area, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2072 dated 22-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Gupta Construction Co.,  
G-3/92, Deepali Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Shivalik India (P) Ltd.,  
Kankhal, Haridwar (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 139 (1375 sq. yds.) with constructed part thereon situated at D.L.F. Industrial Area, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2072 dated 22-5-86 with the Sub Registrar Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/22/86-87.—Whereas I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. land 13 bighas 14.1/2 biswas  
situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon  
under Registration No. 970 dated 23-5-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act,  
1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) S/Sh. Munshi.  
2. Shiv Lal ss/o Sh. Prem Singh.  
3. Ram Pal s/o Sh. Chander.  
4. Smt. Bholi m/o Shiv Ram.  
5. Mange Ram s/o Shiv Ram.  
6. Imarti wd/o Shiv Ram.  
7. Ho Ram s/o Mehru r/o Nathupur  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s D.L.F. Universal Ltd. 21-22,  
Narendra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 bighas 14.1/2 biswas  
situated at vill. Nathupur and as more mentioned in the sale  
deed registered at Sr. No. 970 dated 23-5-86 with the Sub-  
Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/411/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. and measuring 103 kanals 7 marlas with factory shed situated at village Panhera Teh. Ballabgarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at of Income-tax Rules, 1962 at Rohtak under Registration No. 37EE/411/86-86/385 dated 27-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—306 GI/86

(1) The Printers House Pvt. Ltd.  
10 Scindia House, Connaught Circus,  
New Delhi-110001.

Transferor(s)

(2) M/s Indo Graphic Art Machinery Co. Ltd.  
M-1, Connaught Circus, New Delhi.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 103 kanals 7 marlas along with factory shed and as more mentioned in the agreement deed dated 26-5-86 which was registered with this office under No. 37EE/411/86-87/385 dated 27-5-86.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Khoja s/o Shri Mohra,  
Shri Parma s/o Sri Meeru  
r/o Iharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Unitech Limited,  
6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 23rd September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/24/86-87.—Whereas I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. land measuring 43 kanals 1 marlas  
situated at Vill. Jharsa Teh. Gurgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon under Registration No. 983 dated 24-5-86  
of Income-tax Rules, 1962  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(21 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 43 kanals 1 marlas situated  
at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the  
sale deed registered at Sr. No. 983 dated 24-5-86 with the  
Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 23-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 1st August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/20/86-87.—Whereas I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. land 20 kanals 13 marlas  
situated at vil. Cartarpuri,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon under Registration No. 877 dated 19-5-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Sawan Ram s/o Shri Udha Ram  
r/o Delhi Road, Gurgaon. (Transferor)  
(2) M/s Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 13 marlas situ-  
ated at Cartarpuri and as more mentioned in the sale deed  
registered at Sr. No. 877 dated 19-5-86 registered with the  
Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 1-8-1986  
Seal :

## FORM ITN-3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 1st August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/21/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land measuring 34 kanals 8 marlas situated at vill. Kanhai Teh. Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 899 dated 20-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) S/Sh. Maman, Sh. Amar Singh  
ss/o Sh. Nonda, Sh. Bakhtawar  
s/o Sh. Har Dhyani  
r/o Kanhai Teh. Gurgaon, (Transferor)
- (2) M/s Ansal Properties Industries (P) Ltd,  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals 8 marlas situated at vill. Kanhai Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 899 dated 20-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-8-1986  
Seal :



## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/25/86-87.—Whereas, I,

B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 27 kanals 1 marla situated at v.l. Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon under Registration No. 1065 dated 28-5-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ghelu s/o Shri Teka,  
Smt. Bhagwati etc. r/o Jharsa  
Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s Unitech Builders Pvt. Ltd.  
6 Community Centre, Saket, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Section 2 of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 27 kanals 1 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1065 dated 28-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/23/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 6 bighas 14-1/2 biswas pukhta situated at Natthupur, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon under Registration No. 971 dated 23-5-86 for an apparent consideration less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Nahideco Housing Pvt. Ltd.,  
101 Magnum House, Opposite Milan Cinema,  
Nazafgarh Road, New Delhi,  
(through Sri M. R. Jyoti s/o Shri P. D. Gupta  
170 29-54, Punjabi Bugh, New Delhi). (Transferor)
- (2) M/s D.L.F. Universal Ltd, 21-22,  
Chandni Place, Parliament Street,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bighas 14.1/2 biswas pukhta situated at Natthupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 971 dated 23-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/27/86-87.—Whereas I,  
B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 44 kanals 16 marlas with tubewell and room, situated at vill. Fazilpur Jharsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1121 dated 31-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri. Sarvam Dass s/o Shri Tola Ram  
Sohni Lal s/o Rahliya Ram  
Sanjev Kumar  
Bansi Lal Widow  
Asha Kaur  
Sita Devi ds/o Shri Sadhu Ram  
s/o Mahesh Dass r/o Baunahpur Teh. Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Ratnavli Real Estate and Housing  
Private Limited, D-104, Som Vihar,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 16 marlas with tubewell and room situated at village Fazilpur Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1121 dated 31-3-86 with the Sub Registrar Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/3/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. plot No. 29 NH-1, situated at Railway Road, Neelam Bata Road, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2276 dated 29-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sardar Amarjit Singh Dugal  
2. Sardar Gurbachan Singh Dugal  
ss/o late Dr. R. S. Dugal  
r/o S-489, Greater Kailash, Part III,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Yuva Motors Pvt. Ltd.,  
B-70/81, DSIDC Complex, Lawrence Road,  
Industrial Area, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 29, NH-1, Railway Road, Neelam Bata Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2276 dated 29-5-86 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/32/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 14 biswas situated at village Nathupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Gurgaon under Registration No. 1267 dated 5-6-86 of Income-tax Rules, 1962 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—306 GI/86

- (1) 1. Shri Mam Chand s/o Lal Singh
2. Mikkan
3. Umrao
4. Lakhi
5. Hukam Singh ss/o Sh. Jasram,
6. Ratti Ram ss/o Ram Singh,
7. Brahmpal
8. Sureshpal
9. Ram Pal
10. Bhagtu ss/o Duli
11. Smt. Mahinder
12. Smt. Kamlesh
13. Raju daughters and Smt. Sarbati wd/o Shri Duli Chand r/o Nathupur.

(Transferor)

- (2) M/s D.L.F. Universal Ltd. 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 14 biswas situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1267 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/30/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land 61 kanal as 9 marlas situated at vill. Kanhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 1265 dated 5-6-86 of Income-tax Rules, 1962 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Subedar Ramkanwar s/o Shri Ram Singh  
r/o Vill. Kanhai Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Ansal Housing Financial and Leasing Co.  
Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 61 kanals 9 marlas situated at village Kanhai Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1265 dated 5-6-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/43/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 12 kanals/6 marlas situated at Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1591 dated 17-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jay Narain s/o Sh. Jug Lal  
s/o Sh. Harnam  
r/o Sukhrali Tch. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd.,  
115 Ansal Bhawan,  
16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals 6 marlas situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1591 dated 17-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 11-9-86  
Seal :

## FORM ITNS-

(1) Sh. Raghbir Singh s/o Raje  
s/o Sh. Bhajjan  
r/o Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s New India Construction Co. Ltd.,  
6 Community Centre, Saket,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/44/86-87.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 28 kanals 17½ marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1601 dated 17-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanals 17½ marlas situated at village Jharsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1601 dated 16-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 17-9-86  
Seal :



## FORM ITNS-

- (1) Sh. Puran Singh s/o Shgo Chand  
s/o Sh. Bhajan  
r/o Iharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s New India Construction Co. Ltd.  
6 Community Centre, Saket,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/39/86-87.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
land measuring 40 kanals 11 marlas situated at village Iharsa  
Teh. Gurgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Gurgaon under Registration No. 1458 dated 12-6-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanals 11 marlas situated  
at village Iharsa and as more mentioned in the sale deed  
registered at Sr. No. 1458 dated 12-6-86 with the Sub Regis-  
trar, Gurgaon.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 17-9-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/40/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 3 bighas 3 biswas pukhta situated at village Sikenderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1459 dated 12-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sh. Rajinder Singh (2) Mahender Singh sons (3) Smt. Kamlesh (4) Parmlesh alias Bimlesh (5) Smt. Suresh (6) Sarlesh daughters (7) Smt. Bidhya widow of Sh. Ram Kanwar s/o Sh. Kanwar Singh (8) Sh. Meer Singh s/o Smt. Ram Kali d/o Sh. Kanwar Singh (9) Smt. Murti d/o Sh. Kanwar Singh (10) Sh. Nahar Singh s/o Sh. Kanwar Singh r/o Sikenderpur Ghosi Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s R. K. Enterprises Pvt. Ltd., 45/1, Krishna Bhawan, H-Block, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 3 biswas situated at village Sikenderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1459 dated 12-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 11-9-86  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/31/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 3 bighas 7 biswas situated at Vill. Nathupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1268 dated 5-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Mikhan (2) Lakhi (3) Umrao (4) Hukam Chand ss/o Jasram uraf Jasmat (5) Mam Chand s/o Lal Singh Gujar by caste r/o village Nathupur.

(Transferor)

- (2) M/s. D.L.F. Universal Ltd., 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 7 biswas situated at village Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1268 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 17-9-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/47/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 bighas 17 biswas pukhta situated at village Nathupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1637 dated 18-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Chandan (2) Hari Kishan (3) Lala Ram s/o Sh. Harbans (4) Smt. Chander (5) Smt. Kalo uraf Kalawati (6) Smt. Vati (7) Smt. Imarti ds/o Sh. Harbans (8) Kulha uraf Bulia s/o Sh. Bholu r/o Nathupur Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Gulmohar Estates Pvt. Ltd.  
415 Devika Towers, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 17 biswas pukhta situated at vill. Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1637 dated 18-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 11-9-86  
Seal :

## FORM ITNS-

- (1) S/Sh. Mikhan (2) Lakhi (3) Umrao (4) Hukam Chand ss/o Sh. Jasram uraf Jasmat (5) Mam Chand s/o Lal Singh Gujar by caste r/o vill. Nathupur.

(Transferor).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

- (2) M/s D.L.F. Universal Ltd.,  
21-22, Narendra Place, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferee)

Rohtak, the 17th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. L.A.C./Acq/GRG/34/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 14 kanals 8 marlas situated at vill. Dundahara Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1269 dated 5-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Dundahera and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1269 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

N—306 GI/86

Date : 17-9-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th August 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/35/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 31 kanals 5 marlas situated at vill. Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1328 dated 7-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Sis Ram (2) Ram Nath  
sa/o Sh. Rup Chand  
r/o vill. Jharsa, Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Unitech Investment Ltd.,  
6 Community Centre, Saket,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 31 kanals 5 marlas situated at vill. Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1328 dated 7-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 4-8-86  
Seal :

## PERMITS-

- (1) Smt. Kaushlya wd/o Sh. Kailash Chand  
r/o Ram Lila Ground, Gurgaon.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- (2) M/s Unitech Ltd.  
M/s Unitech Investment (P) Ltd.  
6-Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/29/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 159 kanals 7 marlas situated at vill. Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1263 dated 5-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 159 kanals 7 marlas situated at village Jharsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1263 dated 5-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-86  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/36/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 8 bighas 10 biswas pukhta with tubewell and kotha situated at Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1330 dated 7-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Atri Devi (2) Smt. Kela Devi ds/o Sh. Ram Chander r/o Chakarpur Teh. Gurgaon (through Dharmender Yadav s/o Sh. Siri Chand Yadav r/o vill. Chakarpur).

(Transferor)

(2) M/s D.L.F. Universal Ltd., 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bighas 10 biswas along-with tubewell and kotha situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1330 dated 7-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 17-9-86  
Seal :



## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/45/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 11 measuring 4840 sq. yds. situated at Maruti Industrial Area, Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1671 dated 20-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Savitri Devi Kohli w/o  
Sh. Kailash Chand  
r/o R-50, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Munjal Showa Ltd.,  
D-140, East of Kailash,  
New Delhi-65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 11 measuring 4840 sq. yds. situated at Maruti Industrial Area, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1671 dated 20-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-86  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/52/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 24 kanals 11 marlas situated at vill. Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2185 dated 15-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Vijaypal Singh s/o Sh. Bhawar Singh  
(2) Sh. Aridaman Singh s/o Vijaypal Singh  
r/o Jatoli (3) Sh. Anjali Devi  
w/o Sh. Yudhishater Singh  
s/o Sh. Bahadar Singh  
r/o Bajeka Teh. Sirsa (4) Smt. Manjoo Devi  
w/o Sh. Dalbir Singh  
r/o Yamunanagar Teh. Ambala. (Transferor)
- (2) M/s New India Construction Co. Ltd.  
6 Community Centre, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 kanals 11 marlas situated at village Sukhrali Teh. Guragon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2185 dated 15-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 23-9-86  
Seal :

## FORM ITNS-

- (1) 1. Sh. Karan Singh  
2. Bal Ram s/o Sh. Harnam  
r/o vill. Silokhra Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Unitech Investment Ltd.,  
6 Community Centre, Saket,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1986

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/51/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 30 kanals 8 marlas situated at vill. Silokhra Gurgaon under Registration No. 1958 of Income-tax Rules, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 1958 dated 5-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 30 kanals 8 marlas situated at village Silokhra and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1958 dated 5-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Tej Ram s/o Sh. Mohar Singh  
r/o vill. Tikri Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) The Sahyog Co-operative Housing Society Ltd.,  
Vill. Tikri, Teh. Gurgaon.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th September 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/42/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 7 bighas 17 biswas situated at vill. Tikri Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1537 dated 14-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 bighas 17 biswas situated at village Tikri Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1537 dated 14-6-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 26-9-86  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37E/117/86-87.—Whereas, I ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3, Hissa No. 7, S. No. 40 of Village Kulgaon, Tal. Ulhasnagar, Plot No. 2, Hissa No. 7, S. No. 40 of village Kulgaon, Tal. Ulhasnagar, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 40 of Village Kulgaon Tal. Ulhasnagar situated at Kulgaon, Ulhasnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Ulhasnagar on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—306 GI/86

- (1) Smt. Sudha Shrikrishna Barve and Others,  
Smt. Vrinda Umanath Kanthak of Ghatkopar,  
Bombay.

(Transferees)

- (2) Sharvari Co-op. Housing Society Ltd.,  
Kulgaon : Near Forest Office, Katrap Road,  
Kulgaon, Tal. Ulhasnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the Sub Registrar Ulhasnagar under document No. 728/86 dt. 7-2-1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 9-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/907/1985-86,—

ANJANI KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Immovable property bearing Survey No. 65A/1A/2A and 65/1A/2B/1 at Kopargaon Manmad Road, Yeola, Dist. Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1988 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vishnudas Vallabhdas Patel,  
2. Shri Bhushan Vishnudas Patel,  
Yeola, Tal. Yeola, Dist. Nasik. (Transferor)
- (2) M/s. Giriraj Construction Co.  
"Shivalaya" Plot No. 4A Chempur Govandi Road,  
Chembur, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing Survey No. 65A/1A/2A and 65/1A/2B/1 at Kopargaon Manmad Road, Yeola, Dist. Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 907/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 31-7-1986  
Seal :

FORM INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Nap Automotive Products Pvt. Ltd.  
B-112, Hira Panna, Haji Ali, Bombay-26.  
(Transferor)
- (2) M/s Schemes Switchgears Pvt. Ltd.  
B-112, Hira Panna, Haji Ali, Bombay-26.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/371/E, 14701/1985-86 - Where-  
as, I, ANJANI KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 358 & 359 Thane Industrial Area, (M.I.D.C.) Vill-  
age Panchpakhadi, Tal. Thane, Dist. Thane situated at Thane  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
or the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 358 & 359 Thane Industrial Area, Village Panch-  
pakhadi, Tal. Thane, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 14701/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 5-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/8214/1985-86.—Whereas, I ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7th floor, Devi Heights, 269-270/1 Shaniwar Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Devi Construction Co.,  
1161/10 Devi Niwas,  
Shivajinagar, Pune-5. (Transferor)
- (2) The Cosmos Co-operative Bank Ltd.,  
612 Sadashiv Peth, Laxmi Road, Kunte Chowk,  
Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7th Floor, Devi Heights, 269-170/1 Shaniwar Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8214/1985-86 in the month of March 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 24-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/8009/1985-86/37EE.—Whereas, I ANJANI KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and Building at C.T.S. No. 123, Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Anant Ramchandra Gondhalekar,  
Mrs. Laxmi Anant Gondhalekar,  
Chandrashekhhar Anant Gondhalekar,  
123 Shukrawar Peth, Pune-2. (Transferor)
- (2) M/s. Siddharth Promoters & Builders,  
16 Shukrawar Peth, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said transferable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

123 Shukrawar Peth, Land and building at C.T.S. No. 123, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8009/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 5-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8146/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow at Plot No. 263/268 Sindh Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Jamadas Bhojraj,  
263/268 Sind Co-operative Housing Society,  
Aundh, Pune.  
(Transferor)
- (2) Kumar Vishnudas Advani,  
144/421 Sind Co-operative Housing Society,  
Aundh, Pune-7.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bunglow at Plot No. 263/268 Sind Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8146/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 30-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8077/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Hissa No. 10, C.T.S. 26/1+2+3+4, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushila Dinkar Bedekar,  
Smt. Sukanya Sudheer Agashe,  
Shri Sudheer Dinkar Bedekar,  
Geetali Apartments, P.Y.C. Colony,  
Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Tropical Builders,  
1225 Subhashnagar, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hissa No. 10, C.T.S. 26/1+2+3+4, Dahanukar Colony, Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8077/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 31-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st July 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8215/1985-86.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5th & 6th floors Devi Heights, 269-270/1, Shaniwar Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ravi Estate Corporation,  
1161/10 Devi Niwas,  
Shivajinagar, Pune-5. (Transferor)
- (2) The Cosmos Co-operative Bank Ltd.,  
612 Sadashiv Peth, Laxmi Road, Kunte Chowk,  
Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5th and 6th Floors Devi Heights, 269-270/1 Shaniwar Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8215/1985-86 in the month of Mar. 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 31-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

(1) Shri Faidipati Jairaj & Smt. P. J. Savitridevi,  
593, 19th Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Dadhe & Ruikar,  
2007 Tilak Road, Pune.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 31st March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8382/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 129, Plot Nos. 48, 49, 50, 51, 56 &amp; 57, Ideal Colony, Kothrud, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

S. No. 129, Plot Nos. 48, 49, 50, 51, 56 &amp; 57, Ideal Colony, Kothrud, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8382/1985-86 in the month of Mar. 1986).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—306 GI/86

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, PoonaDate : 31-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/12313/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, on floor, in "NIRAN AMRUT" at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Mar. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nirman Association,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, (Andheri (E) Road),  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. Jose David & Mrs. Jose David,  
C/o Grand Marble Industries,  
22 Sona Udyog Palace, (Andheri (E)),  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or within a period of 45 days from the service of notice on the transferee, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102 on first floor in Nirman Amrut at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the instrument of sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12313/1985-86 in the month of Mar. 1986)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 11-9-86  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC/Acq/C-5/37RE/8318/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (hereinafter referred to as the said Act), have come to believe that the immovable property bearing S. Nos. 41-A1/2, 41-A1/3 and 41/1 (41-A1/4) Bopodi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for a consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is more than the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the said transfer is a transfer as agreed to between the parties and is a true, stated in the said instrument of transfer with the object of—

the avoidance of the payment of tax on the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

the evasion of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be paid by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sulbha Baburao Apte,  
33, Audh Road,  
Kirkree,  
Pune.

(Transferor)

(2) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.,  
3/2 Bina Shopping Centre,  
164, Sir M. V. Road,  
Andheri (E),  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. Nos. 41-A1/2, 41-A1/3 and 41/1 (41-A1/4) Bopodi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8318/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date: 18-3-1986  
Seal:

## FORM I.T.N.S

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 12th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8657/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 1-B, Plot Nos. 61 to 71 and Part of 91 bearing C.T.S. Nos. 1840 to 1850 and Part of 1851 at Chinchwad, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopal Laxman Gokhale & Others  
Geetabaug,  
Chinchwad,  
Pune.

(Transferor)

- (2) M/s. Palresha-Varia Associates  
Natraj Tea Depot,  
Om Mahavir Society,  
Yerwada,  
Pune-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Survey No. 1-B bearing Plot Nos. 61 to 71 and Part of 91 and bearing City Survey Nos. 1840 to 1850 and Part of 1851 at Village Chinchwad, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8657/1985-86 in the month of Jan., 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 12-3-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12317/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 on ground floor in New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 29-B, Sector-4, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ghruh Builders,  
40-41, Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road,  
(Andheri-Kurla-Road),  
Andheri (E),  
Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Gopal Devarajan,  
3/156, Paradise Building,  
Sion (W),  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 ground floor in New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12317/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 20-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/13406/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 303 on third floor in New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ghruh Builders,  
40-41, Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road,  
(Andheri-Kurla-Road),  
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Abaji R. Mote,  
C/o A. D. More,  
B-3 Type, 14-3-2,  
Sector No. 4,  
Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303 on third floor in "New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 29-B, Sector 4, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 13406/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 20-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Talwalkar & Bhalerao,  
Anant Apartments,  
1145, Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Vijayanti S. Ramdasi,  
3, Pancharatha Housing Society,  
Poudphata, Erandwane,  
Pune-4.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 1st April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8357/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Ewaroop Apartments, Erandwane, Pune-14 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acq. Range, Pune in March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ewaroop Apartments, Erandwane, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8357/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 1-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5[37EE]8907/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 305, third floor, Neeta Corner, House No. 72, New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3 situated at Pune (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Kumar Jain & Associates,  
183, Bhavani Peth,  
Pune-42.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Motilalji Sonigara,  
58/4, New Bazar, Kirkee,  
Pune-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 305, third floor, Neeta Corner, House No. 72, New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3.

(Area 580 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8907/1985-86 in the month of January, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Kumar Jain & Associates,  
783, Bhavani Peth,  
Pune-42.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Shantilal Sonigara,  
55/3, New Bazar,  
Kirkee,  
Pune-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8906/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 306, 3rd floor, Necta Corner, House No. 72, New  
Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3 situated at  
Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acqn. Range, Pune on January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

27—306GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publications of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 306, third floor, Necta Corner, House No. 72,  
New Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune.  
(Area 590 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 8906/1985-86 in the month of Jan., 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. Kumar Jain & Associates,  
783, Bhavani Peth,  
Pune-42.

(Transferor)

(2) Mr. P. C. Sonigara,  
55/5, New Bazar,  
Kirkee,  
Pune-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNEObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

Pune, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5[37EE]8905/1985-86.—

Whereas, 1. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 304, third floor, Neeta Corner, House No. 72, New  
Bazar, Kirkee of G.L.R.S. No. 27/582, Pune-3 situated at  
Pune(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acq. Range, Pune on January, 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of,(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
property or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 304, third floor, Neeta Corner, House No. 72,  
New Bazar Kirkee of G.L.R.S. No. 27/1582, Pune.  
(Area 580 sq. ft.)(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 8905/1985-86 in the month of Jan., 1986).ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
PuneNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/8369/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Godown No. 4, CTS No. 339, Rasta Peth, Pune-11 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Vardhaman Builders,  
839, Rasta Peth,  
Pune.

(Transferor) (s)

(2) Shri P. U. Desarda,  
339, Rasta Peth,  
Pune-11.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, Godown No. 4, C.T.S. No. 339, Rasta Peth, Pune-11.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8369/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12718/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 3/4/5 on ground floor in Mitha Towers at Plot No. 41, D.B.C. Sector 17, Vashi, New Bombay situated at Vashi New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mitha Estates,  
612, V. N. Purav Marg,  
Chambur,  
Bombay.

(Transferor) (s)

- (2) M/s. Abumarble Mining Pvt. Ltd.,  
59, R. A. Kidwai Road,  
Kings Circle.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat Nos. 3/4/5 on ground floor in Mitha Towers, at Plot No. 41, D.B.C. Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12718/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 28-4-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12719/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3 & 4 on 8th floor in Mitha Towers, Plot No.  
41, Sector 17, D.B.C. Scheme at Vashi, New Bombay situated  
at Vashi, New Bombayand more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
[A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986or an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Mitha Estates,  
612, V. N. Purav Marg,  
Chemubr,  
Bombay.

(Transferors)

- (2) Shri Manmohan J Shitole &  
Shri Baraokar Pratap  
V-102, Kasba Peth,  
Pune.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 & 4 on 8th floor in Mitha Towers, Plot No. 41,  
Sector 17, D.B.C. Scheme at Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 12719/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date: 28-4-1986  
Seal:

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/12022/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Immovable property bearing S. No. 132/1(p) and 135/6 (P) Kolshet Road, Balkum, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Umilabai Laxman Bhagwat,  
Pradhan Building,  
Near Thane Railway Station,  
Thane (W).

(Transferor)

(2) M/s. Esdee Paints Pvt. Ltd.  
203, Navketan Building,  
Chembur,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing S. No. 132/1(p) and 135/6 (p) Kolshet Road, Balkum, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12022/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 6-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14952/1986-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land bearing (1) City Survey No. 123A(3) Part, Tika No. 12, S. No. 227A, H. No. 3, 2, City Survey No. 123B, Tika No. 12, S. No. 227C situated at Charai, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sonabai Anant Pawar,  
Agra Road,  
Charai,  
Thane,

(Transferor)

(2) M/s S. P. Enterprises,  
Mulye House,  
Eduji Road,  
Charai,  
Thane (W).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing C. S. No. 123A(3) Part Tika No. 12, S. No. 227A, H. No. 3, 2, City Survey No. 123B, Tika No. 12, S. No. 227C at Charai, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 14952/1985-86 in the month of Mar. 1986)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 28-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13247/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—  
able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lalit C Gandhi,  
Lok Shilp Co-operative  
Hsg. Soc. Ltd. 14 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, Andheri (E) Bombay.  
(Transferor)
- (2) Shri C. S. Narayanan,  
Flat No. 1, Sanarth  
Sainath Niketan C.H.S. 5th Road,  
Pestom Sagar Chembur,  
Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 208 on 2nd floor in building Lok Shilp Co-operative Hsg. Soc. Ltd. 14 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune. under document No. 13247/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 6-5-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 2nd May 1986

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/8368/1985-86.—  
Whereas I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 203, second floor and godown No. 3 on ground  
floor at 339-B Rasta Path situated at Pune(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Vardhaman Builders,  
339/B Rasta Peth,  
Pune.

(Transferor)

(2) Shri Pravin Uttamchand Desarda,  
339/B Rasta Peth,  
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 on second floor and godown No. 3 on ground  
floor in building at 339-B Rasta Peth, Pune.(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 8368/1985-86 in the month of March, 1986)

ANIL KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, PoonaNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITN3—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1880/37EE/8585/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office premises on first, 2nd and third floor, Final plot No.  
802, Shivajinagar situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acqn. Range, Pune in March, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s Rathi Kumar Beharay,  
"Construction House",  
796/189-B Bhandarkar,  
Institute Road,  
Deccan Gymkhana,  
Pune-4.

(Transferor)

- (2) Western Maharashtra Development Corporation Ltd.  
2nd floor, Udyog Bhavan,  
Ganeshkhind Road,  
Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises on first, 2nd and third floor, Final Plot  
No. 802, Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the agreement on sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 8585/1985-86 in the month of March, 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 31-3-1986  
Seal :

**FORM 1118****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
PUNE**

Pune, the 12th June 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/652/1985-86:—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Unit No. N-101 in Bhavani Chambers, 461 B-Ward, situated at Bhavani Mandap, Kolhapur has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Karvir, (Kolhapur) in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ghatge Estate Developments,  
461 B-Ward, Bhavani Mandap,  
Kolhapur, by its duly authorised  
partners—Shri Ajitsingh Y Ghatge &  
Shri Avinash V Patil.

(Transferor)

- (2) Shree Warana Sahakari Bank Ltd. Warananagar  
Kolhapur by its duly authorised Representative  
Shri Nandakumar K Naik and  
Shri Annasaheb J Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office Unit No. N-101 in Bhavani Chambers, 461 B-Ward, Bhavani Mandap, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir, under document No. 652/1985-86 in the month of March, 1986)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona  
Agarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 12-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 29th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2024/1986-87.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act') have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 1, Floor No. 5, Block II, Shangrila Apartments,  
31 Koregaon Park, Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C., Acqn. Range, Pune in August, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than 15 per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the par-  
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-  
fer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Jai Thackers Land Development Pvt. Ltd.,  
2128 V. P. Street,  
Pune Camp,  
Pune. (Transferor)
- (2) Pyrene Rai Metal Treatments Ltd.,  
Nirlon House,  
254B Dr. Annie Besant Road,  
Worli,  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Floor No. 5, Block II, Shangrila Apartments,  
31 Koregaon Park, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 2024/1986-87 in the month of August, 1986)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 20-8-1986  
Seal :



## FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 29th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2104/1986-87.—  
Whereas I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises on 1st floor C.T.S. No. 10-B Sadashiv Peth, situated at Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Patson Enterprises,  
4/37 Erandwane,  
Pune-4,

(Transferor)

- (2) Kelga Techno Sales Pvt. Ltd.,  
8/2 Ravi Building,  
Navi Peth,  
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office remises on 1st floor, C.T.S. No. 10B, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2104/1986-87 in the month of August, 1986)

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 29-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961. (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 4th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7565/1985-86.—  
Whereas I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 71A & 71B Rasta Peth, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. N. Tambaku & Others,  
Fisherman Colony,  
Mahim, Building No. 20A,  
Flat No. 999, Bombay-6. (Transferor)
- (2) Amit Enterprises,  
1025 Sadashiv Peth,  
Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 71A & 71B Rasta Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7565/1985-86 in the month of February, 1986)

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 4-9-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 9th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/620/85-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 555/H. No. 1, Dist. Nasik situated at Dist Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub. Reg. Bombay in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Jayendra S. Vakil and Others,  
18, Rige Appt. Ridge Road,  
Malbar Hill,  
Bombay-6. (Transferor)
- (2) Mr. Anwar H. Mulla and Others  
211 Arun Chambers,  
Tardes Bombay-34. (Transferee)

Objectors, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 555/H. No. 1, Dist. Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the Sub-Registrar Bombay under document No. 2149/85 dt. 9-1-1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 9-9-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 22nd September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/316/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 12, S. No. 131/1A/IC/2A, F.P. No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Malini Purushottam Bodas,  
38 Vijayanagar Colony,  
Pune-30 and  
Bank of Maharashtra,  
Lokmangal, 1501 Shivajinagar,  
Pune-5.

(Transferor)

(2) Renuka Construction Co.,  
A/1 Success Chambers,  
1232 Apte Road,  
Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 12, S. No. 131/1A/IC/2A/F.P. No. 529/2, Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 316/1986-87 in the month of June 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 22nd September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/313/1986-87.—

Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 15, S. No. 131/1A/1C/2A, FP No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—306G1/86

- (1) Mrs. Malini Purushottam Bodas,  
38 Vijayanagar Colony,  
Pune-30 and  
Bank of Maharashtra,  
Lokmangal, 1501 Shivajinagar,  
Pune-5.

(Transferor)

- (2) Renuka Construction Co.,  
A/1 Success Chambers,  
1232 Apte Road,  
Pune-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 15, S. No. 131/1A/1C/2A, FP No. 529/2, Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune.  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 313/1986-87 in the month of June 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 22-9-1986

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 22nd September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/315/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 13, S. No. 131/1A/1C/2A, F.P. No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Malini Purushottam Bodas,  
38 Vijayanagar Colony,  
Pune-30 and  
Bank of Maharashtra,  
Lokmangal, 1501 Shivajinagar,  
Pune-5.  
(Transferor)

(2) Renuka Construction Co.,  
A/1 Success Chambers,  
1232 Apte Road,  
Pune-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, S. No. 131/1A/1C/2A, F.P. No. 529/2 Parvati, Tal. Haveli, near Ramkrishna Ashram, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/315/1986-87 in the month of June 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 22-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 28th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/647/1985-86.—Whereas I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property situated at bearing S. No. 16/1-5 at village Tungarli, Tal. Maval, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Bombay in April, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jayant Shantaram Kalyanpurkar,  
Kalyanpur Hona District Road,  
Vile Parle, Bombay.

(Transferor)

- (2) Lake View Investment Trading Co. Pvt. Ltd.,  
Sadhana Rayon House,  
Dr. B. N. Road,  
Fort, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property is situated at bearing S. No. 16/1-5 at Village Tungarli, Tal. Maval, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 647/1985-86 in the month of April 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date: 28-8-1986  
Seal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 28th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/191/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 517, Plot No. 20, CTS No. 365/24 Ghorpade Peth, Ekbote Colony, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shripad Haribhu Ratnaparakhi & others,  
C/o Mandarmala, S.G.R.S.  
C.T.S. No. 365/24/20 Ghorpade Peth,  
Pune.

(Transferor)

(2) Mandar mala C.H.S. Ltd.,  
365/24 Ghorpadi Peth,  
Pune-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 517, Plot No. 20, C.T.S. No. 365/24 Ghorpade Peth, Ekbote Colony, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the S.R. Haveli, under document No. 37G/191/1986-87 in the month of April 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 28-8-1986  
Seal :



## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 25th August 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5 37G/86-87.--Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. B-74, situated at Road No. 33, Wagle Industrial Estate situated at M.I.D.C. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Bombay in April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Burlington's Exports,  
B-75, Wagle Industrial Estate,  
Thane.

(Transferor)

- (2) M/s Flexton Auto Suspensions,  
502, Linkway, 397 14th Road,  
Khar Bombay-400 052.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. B-74, situated at Road, No. 33, Wagle Industrial Estate, M.I.D.C. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the S.R. Bombay under document No. 37-G/224/86-87 in the month of April, 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Poona

Date : 25-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 4th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37Q/134/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 6 to 25 of approved layout situated on S. No. 288, 289A & 289B, Old National Highway No. 6, Near Western Railway Crossing, Jalgaon situated at Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jalgaon in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jain Construction Co.  
Partner Sri Jagnath Nathu Wani,  
Jalgaon. (Transferor)
- (2) Jain Brothers Industries,  
Jalgaon,  
Partner : Ashok Bhavarlal Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the SR Jalgaon, under document No. 1757/86 dt March, 1986).

ANJANI KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pooona

Date : 4-9-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/2-86/4632.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 115, Block No. 172, Jor Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kuljit Singh Kohil,  
115, Jor Bagh,  
New Delhi  
through his duly constituted general attorney  
Sh. Bachanand T. Tijhwani  
R/o 3072/2 CA, Ranjeet Nagar,  
New Delhi,  
vide attorney dt. 23-5-86.

(Transferor)

- (2) Sh. Harish Kumar Ahuja,  
R/o 248, Double Storey,  
New Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 115, Block No. 172, Jor Bagh New Delhi measuring 468.8 sq. yds. which is two and half storeyed building.

JAGDISH MITTAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 14-8-86  
Seal :

## NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION  
MAY, 1987

New Delhi, the 1st November 1986

No. F. 8/3/86-E-1(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 17th May, 1987, for admission to the undermentioned courses :—

*Name of the Course and Approximate No. of Vacancies*

- (1) Indian Military Academy, Dehra Dun 84th 150\*  
Course commencing in January, 1988  
[Includes 32\* vacancies reserved for NCO 'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in January, 1988.
  - (a) General Service 44\*  
[Including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders].
  - (b) Naval-Aviation. 33\*
- (3) Air Force AF Station Begumpet Secunderabad [Pre-Flying Training Course commencing in January, 1988 i.e. No. 143]. 7\*
- (4) Officers' Training School, Madras [47th 269\*  
SSC (NT) Course commencing in May, 1988].

\*The above number are liable to alteration.

\*@This includes training wastages.

N.B. (i).—A candidate is required to specify clearly in Col. 9 of the Application Form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 1st November, 1986 the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

However, only in case of shortfall on IMA/Naval/Air Force Academics, candidates having OTS as their first choice and also qualified for IMA/Naval/AF can be considered for induction into these courses in order of their choice if otherwise eligible.

N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions :—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE I : NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also complete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by 31st December 1987.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 8(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 20th April, 1987 will not be entertained under any circumstances.

## 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

## (a) NATIONALITY :—

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

## (b) AGE LIMITS, SEX AND MARITAL STATUS :—

- (i) For IMA—Unmarried male candidate born not earlier than 2nd January, 1964 and not after than 1st January, 1969 only are eligible.
- (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1966 and not later than 1st January, 1969 are only eligible.
- (iii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd January, 1963 and not later than 1st January, 1969 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent Examination Certificates. These Certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificate mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

**NOTE 1 :—**CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.  
30—306G1/86

**NOTE 2 :—**CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

## (c) Educational Qualifications :—

- (i) For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th/12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB Interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP)(c), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and PO3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6 Rama Krishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 31st December, 1987.
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 30th April, 1988.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

**NOTE 1 :—**Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination delay in declaration of results of any other ground whatsoever.

**NOTE :** Candidates who are debarred by the Ministry of the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

**NOTE :** Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagement will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

## 4. FEE

- (i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form

a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application. APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(iv) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in May, 1986 or October, 1986 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the CDS Examination May, 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1987.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY: A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House, New Delhi-110 011, on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 1st November, 1986. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 1st November, 1986. Candidates

should note that applications filled in on the application forms meant for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the Combined Defence Services Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, MAY, 1987".

(a) A candidate must send the following documents with his application :

(i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).

(ii) Attendance Sheet (Printed alongside) duly filled in on foolscap size paper.

(iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm, approx) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(iv) One self-addressed post-card.

(v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. × 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward to the Commission.

NOTE: APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES, AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE, ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED.

Candidates are advised to keep ready the following documents in original alongwith their attested copies soon after the declaration of the result of the written part of the examination which is likely to be declared in the month of August, 1987 for submission to the Army HQ/Naval HQ/Air HQ as the case may be :—

1. Matric/Higher Secondary School Certificate or its equivalent showing date of birth.
2. Degree/Provisional Degree Certificate/marks sheet showing clearly having passed degree examination and eligible for award of degree.

In the first instance all qualified candidates eligible for SSB interview will carry their original Matric/Hr. Secondary School Certificate with them while going to the Service Selection Centres for SSB interview as otherwise they shall not be allowed to appear for SSB interview. No relaxation for non-submission of Matric/Hr. Secondary School Certificate at the Selection Centre is allowed.

IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT FALSE, FRAUD/FABRICATED THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 6 BELOW :

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

(i) obtaining support for his candidature by any means; or (ii) impersonating; or (iii) procuring impersonation by any person, or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or

(xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them,

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONGWITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

#### 7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS :

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 15th December, 1986 (29th December, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangti Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 15th December, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep of abroad from a date prior to 15th December, 1986.

#### NOTE :

(i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

(ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

#### 8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION/ARMY/NAVAL/AIR HEADQUARTERS.

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :

(i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

(ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application it is not, however, possible to say when the result of the application will be commu-

nicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- (iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as the Application Registration No. already communicated to the candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidate should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

**IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.**

1. NAME OF THE EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.)
4. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

**N.B.:** (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

**N.B.:** (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

**N.B.:** (iii) CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS OF THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'s BRANCH, RTG., 6 (SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY

WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch, RTG 6(SP) (e) (ii) West Block 3, 2nd Floor, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 in case of candidates having IMA or Navy or OTS as their first choice and PO 3 (A) Air Headquarters, Wing No. 7 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, in the case of candidates having Air Force first choice.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army Headquarters/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

**N.B.:** In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of October, 1987 and by 4th week of December, 1987 for OTS, he should write to Army Headquarters/RTG. 6(SP) (e) West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter.

(vii) **ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF:** Only those candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit their original certificates alongwith the attested copies thereof in support of educational qualification at Service Selection Centres before SSB interview or to Army HQ RTG. 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of the Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066; in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 31st December, 1987/30th April 1988 in case of SSC (NT) only. Certified true copies or photostatic copies of the certificates will not be accepted in any case.

**9. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.**—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in September/October 1987 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1987/January, 1988.

Candidates will appear before the Service Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i), written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merits



on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

NOTE : Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the I(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

10. **DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.**—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

11. **RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.**—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No. candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for admission to the Officer's Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

12. **OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.**—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NA/AFA may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shortfall on that particular course.

13. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

14. **NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

M. K. KRISHNAN  
Deputy Secretary

Union Public Service Commission

#### APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

#### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

(a) written examination as shown in para 2 below :

(b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For Admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . . . .	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
---------	--------------	---------------

#### COMPULSORY

1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100

**OPTIONAL**

3. Elementary Mathematics or Elementary Physics . . . . .	2 Hours	100
4. Mathematics or Physics . . . . .	2 Hours	150

\*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

**(c) For Admission to Officers' Training School**

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100

**(d) For Admission to Air Force Academy**

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . . . .	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. The question papers (Test Booklets) will be set in English only. The "Candidates Information Manual" containing details pertaining to objective type Tests including sample question will be supplied to candidates along with the Admission Certificate.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. The candidates are not permitted to use calculator for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

**B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.****STANDARD**

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

**SYLLABUS****ENGLISH (Code No. 01)**

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

**GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)**

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

**ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)****Arithmetic**

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions, subtraction, multiplication, division, Square roots. Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

**Algebra**

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities Laws of Indices.

**TRIGONOMETRY**

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$

Values of  $\sin x$ ,  $\cos x$  and  $\tan x$ , for  $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$  and  $90^\circ$

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

**Geometry**

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

**Mensuration**

Areas of squares rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

**Statistics**

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

**MATHEMATICS (Code No. 04)****1. Algebra**

Algebra of Sets, relation and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

**2. Matrices**

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants, adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

**3. Analytical Geometry****Analytical Geometry of two dimensions**

Straight lines, pair of straight lines, circles systems of circles ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

*Analytical Geometry of three dimensions*

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. *Calculus and Differential Equation*

**Differential Calculus.**—Concept of limit, continuity and Differentiability of a function of one of real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem (Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and minima of a function of single variable geometrical applications such as tangent, normal sub-tangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial differentiation. Eulers theorem for homogeneous functions.

**Integral Calculus.**—Standard methods of integration Riemann definition to definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of evolution. Simpsons rule for numerical integration.

**Differential Equations.**—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems of growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. *Mechanics (Vector methods may be used)*

**Statics.**—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane virtual work (two dimensions).

**Dynamics.**—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. **Statistics.**—**Probability.**—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication theorems. conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

**Standard distribution.**—Binomial Distribution, definition mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

**Bivariate Distribution.**—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal,  $t$ ,  $\chi^2$  and  $F$  distributions for tests of significance.

**Note :**—Out of two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

*ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)*

(a) **Mensuration.**—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force, Units of Force, Mass and weight.

(b) **Mechanics of Solids.**—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane Screw and Gears. Friction angle of friction coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.

(c) **Properties of Fluids.**—Pressure and Thrust. Pascal's Law. Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law, Air pumps.

(d) **Heat.**—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero, Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity dew point and relative humidity.

(e) **Light.**—Rectilinear Propagation, Laws of reflection, spherical mirrors Refraction, laws of refraction Lenses, optical instruments, camera, projector, epidiascope telescope, microscope, binocular & Periscope, Refraction through a prism, dispersion.

(f) **Sound.**—Transmission of sound; Reflection of sound resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) **Magnetism & Electricity.**—Laws of Magnetism; magnetic field. Magnetic lines of force. Terrestrial Magnetism conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; a conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter. Wattmeter, chemical effect of an electric current, electrifying, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

*PHYSICS (Code No. 06)*1. *General properties of matter and mechanics*

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia. Work, energy and momentum Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum, Elasticity, Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. *Sound*

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. *Heat and Thermodynamics*

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. *Light*

Geometrical optics, Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces, Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. *Electricity and Magnetism*

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination thermoelectric effect; Electromagnetic induction. Production of alternating currents Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. *Modern Physics*

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity, Artificial radioactivity. Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

**INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST**

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

**APPENDIX II****Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination**

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms. for Navy and 162.5 cms. for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives, the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

**Height and Weight Standards**

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	20 years	22 years
152 . . . . .	44	46	47
155 . . . . .	46	48	49
157 . . . . .	47	49	50
160 . . . . .	48	50	51
162 . . . . .	50	52	53
165 . . . . .	52	53	55
168 . . . . .	53	55	57
170 . . . . .	55	57	58
173 . . . . .	57	59	60
175 . . . . .	59	61	62
178 . . . . .	61	62	63
180 . . . . .	63	64	65
183 . . . . .	65	67	67
185 . . . . .	67	69	70
188 . . . . .	70	71	72
190 . . . . .	72	73	74
193 . . . . .	74	76	77
195 . . . . .	77	78	78

A 4-10% (for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healings completed.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (l) Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D. and hypermetropia not more than 3.5 D. including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards :—

- Distant vision . . . . . 6/12, 6/12 Correctable to 6/6
- Near vision . . . . . N-5 each eye
- Colour vision . . . . . CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.75 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

**Ocular Muscle Balance**

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

- (i) at 6 metres . . . . . Exophoria 8 prism dioptres, Esophoria 8 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.
- (ii) at 30 cm. . . . . Exophoria 16 prism dioptres, Esophoria 6 prism dioptres, Hyperphoria 1 prism dioptres.

(o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.

(p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of service spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only :—

(a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows :

Height . . . . .	162.5 cms.
Leg Length . . . . .	Min. 99 cms. & Max. 120 cms.
Thigh Length Sitting . . . . .	Max. 64 cms.
Height . . . . .	Min. 81.5 cms. & Max. 96 cms.

(b) X-Ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying :

- (i) Granulomatous disease of Spine
- (ii) Arthritis/spondylosis
- (iii) More than mild kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15 by Cobb's method will be cause for rejection.
- (iv) Spondylolisthesis/spondylolysis
- (v) Herniated Nucleus Pulposus
- (vi) Compression fracture of Vertebra
- (vii) Scheuermann's Disease
- (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
- (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.

(c) X-Ray Chest is compulsory

(d) Vision

Distance Vision . . . . .	6/6, 6/9	Correctable to 6/6
Near vision . . . . .	N-5	each eye.
Colour Vision . . . . .	CP-1 (MLT)	
Manifest Hypermetropia . . . . .	Must not exceed 2.00D.	

Ocular Muscle Balance

Metrophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(i) at 6 metres :	Exophoria	6	prism
	Esophoria	6	prism
	Hyperphoria	1	prism
(ii) at 33 cms. . . . .	Exophoria	16	prism
	Esophoria	6	prism
	Hyperphoria	1	prism
	Myopia	Nil.	
	Astigmatism+	0.75 D	only

Binoocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards :

(i) Speech test . . . . .	Whispered pinnng 610 cms. each ear
(ii) Audiometric test . . . . .	Audiometric should not exceed +10db in frequencies between 250 Hz and 400 Hz

(f) Routine ECG and EEG should be within normal limits

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.

4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

### APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

#### (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN

1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy—

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise,

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally elected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility or financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00

(b) For items of clothing and equipment—Rs. 1500.00

Total : Rs. 1950.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00,

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) **PARSHURAM BHAAU PATWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
- (b) if he is not granted a commission refunded to the State.

On being granted a commission, article of clothing and necessities purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate, will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous/Military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

#### 11. Terms and Conditions of Service

##### (i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel	1900 fixed
Lieut	830—950	(Time scale)	
Captain	1100—1550	Colonel	1950—21 75
		Brigadier	2200—2400

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
Major	1450—1800	Maj. General	2500—125/2—2750
Major Selection Grade Pay)	1800—50—1900		
Lt. Colonel	(by selection. 1750—1960	Lt. General	3000 Pm.
		Lt. General	3250 p.m. (Army Commanders)
Lt. Colonel	2000-50-2100 (Selection Grade Pay)		

##### (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ 70/- p.m.

##### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) **Compensatory (City) and Dearness Allowances** are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
  - (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.
  - (c) **Expatriation Allowance** is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.
  - (d) **Separation allowance**: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
  - (e) **Outfit Allowance**: Initial outfit allowance is Rs. 2100/-.
- A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.
- (f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

##### (iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

##### (v) PROMOTION

###### (a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

###### By time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service
Capt.	5 years of Commissioned Service.
Major	11 years of Commissioned Service
Lt. Col.	21 years of Commissioned Service

###### By Selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	28 years of Commissioned Service
General	No e tions

(b) *Acting promotion*

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :—

Captain . . . . .	3 years.
Major . . . . .	6 years.
Lt. Colonel . . . . .	6 1/2 years
Colonel . . . . .	8 1/2 years
Brigadier . . . . .	12 years
Major General . . . . .	20 years
Lt. General . . . . .	25 years

## (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy, Cochin.

## (1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month . . . . .	Rs. 225.00
(ii) For items of clothing and equipment . . . . .	Rs. 460.00
Total . . . . .	Rs. 685.00

## (2) Candidates applying for Government financial aid

(i) Pocket allowance for two months @ Rs. 45.00 per month . . . . .	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment . . . . .	Rs. 460.00
Total . . . . .	Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishment as under :

- (a) Cadets Training including afloat training for 6 months . . . 1 year
- (b) Midshipmen afloat Training . . . 6 months
- (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course . . . . . 12 months
- (d) Sub-Lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training a Naval ships/establishments, financial assistance as

aforsaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ship and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign :—

- (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

## 3. PAY AND ALLOWANCES

## (a) PAY

Rank	Pay Scale General Services
1	2
Midshipman . . . . .	Rs. 560.00
Ag. Sub-lieut. . . . .	Rs. 750.00
Sub-Lieut . . . . .	Rs. 830.00—870.00
Lieut . . . . .	Rs. 1100.00—1450.00
Lieut Cdr. . . . .	Rs. 1450.00—1800.00
Lieut Cdr. (Selection Grade Pay) . . . . .	Rs. 1800.00—1900.00
Commander (By Selection) . . . . .	1750.00—1950.00
Commander (by Time scale). . . . .	Rs. 1900.00 fixed

Captain	Rs. 1950-2400-00 (Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain)
Rear Admiral	Rs. 2500-00-125-00/2-2750-00
Vice-Admiral	Rs. 3000-00
Vice-Admiral (VCNS-FOC-IN-C)	Rs. 3250-00
Admiral	Rs. 4000-00

**(b) ALLOWANCES**

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances and interim relief are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible to—
  - (a) married officers serving in non-family station; and
  - (b) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance : Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400/-  
(b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100/-, after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commodore (N) in the Navy.
- (vii) *Separation Allowance (Peace)*  
Rear Admiral and above when forced to live in mess due to non-availability of family accommodation are entitled to Separate Allowance (Peace) of Rs. 200/- P.M. w.e.f. the date of assumption of duty at the new Station till allotment of family accommodation. This allowance would be payable only in areas where such officers are not entitled to free ration as part of field services concession.

**NOTE I :—**In addition certain special concessions like hard-lying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualification pay/grant, Technical Pay and driving pay are admissible to officers.

**NOTE II :—**Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

**4. PROMOTION****(a) By time scale**

Midshipman to Ag Sub. Lieut	1/2 year
Ag. Sub. Lieut to Sub Lieut	1 Year.
Sub. Lieut to Lieut	3 years as Ag. and Confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority)
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service.)

**(b) By selection**

Lieut Cdr. to Cdt.	2-8 years seniority as Lieut Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.

*Capt to Rear Admiral and above. No service restriction.*

**5. POSTING**

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

**NOTE.**—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Services, Naval Headquarters, New Delhi-110011.

**(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL MADRAS**

1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers' Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month	Rs. 900.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 500.00
<b>Total</b>	<b>Rs. 1400.00</b>

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however,



be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of Commission, are given below.

#### 9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

#### 10. Terms and conditions of Service

##### (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

##### (b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

##### (c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

##### (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay of 2/Lt. and Lieut are—

(i) Second Lieut . . . . .	Rs. 750-790 p. m.
(ii) Lieut . . . . .	Rs. 830-950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

(e) Leave : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of the Rule 91 *ibid*.

(f) Termination of Commission : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or

- (ii) on account of medical unfitness; or

- (iii) if his services are no longer required; or

- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

##### (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.

- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

##### (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous : All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

#### (D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two source i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

- (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.

- (b) NCC Entry.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interviews.

2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group Insurance Society would pay Rs. 35,000/- as Ex gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and under-going flying training in an unfortunate eventuality. In case a flight cadet undergoing flying training is medically invalidated and boarded out, he would be paid Rs. 20,000/- as Ex gratia award for 100% disability and this reduces proportionately upto 20%.

Once, flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50,000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability. This cover would be provided by AFGIS on payment of monthly non-refundable contribution of Rs. 76/- by each flight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

*Conditions governing Financial Assistance*

(i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent/guardian for a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College Red Fields, Coimbatore.

(ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

(b) For item of clothing and equipment Rs. 525.00  
Total : Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned :—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

*4. Career Prospects*

After successful completion of training the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

*5. PAY AND ALLOWANCES*

Substantive Rank	Flying Branch
	Rs.
Plt. Offr. . . . .	825-865
Ftg. Offr. . . . .	910-1030
Flt. Lt. . . . .	1150-1550
Sqn. Ldr. . . . .	1450-1800
Wg. Cdr. . . . .	1550-1950
Gp. Capt. . . . .	1950-2175
Air Comdc. . . . .	2200-2400
Air Vice Marshal . . . . .	2550-2750
Air Marshal . . . . .	3000

*Dearness and Compensatory Allowance.*—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

*Kit Maintenance Allowance.*—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

W. Cdr. and below . . . . .	Rs.	740.00 P.M.
Gp Capt. and Air Comde . . . . .	Rs.	666.00 P.M.
Air Marshal and above . . . . .	Rs.	600.00 P.M.

*Qualification Pay.*—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs 70/-, and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

*Expatriation Allowance.*—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

*Separation Allowances.*—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

*Outfit Allowance.*—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1,800/ for renewal after every seven years.

*Camp Kit.* Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

*6. Leave and Leave Travel Concession*

*Annual Leave.*—60 days a year.

*Casual Leave.*—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 1450 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wife and dependent children.

Officers when travelling leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers

*7. Pensionary Benefits*

Retiring Rank substantive	Minimum length of qualifying service	Standard rate of retiring pension	Personal pension
1	2	3	4
		Rs.	Rs.
Plt. Offr. /Fg			
Offr. . . . .	20 years	950.00 P.M.	100.00 P.M.
Flt. Lt. . . . .	20 years	1200.00 P.M.	75.00 P.M.

1	2	3	4
Sqn. Ldr.	22 years.	1400.00 P.M.	—
Wg. Cdr.			—
(Time Scale).	25 years.	1525.00 P.M.	—
Wg. Cdr.			—
(Selective)	24 years.	1575.00 P.M.	—
Gp. Capt.	26 years.	1850.00 P.M.	—
Air Comde.	28 years.	2025.00 P.M.	—
Air Vice			—
Marshal	30 years.	2275.00 P.M.	—
Air Marshal	30 years.	2400.00 P.M.	—
Air Marshal			—
VCAS and			—
AOSC-in-C	30 years.	2500.00 P.M.	—
Marshal	30 years.	2825.00 P.M.	—

#### 8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under :—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held.

- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less ½ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to maximum of 16½ times of the emoluments not exceeding Rs. 50,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

#### 9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

